

# THE DEVANĀGARĪ SCRIPT

Devanāgarī letters, their English equivalents and pronunciations are as follows:

## VOWELS

अ	<i>a</i>	rural
आ	<i>ā</i>	father
इ	<i>i</i>	fill
ई	<i>ī</i>	feel
उ	<i>u</i>	full
ऊ	<i>ū</i>	fool
ऋ	<i>r</i>	merrily
ॠ	<i>ī</i>	marinc
ए	<i>e</i>	they
ऐ	<i>ai</i>	Kaikeyi
ओ	<i>o</i>	go
औ	<i>au</i>	Kaushalya
	<i>m</i>	म् Hamṣa
ः	<i>h</i>	ह saḥ

ञ	<i>ñ</i>	ginger
ट	<i>t</i>	true
ठ	<i>th</i>	anthill
ड	<i>d</i>	drum
ढ	<i>dh</i>	redhead
ण	<i>n</i>	tournament
त	<i>t</i>	} Similar to the previous five but with the tongue against the teeth as in the French dentals.
थ	<i>th</i>	
द	<i>d</i>	
ध	<i>dh</i>	
न	<i>n</i>	

प	<i>p</i>	put
फ	<i>ph</i>	uphill
ब	<i>b</i>	bear
भ	<i>bh</i>	abhor
म	<i>m</i>	map
य	<i>y</i>	year
र	<i>r</i>	red
ल	<i>l</i>	lull
व	<i>v</i>	ivy (but like <i>w</i> after consonants)
श	<i>ś</i>	sure
ष	<i>ṣ</i>	shun
स	<i>s</i>	saint
ह	<i>h</i>	hear

## CONSONANTS

क	<i>k</i>	kill
ख	<i>kh</i>	inkhorn
ग	<i>g</i>	get
घ	<i>gh</i>	loghut
ङ	<i>ṅ</i>	sing
च	<i>c</i>	church
छ	<i>ch</i>	hitchhike
ज	<i>j</i>	jōy
झ	<i>jh</i>	hedgēhog

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ ॠ

ल ए ऐ ओ

औ अं अः

१ २ ३ ४ ५

६ ७ ८ ९ ०

क	ख	ग	घ
ङ	च	छ	ज
झ	ञ	ट	ठ
ड	ढ	ण	त
थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ
म	य	र	ल
व	श	ष	स
ह	क्ष	त्र	ज्ञ

## About the Script

The exact pronunciation of ख, क, अ, इ, ए, ऋ, ॠ is not possible in Tamil and English; only the approximate pronunciation is given on the ninth page.

Drawings of the Devanāgarī letters and numerals are shown on the previous two pages. The order of strokes is marked there by numbers and lines.

In Sanskrit no consonant can ever be uttered alone without the help of a vowel added to it, and when we add vowels to consonants they are not separately written, as in English, but indicated by various signs, e.g.,

क अ क	क आ का	क इ कि	क ई की	क उ कु
<i>ka</i>	<i>kā</i>	<i>ki</i>	<i>kī</i>	<i>ku</i>
क ऊ कू	क ऋ कृ	क ॠ कृ	क ए के	क ऐ कै
<i>kū</i>	<i>kṛ</i>	<i>kṛ</i>	<i>ke</i>	<i>kai</i>
क ओ को	क औ कौ	क अं कं	क ईं किं	क अः काः
<i>ko</i>	<i>kau</i>	<i>kaṁ</i>	<i>kiṁ</i>	<i>kaḥ</i>
क आः काः	क इः किः	क उः कुः	क ओः कोः	इत्यादि
<i>kaḥ</i>	<i>kiḥ</i>	<i>kuḥ</i>	<i>koḥ</i>	<i>etc.</i>

The combinations of vowels with all the other consonants are to be represented in a similar way; but in the case of र, ड and ङ, they will be as follows --

र, उ रु *ru*, र, ऋ रू *rū*.

## Conjunct Consonants

Two or more consonants coming one after the other form a conjunct consonant (युक्ताक्षर *yuktākṣara*). 21 consonants have a vertical line on the right side. When they are to be joined to other consonants, we have simply to write the consonant without the vertical line and write the next consonant close to it, e.g., स् स्म, न् द न्द, ख् य ख्य and so on. र coming as the last member of a conjunct consonant is written as in प्र र प्र, म् र म्, द् र द्, इ र इ, ट् र ट्, ह् र ह् or ह and क् र क्, त् र त्, श् र श्। र coming as the first member of a conjunct consonant is written like this – र्क क्, र्प प्, र्म म्, र्च च् etc.

*Here is a list of important conjunct consonants :*

क् क क्क <i>kka</i>	क् त क्त <i>kta</i>	क् त् व क्त्व <i>ktva</i>	क् न क्न <i>kna</i>	क् प क्म <i>kma</i>
क् र क्र <i>kra</i>	क् य क्य <i>kya</i>	क् ल क्ल <i>kla</i>	क् व क्व <i>kva</i>	क् ष क्ष <i>kṣa</i>
क् ष् ण क्ष्ण <i>kṣṇa</i>	क् ष् म क्ष्म <i>kṣma</i>	क् ष् य क्ष्य <i>kṣya</i>	ख् र ख्र <i>khra</i>	ख् य ख्य <i>khya</i>
ग् ण ग्ण <i>gna</i>	ग् ध ग्ध <i>gdha</i>	ग् न ग्न <i>gna</i>	ग् म ग्म <i>gma</i>	ग् य ग्य <i>gya</i>

ग र ग्र <i>gra</i>	ग ल ग्ल <i>gla</i>	ग व ग्व <i>gva</i>	घ न घ्न <i>ghna</i>	घ र घ्र <i>ghra</i>
ङ क ङ्क <i>nika</i>	ङ ख ङ्ख <i>nikha</i>	ङ ग ङ्ग <i>nga</i>	ङ घ ङ्घ <i>ngha</i>	ङ्कृत ङ्कृत <i>ṅkṛta</i>
च् च च्च <i>cca</i>	च् छ च्छ <i>ccha</i>	च् छ र च्छ्र <i>cchra</i>	च् म् च्म <i>cma</i>	च् य च्य <i>eya</i>
च् व च्व <i>chva</i>	ज् ज ज्ञ <i>jja</i>	ज् ज ञ् <i>jña</i>	ज् र ज्ञ <i>jra</i>	ज् व ज्व <i>jva</i>
ज् य ज्य <i>jya</i>	ञ् च ञ्च <i>ñca</i>	ञ् छ ञ्छ <i>ñcha</i>	ञ् ज ञ्ज <i>ñja</i>	ट ट ट्ट <i>ṭṭa</i>
ट र ट्र <i>tra</i>	ट् य ट्य/ठ्य <i>ṭhya</i>	ड् य ड्य/ढ्य <i>ḍya</i>	ण् ट ण्ट <i>ṇṭa</i>	ण् ठ ण्ठ <i>ṇṭha</i>
ण् ड ण्ड <i>ṇḍa</i>	ण् ढ ण्ढ <i>ṇḍha</i>	ढ् य ढ्य/ढ्य <i>ḍhya</i>	ण् ण ण्ण <i>ṇṇa</i>	ण् म ण्म <i>ṇma</i>
ण्य य ण्य <i>nya</i>	ण्व व ण्व <i>ṇva</i>	त् क त्क <i>tka</i>	त् त त्त <i>tta</i>	त् त्व त्त्व <i>ttva</i>
त् थ त्थ <i>ttha</i>	त् न त्न <i>tna</i>	त् प त्प/प्त <i>tpa</i>	त् म त्म <i>tma</i>	त् य त्य <i>tya</i>

तृ त्र <i>tra</i>	तृ व त्व <i>tva</i>	तृ स त्स <i>tsa</i>	तृ स न त्स <i>tsna</i>	तृ स्य त्स्य <i>tsya</i>
थृ न थ्न <i>thna</i>	थृ य थ्य <i>thya</i>	दृ द द्द <i>dda</i>	दृ ध द्ध <i>ddha</i>	दृ ब द्ब <i>dba</i>
दृ भ द्भ/ब्भ <i>dbha</i>	दृ म द्म <i>dma</i>	दृ य द्य <i>dya</i>	दृ र द्र <i>dra</i>	दृ व द्व <i>dva</i>
धृ न ध्न <i>dhna</i>	धृ म ध्म <i>dhma</i>	धृ य ध्य <i>dhya</i>	धृ व ध्व <i>dhva</i>	नृ त न्त <i>nta</i>
नृ त्र न्त्र <i>ntra</i>	नृ द न्द <i>nda</i>	नृ द र न्द्र <i>ndra</i>	नृ ध न्ध <i>ndha</i>	नृ ध र न्ध्र <i>ndhra</i>
नृ न न्न <i>nna</i>	नृ म न्म <i>nma</i>	नृ य न्य <i>nya</i>	नृ व न्व <i>nva</i>	पृ त प्त <i>pta</i>
पृ न प्न <i>pna</i>	पृ य प्य <i>pya</i>	पृ र प्र <i>pra</i>	पृ ल प्ल <i>pla</i>	पृ स प्स <i>psa</i>
फृ य फ्य <i>phya</i>	बृ ज ब्ज <i>bja</i>	बृ द ब्द <i>bda</i>	बृ ध ब्ध <i>bdha</i>	बृ र ब्र <i>bra</i>
भृ य भ्य <i>bhya</i>	भृ र भ्र <i>bhra</i>	मृ न म्न <i>mna</i>	मृ प म्य <i>mpa</i>	मृ पृ र म्र <i>mpra</i>

म् ब म्ब <i>mba</i>	म् भ म्भ <i>mbha</i>	म् म म्म <i>mma</i>	म् य म्य <i>mya</i>	म् र म्र <i>mra</i>
म् ल म्ल <i>mla</i>	य् य य्य <i>yya</i>	र् क र्क <i>rka</i>	र् ग र्ग <i>rga</i>	र् घ र्घ <i>rgha</i>
र् च र्च <i>rea</i>	र् ज र्ज <i>rja</i>	र् घ् य र्घ्य <i>rghya</i>	र् म र्म <i>rma</i>	ल् क ल्क <i>lka</i>
ल् प ल्प <i>lpa</i>	ल् म ल्म <i>lma</i>	ल् य ल्य <i>lya</i>	ल् ल ल्ल/ल्ल <i>lla</i>	ल् व ल्व <i>lva</i>
व् य व्य <i>vya</i>	व् र व्र <i>vra</i>	श् च र्च/श्च <i>śca</i>	श् न र्न <i>śna</i>	श् म र्म <i>śma</i>
श् य र्य <i>śya</i>	श् र र्र <i>śra</i>	श् व र्व/श्च <i>śva</i>	श् ल र्ल <i>śla</i>	ष् क ष्क <i>śka</i>
ष् ट ष्ट/ष्ट <i>ṣṭa</i>	ष् ट् र ष्ट्र <i>ṣṭra</i>	ष् ठ ष्ठ/ष्ठ <i>ṣṭha</i>	ष् ण ष्ण <i>ṣṇa</i>	ष् प ष्य <i>ṣpa</i>
ष् प् र ष्य <i>ṣpra</i>	ष् म ष्म <i>ṣma</i>	ष् य ष्य <i>ṣya</i>	ष् व ष्व <i>ṣva</i>	स् क स्क <i>ska</i>
स् ख स्ख <i>skha</i>	स् त स्त <i>sta</i>	स् त् य स्त्य <i>stya</i>	स् त् र स्त्र <i>stra</i>	स् त् व स्त्व <i>stva</i>

स्थ स्थ <i>stha</i>	स्न स्न <i>sna</i>	स्प स्प <i>spa</i>	स्फ स्फ <i>spha</i>	स्म स्म <i>sma</i>
स्य स्य <i>sya</i>	स्र स्र <i>sra</i>	स्व स्व <i>sva</i>	ह्ण ह्ण <i>hṇa</i>	ह्ण ह्ण <i>hṇa</i>
ह्म ह्म <i>hma</i>	ह्य ह्य <i>hya</i>	ह्र ह्र/ह्र <i>hra</i>	ह्ल ह्ल <i>hla</i>	ह्व ह्व <i>hva</i>

### Remember

रु रु, रू रू, क्त क्त, क्र क्र, क्ष क्ष,  
ज्ज ज्ज, त्त त्त, त्र त्र, द्द द्द, ध्ध ध्ध,  
म म, य य, व व, न न, ल् ल,  
श्र श्र, ष्ट ष्ट, ह्ण ह्ण, ह्ण ह्ण, ह्म ह्म,  
ह्य ह्य, ह्व ह्व ।

## COMMON VOCABULARY

The following words are common to Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam, Bengali, Oriya, Hindi, Gujarati, Marathi, Maithili and Assamese. Barring a few, they are the same in Punjabi also. This shows how our languages are closely linked with Sanskrit.

### (क) अकारान्ताः पुलिङ्गाः

The following words which are masculine in Sanskrit are used in Tamil and Malayalam in the neuter form of Sanskrit, e.g.,

<u>संस्कृतम्</u>	<u>तमिळ्</u>	<u>मलयाळम्</u>
अंशः	अंशम्	अंशम्
अङ्कः	अङ्कम् (नाटकस्य)	अङ्कम्

In Tamil the middle three letters of the five classified consonants are not there, i.e., they have क, ख, च, ज, ट, ठ, त, न, प, म and not the rest of the fifteen consonants. The same first letters (क, च, ट, त, प) are used to denote the sounds of the third letters (ण, ज, ड, द, ब) also. Hence there is difference in pronunciation, e.g.,

<u>संस्कृतम्</u>	<u>तमिळ्</u>
अपमानः	अबमानम्
अभिप्रायः	अबिप्रायम्

Telugu words can be formed by suffixing उ to the words in Tamil and Malayalam, e.g.,

<u>संस्कृतम्</u>	<u>तमिळ्</u>	<u>मलयाळम्</u>	<u>तेलुगु</u>
अंशः	अंशम्	अंशम्	अंशमु
अभिनयः	अबिनयम्	अभिनयम्	अभिनयमु
निश्चयः	निच्चयम्	निश्चयम्	निश्चयमु

In other Indian languages the following words are used without विसर्ग, e.g.,

संस्कृतम्अन्यभारतीयभाषाः

अंशः

अंश

अभिप्रायः

अभिप्राय। एवमेव —

अङ्कः	अङ्कुकुशः	अङ्कगुलः	अट्टहासः	अधरः
अधिकारः	अध्यायः	अनुग्रहः	अनुभवः	अन्तः
अन्यायः	अपकारः	अपमानः	अपराधः	अपवादः
अभिनयः	अभिमानः	अभिषेकः	अभ्यासः	अरुणोदयः
अर्थः	अलङ्कारः	अवकाशः	अवतारः	अवयवः
अहङ्कारः	आक्षेपः	आचारः	आडम्बरः	आदेशः
आधारः	आनन्दः	आरम्भः	आलापः	आशीर्वादः
आश्रमः	आहारः	इतिहासः	उद्योगः	उत्सवः
उत्साहः	उपकारः	उपग्रहः	उपचारः	उपदेशः
उपयोगः	उपवासः	उपायः	उल्लासः	ओङ्कारः
कटाक्षः	कफः	कलङ्कः	कायः	कालः
किरणः	कुम्भः	केशः	कोणः	कोपः

कोलाहलः	क्रमः	क्रयः	क्षणाः	गन्धकः
गर्भः	गर्वः	गुणः	ग्रहः	ग्रामः
जनः	जपः	जयः	जलदोषः	ज्वरः
तानः	तालः	त्यागः	तर्कः	दन्तः
दीपः	देशः	देहः	द्वेषः	दोषः
द्रोहः	धर्मः	धूपः	नमस्कारः	नागः
नादः	नाशः	निमिषः	निर्णयः	निलयः
निश्चयः	न्यायः	न्यायालयः	पणः	पदार्थः
परलोकः	पराक्रमः	परिचयः	परिवारः	परिहासः
पर्वतः	पश्चात्तापः	पाठः	पादः	पाशः
प्रकारः	प्रकाशः	प्रचारः	प्रदेशः	प्रबन्धः
प्रयत्नः	प्रयासः	प्रयोगः	प्रलयः	प्रलापः
प्रवाहः	प्रवेशः	प्रसङ्गः	प्रसवः	प्रसादः
प्रस्तावः	प्राणायामः	भूकम्पः	भेदभावः	भोगः
मकरः	मठः	मण्डपः	मध्याह्नः	मन्त्रः
मनस्तापः	महोत्सवः	मार्गः	मासः	मुहूर्तः
मृदङ्गः	मेघः	मोक्षः	मोहः	यज्ञः
यागः	योगः	रथः	रसः	रागः
रोगः	लयः	लाभः	लोकः	लोभः
वंशः	वधः	वरः	वर्गः	वर्णः
वशः	वसन्तः	वादः	विग्रहः	विजयः
विद्यालयः	विनयः	विनाशः	विनोदः	विरोधः
विवादः	विवाहः	विवेकः	विशेषः	विश्वासः
विषयः	वृक्षः	वेषः	व्यापारः	शपथः

शब्दः	शापः	शोकः	श्रमः	श्लोकः
श्वासः	संहारः	सङ्कल्पः	सङ्कोचः	सङ्गमः
सङ्घः	सञ्चारः	सन्तानः	सन्तोषः	सन्दर्भः
सन्देहः	सञ्चासः	समयः	समाजः	समाचारः
सम्मानः	समुदायः	समुद्रः	समूहः	सम्प्रदायः
सम्बन्धः	सर्पः	सहवासः	सहायः	सायङ्कालः
सारः	सिंहः	सिद्धान्तः	सुगन्धः	सुरङ्गः
स्पर्शः	स्वप्नः	स्वभावः	स्वरः	स्वयंवरः
स्वर्गः	स्वीकारः	हंसः	हारः	होमः

### (ख) अकारान्ताः नपुंसकलिङ्गाः

The following words are used as they are in Malayalam. In Tamil also they are used similarly except for the following which are written and spoken differently, e.g.,

<u>संस्कृतम्</u>	<u>तमिळ्</u>
उदाहरणम्	उदारणम् (हकारस्य लोपः)
दारिद्र्यम्	दरिद्रम् (आकारस्य यकारस्य च लोपः)
रक्तम्	रत्तम् (ककारस्य तकारः)
रहस्यम्	रगसियम् (हकारस्य गकारः)
लेह्यम्	लेगियम् (हकारस्य गकारः)

Telugu-words are formed by suffixing उ to the following words, e.g., अङ्गम् — अङ्गु, अञ्जनम् — अञ्जनु इत्यादि।

In other Indian languages the following words are used without the last letter म्, e.g., अङ्गम् – अङ्ग, अञ्जनम् – अञ्जन । एवमेव –

अण्डम्	अन्तःपुरम्	अन्नम्	अपथ्यम्	अभयम्
अमृतम्	अस्त्रम्	अहोरात्रम्	आकाशम्	आयुधम्
आरोग्यम्	आलस्यम्	आश्चर्यम्	आसनम्	उत्तरम्
उत्तरीयम्	उदरम्	उदाहरणम्	उद्घानम्	उपकरणम्
ऐक्यम्	ऐश्वर्यम्	औदार्यम्	औषधम्	कङ्कणम्
कन्यादानम्	कपटम्	कपालम्	कर्पूरम्	कमलम्
कर्मेन्द्रियम्	कलशम्	कल्याणम्	कवचम्	कष्टम्
काञ्चनम्	कारणम्	कारुण्यम्	कार्यम्	कार्यालयम्
कालचक्रम्	काव्यम्	किरीटम्	कुङ्कुमम्	कुटुम्बम्
कुण्डलम्	कुतूहलम्	कुलम्	कुष्ठम्	केन्द्रम्
क्षीरम्	क्षेत्रम्	खण्डम्	गणितम्	गर्भगृहम्
गानम्	गाम्भीर्यम्	गीतम्	गुरुकुलम्	गोकुलम्
गोत्रम्	गोमूत्रम्	गौरवम्	घृतम्	चक्रम्
चतुर्भुजम्	चन्दनम्	चन्द्रग्रहणम्	चरणम्	चरित्रम्
चातुर्यम्	चापल्यम्	चामरम्	चित्तम्	चित्रम्
चिह्नम्	चूर्णम्	जन्मदिनम्	जलम्	जातकम्
जीवनम्	ज्ञानम्	ज्योतिषम्	तत्त्वम्	तन्त्रम्
तपोवनम्	तलम्	तात्पर्यम्	ताम्बूलम्	ताम्रम्
तारतम्यम्	तिलकम्	तीरम्	तीर्थम्	तैलम्
त्रिकालम्	त्रिकोणम्	त्रिलोकम्	त्रिशूलम्	दण्डम्
दानम्	दारिद्र्यम्	दिनम्	दुःखम्	दुर्भाग्यम्

दुर्भिक्षम्	दूरम्	दूरदर्शनम्	देवस्थानम्	दैवम्
द्रव्यम्	द्वारम्	धनम्	धर्मकार्यम्	धर्मचक्रम्
धान्यम्	धैर्यम्	ध्यानम्	नक्षत्रम्	नखम्
नगरम्	नयनम्	नरकम्	नाटकम्	नाट्यम्
निदर्शनम्	निदानम्	निमित्तम्	निर्वाणम्	नृत्यम्
नेत्रम्	नैवेद्यम्	पञ्चाङ्गम्	पञ्चामृतम्	पत्रम्
पथ्यम्	पदम्	पदकम्	पद्मम्	पद्मासनम्
पद्मम्	पातालम्	पात्रम्	पापम्	पायसम्
पारायणम्	पारिजातम्	पिण्डम्	पित्तम्	पीठम्
पुण्यम्	पुरम्	पुराणम्	पुष्पम्	पुस्तकम्
पृष्ठम्	प्रमाणम्	प्रयोजनम्	प्रवचनम्	प्राधान्यम्
प्रायश्चित्तम्	फलम्	बलम्	बिम्बम्	बित्त्वम्
बीजम्	ब्रह्माण्डम्	भयम्	भाग्यम्	भुवनम्
भूतम्	भूषणम्	भोजनम्	मतम्	मण्डलम्
मन्दिरम्	मनोबलम्	मरकतम्	मलम्	मल्लयुद्धम्
महत्त्वम्	माङ्गल्यम्	माधुर्यम्	मांसम्	माहात्म्यम्
मुकुटम्	मुखम्	मुहूर्तम्	मूत्रम्	मूलम्
मूलधनम्	मूल्यम्	मौनम्	यन्त्रम्	युगम्
युद्धम्	यौवनम्	रक्तम्	रत्नम्	रसायनम्
रहस्यम्	राज्यम्	रूपम्	लक्षम्	लक्षणम्
लक्ष्यम्	लवङ्गम्	लवणम्	लावण्यम्	लिङ्गम्
लेह्यम्	लोहम्	वचनम्	वज्रम्	वदनम्
वनम्	वर्षम्	वस्त्रम्	वाक्यम्	वाद्यम्
वाहनम्	विज्ञानम्	विज्ञापनम्	विमानम्	विश्वम्

विषम्	वीर्यम्	वैरम्	वैराग्यम्	व्यसनम्
व्याख्यानम्	व्रतम्	शरणम्	शरीरम्	शवम्
शास्त्रम्	शिल्पम्	शीलम्	शुभकार्यम्	शून्यम्
शूलम्	श्राद्धम्	सङ्कटम्	सङ्गीतम्	सत्यम्
सन्निधानम्	समाधानम्	सम्मेलनम्	साधनम्	सामर्थ्यम्
साम्राज्यम्	साहित्यम्	सिंहासनम्	सुखम्	सूत्रम्
सूर्यग्रहणम्	सौकर्यम्	सौन्दर्यम्	सौभाग्यम्	स्तोत्रम्
स्थलम्	स्थानम्	स्नानम्	हास्यम्	हृदयम्

### (ग) आकारान्ताः स्त्रीलिङ्गाः

The following words are used in Tamil by replacing आ at the end by ऐ, e.g., अर्चना — अर्चनै, आशा — आशै। There are exceptions like the following :

अन्नपूर्णा — अन्नपूर्णि, कन्या — कन्नि, अमावास्या — अमावासै,  
अनिच्छा — अनिच्चै, तूलिका — तूरिकै, धारा — दारै, निद्रा — नितिरै।

The following words remain the same in Malayalam except for the following, e.g., अमावास्या — अमावासि, गोरचना — गोरचनम्, पादुका — पादुकम्।

In other Indian languages the following words are the same as in Sanskrit.

अन्नपूर्णा	अनाथा	अनिच्छा	अपेक्षा	अमावास्या
अम्बिका	अर्चना	अवस्था	अहिंसा	आराधना
आलोचना	आशा	इच्छा	उपमा	कथा

कन्या	करुणा	कला	कल्पना	कविता
कृपा	क्रिया	गदा	गीता	गुहा
गोरचना	चर्चा	चिकित्सा	चिता	चिन्ता
चेष्टा	जटा	जलक्रीडा	ज्वाला	तारका
दक्षिणा	दया	दशा	दिशा	दीक्षा
देवता	धारा	नायिका	निराशा	निन्दा
निद्रा	पतिव्रता	पत्रिका	परम्परा	परीक्षा
पाठशाला	पादुका	पीडा	पूजा	पूर्णिमा
प्रजा	प्रतिज्ञा	प्रतिमा	प्रतिष्ठा	प्रशंसा
प्रार्थना	भार्या	भावना	भाषा	भिक्षा
ममता	मर्यादा	मल्लिका	मात्रा	माया
माला	मुद्रा	मूर्च्छा	मेखला	मेधा
यात्रा	योग्यता	योजना	रक्षा	रचना
रेखा	लज्जा	लीला	वञ्चना	वनिता
वन्दना	वार्ता	वासना	विद्या	विधवा
वीणा	वेदना	बेला	व्यवस्था	शिक्षा
शिखा	शिला	शोभा	सभा	साधना
सेना	सेवा			

(घ) इकारान्ताः पुंलिङ्गाः

The following words are used in all the major Indian languages without विसर्ग —

अग्निः	अञ्जलिः	अतिथिः	आदिः	उपराष्ट्रपतिः
ऋषिः	कविः	कृमिः	निधिः	दलपतिः

प्रजापतिः	प्रतिनिधिः	न्यायाधिपतिः	बलिः	भूपतिः
मणिः	मुनिः	राष्ट्रपतिः	विधिः	व्याधिः
सन्धिः	सभापतिः	समाधिः	सारथिः	सेनापतिः

### (ड) इकारान्ताः स्त्रीलिङ्गाः

The following words are used in all the major Indian languages without विसर्ग –

अङ्गुलिः	अनीतिः	अनुमतिः	अभिवृद्धिः	आरतिः
कान्तिः	क्रीतिः	कोटिः	ख्यातिः	जातिः
तिथिः	तृप्तिः	दोषावलिः	दृष्टिः	नाडिः
नाभिः	नियतिः	नीतिः	बुद्धिः	भक्तिः
भीतिः	भूमिः	भ्रान्तिः	मतिः	मुक्तिः
मुष्टिः	मूर्तिः	युक्तिः	रात्रिः	रीतिः
रुचिः	विभूतिः	विरक्तिः	शक्तिः	शान्तिः
श्रुतिः	सम्पतिः	सिद्धिः	सृष्टिः	स्तुतिः

### (च) ईकारान्ताः स्त्रीलिङ्गाः उकारान्ताः पुलिङ्गाश्च

Words like the following are used in all the major Indian languages as they are. But in the Southern languages (Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam) the final ई is shortened, e.g., अवनी-अवनि, ईश्वरी-ईश्वरि, दासी-दासि इत्यादि। In Tamil the word मङ्गलरूपिणी becomes मङ्गलरूपि।

आकाशवाणी	कस्तूरी	कुमारी	तुलसी	देवी
नटी	नदी	नाडी	नारी	पत्नी

पदवी	पुत्री	धरणी	मङ्गलरूपिणी	मञ्जरी
मोहिनी	युवती	राक्षसी	श्रीमती	सखी
सती	सहोदरी	सुन्दरी	स्त्री	अणुः
ऋतुः	गुरुः	तरुः	पशुः	प्रभुः
बन्धुः	वायुः	शत्रुः	शिशुः	साधुः

### (छ) इन्नन्ताः (इन्+अन्ताः) पुलिङ्गाः

The following words are used in all the major Indian languages as they are. But in Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam the final ई is shortened, e.g., अधिकारी—अधिकारि, अपराधी—अपराधि इत्यादि।

अशरीरी	उपकारी	चक्रवर्ती	ज्ञानी	त्यागी
देशद्रोही	नाशकारी	पक्षी	परोपकारी	पापी
प्रतिवादी	प्रधानमन्त्री	प्राणी	मायावी	मेधावी
लोभी	वादी	व्यवसायी	व्यापारी	विदेशी
त्रिरोभी	साक्षी	स्वामी		

### (ज) विशेषणानि

The following adjectives are used in all the major Indian languages as they are. But in Tamil and Malayalam, they are used with म् at the end, e.g., अखिल—अखिलम्, अधिक—अधिकम्। In Telugu, they are used by suffixing उ, e.g.,

तमिळ्/मलयाळम्तेलुगु

अखिलम्

अखिलम्

अधिकम्

अधिकम्।

एवमेव —

अखिल	अजीर्ण	अतल	अद्भुत	अनन्त
अनायास	अनावश्यक	अनित्य	अनुकूल	अन्तरङ्ग
अपूर्व	अभीष्ट	अमङ्गल	अवश्य	अविवेक
अशुभ	असार	इष्ट	उग्र	उचित
उच्च	उदार	उदासीन	उष्ण	एकान्त
कुशल	क्रूर	गम्भीर	घन	घोर
चञ्चल	चतुर	चपल	जड	जीर्ण
तीक्ष्ण	तीव्र	तुच्छ	दिव्य	दीन
दुष्ट	निरन्तर	निर्मल	नील	नूतन
पक्व	परम	परस्पर	पवित्र	पूर्ण
प्रचण्ड	प्रचुर	प्रतिकूल	प्रबल	प्रसिद्ध
प्रिय	भयङ्कर	मङ्गल	मधुर	मन्द
मुख्य	योग्य	रमणीय	वक्र	वास्तव
विचित्र	विपरीत	विमल	विशाल	व्यर्थ
व्याकुल	शाश्वत	शीघ्र	शुद्ध	शुभ
शून्य	सम	समयोचित	समान	समीप
सम्मत	सहित	सावधान	सिद्ध	सुन्दर
सुलभ	सूक्ष्म	स्थूल	स्पष्ट	

मृदु, लघु, गुरु are used in all the major Indian languages.

## VERBS

The following are the forms of verbs in the third person singular number with their corresponding noun-forms which are mostly used in our mother-tongues. Use these forms of verbs with सः (he), सा (she), एषः बालकः (this boy), एषा बालिका (this girl), 'भवान्/भवती, e.g., सः अनुसरति, सा अनुसरति, एषः बालकः अनुसरति, एषा बालिका अनुसरति, भवान् अनुसरति, भवती अनुसरति। एवम् एव —

अनुसरति	follows	अनुसरणम्	act of following
अपसरति	moves away	अपसरणम्	moving away
अपसारयति	removes	अपसारणम्	removing
अर्पयति	offers	अर्पणम्	offering
आकर्षति	attracts	आकर्षणम्	attraction
आदिशति	orders	आदेशः	order
उपदिशति	advises	उपदेशः	advice
आनन्दति	rejoices	आनन्दः	joy
आनन्दयति	makes happy	आनन्दनम्	making happy

---

In Tamil	ताङ्गळ्	Bengali	आप्नि
Telugu	मीरु	Assamese	आपुनि
Kannada	ताबु	Maithili	आपने
Malayalam	ताङ्गळ्	Hindi	आप्
Oriya	आपण	Gujarati	आप्
Marathi	आपण्	Punjabi	तुसी/आपूजी

These are spoken forms.

आरोहति	climbs	आरोहणम्	climbing
आरोपयति	imposes	आरोपणम्	imposition
आह्वयति	calls	आह्वानम्	calling
इच्छति	wants	इच्छा	wish
उत्तरयति	answers	उत्तरम्	answer
उत्थापयति	raises up	उत्थापनम्	raising up
उद्घाटयति	opens	उद्घाटनम्	opening
उपविशति	sits down	उपवेशनम्	sitting
प्रविशति	enters	प्रवेशः	entrance
कथयति	speaks	कथा	story
करोति	does	कार्यम्	work
अनुकरोति	imitates	अनुकरणम्	imitation
उपकरोति	helps	उपकारः	help
क्रन्दति	cries	क्रन्दनम्	crying
क्रीणाति	buys	क्रयः	buying
विक्रीणाति	sells	विक्रयः	selling
क्रीडति/खेलति	plays	क्रीडा/खेला	play
क्षिपति	throws	क्षेपणम्	throwing
खादति	eats	खाद्यम्	eatable
गच्छति	goes	गमनम्	going
आगच्छति	comes	आगमनम्	coming
निर्गच्छति	goes out	निर्गमनम्	going out
गणयति	counts	गणना	counting
गायति	sings	गानम्	song
गृह्णाति	takes	ग्रहणम्	taking
चलति	walks	चलनम्	walking

चिन्तयति	thinks	चिन्ता	thought
चोरयति	steals	चोरः	thief
जनयति	produces	जनः	a person
जयति	conquers	जयः	victory
जानाति	knows	ज्ञानम्	knowledge
जीवति	lives	जीवः	living creature
ज्वलति	burns	ज्वाला	flame
तिष्ठति	stays	स्थानम्	place
उत्तिष्ठति	stands up	उत्थानम्	standing up
तरति	swims	तरणम्	swimming
अवतरति	descends	अवतारः	descent
वितरति	distributes	वितरणम्	distribution
ताडयति	beats	ताडनम्	beating
त्यजति	gives up	त्यागः	sacrifice
ददाति	gives	दानम्	giving
दर्शयति	shows	दर्शनम्	seeing
धरति	holds	धरणम्	holding
धास्यति	wears	धारणम्	wearing
धावति	runs	धावनम्	running
नमति	salutes	नमस्कारः	salutation
नयति	leads	नेता	leader
अभिनयति	acts	अभिनयः	acting
आनयति	brings	आनयनम्	bringing
नाशयति	destroys	नाशः	destruction
निन्दति	blames	निन्दा	blame
नुदति	pushes	विनोदः	amusement

नृत्यति	dances	नृत्यम्	dance
पश्यति	sees	दृष्टिः	vision
पठति	reads	पाठः	lesson
पाठयति	makes one read	पाठकः	reader
पतति	falls	पतनम्	falling
पातयति	causes to fall	पातकम्	sin
पिबति	drinks	पानम्	drinking
पीडयति	pains	पीडा	pain
पूजयति	worships	पूजा	worship
पूरयति	fills	पूरणम्	filling
पृच्छति	asks	प्रश्नः	question
प्रवहति	flows	प्रवाहः	flow
प्रकाशयति	publishes	प्रकाशनम्	publication
प्रक्षालयति	washes	प्रक्षालनम्	washing
प्राप्नोति	gets	प्राप्तिः	getting
प्रेरयति	inspires	प्रेरणा	inspiration
प्रेषयति	sends	प्रेषणम्	sending
बोधति	understands	बोधः	understanding
भवति	becomes	भवनम्	house
अनुभवति	feels	अनुभवः	feeling
भ्रमति	roams	भ्रमणम्	roaming
मापयति	measures	मापः	measurement
मारयति	kills	मारणम्	killing
मार्जयति	cleans	मार्जनम्	cleaning
मिश्रयति	mixes	मिश्रणम्	mixture
याचति	begs	याचना	begging

रक्षति	protects	रक्षा	protection
रचयति	composes	रचना	composition
लिखति	writes	लेखनम्	writing
वदति	says	विवादः	dispute
वसति	dwells	निवासः	dwelling-place
शक्नोति	is capable	शक्तिः	power
शिक्षयति	teaches	शिक्षकः	teacher
शृणोति	hears	श्रवणम्	hearing
श्रावयति	makes one hear	श्रावकः	narrator
सज्जयति	decorates	सज्जा	decoration
सूचयति	informs	सूचना	information
स्मरति	remembers	स्मृतिः	memory
विस्मरति	forgets	विस्मृतिः	forgetting
स्मारयति	reminds	स्मारकः	reminder
संवरति	closes	संवरणम्	closing
स्थापयति	keeps	स्थापनम्	keeping
स्निहति	loves	स्नेहः	affection
स्पृशति	touches	स्पर्शः	touch
हसति	laughs	हासः	laughter
हासयति	makes one laugh	परिहासः	joke
हरति	takes away	हरणम्	taking away
उपहरति	presents	उपहारः	a present
हारयति	loses	हारः	necklace

# A FAMILY OF WORDS

Generally all words can be traced back to a root. All words derived from the same root are said to belong to one family. Once we know the root, we can remember the whole family easily. Here is an example :

*वद् (to say) is the root and the words are :*

वदनम्	face	अपवादः	blame
वादः	theory	प्रतिवादः	protest
विवादः	dispute	संवादः	conversation
अनुवादः	translation	वादी	plaintiff
अनुवादकः	translator	प्रतिवादी	defendant

## ROOTS

*How to get the roots ?*

By removing the suffixes and the prefixes from the words, we can get the roots. The following are the prefixes :

प्र	परा	अप	सम्	अनु	अव
निस्	निर्	दुस्	दुर्	वि	आ (ऊ)
नि	अधि	अपि	अति	सु	उद्
अभि	परि	प्रति	उप		

Remove ति and the prefix, if any, from the following words to get the roots, e.g., नीति - ति = नी।

आहुति	कृति	विकृति	ख्याति	ज्ञाति
वृप्ति	प्रीति	भोति	विभूति	शक्ति
श्रुति	प्रतिश्रुति	स्तुति	स्मृति	विस्मृति

The above words are feminine in gender because of their suffix ति (क्तिन्)।

Remove आ and the prefix, if any, e.g., कथा-आ= कथ।

क्रोडा	क्षमा	क्षुधा	चर्चा
चेष्टा	तृषा	दया	निन्दा
परीक्षा	प्रतीक्षा	पोडा	प्रशंसा
प्राप्ता	भिक्षा	रक्षा	रमा
व्यथा	शङ्का	सेवा	स्पर्धा
			हिंसा

The above words are feminine because of their suffix आ (टाप्)।

Replace ए by इ and remove the suffix अ and the prefix, if any, e.g., वेद - विद्, लेख - लिख्, देश - दिश् ।

आक्षेप	विक्षेप	आदेश	विदेश	प्रदेश
निर्देश	क्लेश	खेद	छेद	देव
द्वेष	विद्वेष	प्रवेश	भेद	विभेद
वेश	शेष	विशेष	स्नेह	स्वेद

The above words are masculine because of their suffix अ (घञ्)।

Replace ओ by उ and remove the suffix अ and the prefix, if any, e.g., कोष - कुष, लोष - लुप् ।

अनुरोध	विरोध	क्रोध	क्षोभ	विक्षोभ
प्रतिशोध	प्रमोद	बोध	मोह	रोष
लोष	विनोद	विद्रोह	विस्फोट	सन्तोष

The above words are masculine because of their suffix अ (षञ्) ।

Replace आ by अ and remove the suffix अ and the prefix, if any, e.g., लाभ - लभ, हास - हस्, अत्याचार - चर् ।

आचार	प्रचार	विचार	अभिलाष	आलाप
प्रलाप	विलाप	उत्साह	उपहास	उत्लास
विलास	ताप	उत्ताप	सन्ताप	दाह
नाद	निनाद	नाश	विनाश	पाठ
प्रणाम	प्रवाह	विवाह	प्रसाद	मान
अपमान	सम्मान	वाद	विवाद	अनुवाद
प्रतिवाद	वास	उपवास	निवास	प्रवास
विकास	विराम	शाप	अभिशाप	श्वास
विश्वास	सन्तान	सञ्चार	स्वाद	हास

The above words are masculine because of their suffix अ (षञ्) ।

Remove अन and the prefix, if any, e.g., कथन - कथ, शासन - शास्, अभिनन्दन - नन्द ।

अङ्कन	अर्जन	उपार्जन	आक्रमण	गमन
गुञ्जन	गुणन	गर्जन	ग्रहण	घूर्जन

चर्वण	ज्वलन	तर्जन	दमन	दलन
दहन	दंशन	धावन	निरूपण	पतन
पालन	पीडन	उत्पीडन	प्रकाशन	बन्धन
भक्षण	भजन	भाषण	भूषण	भ्रमण
मन्थन	मथन	मनन	मिलन	उन्मीलन
मिश्रण	रक्षण	लुण्ठन	वण्टन	वदन
वन्दन	वमन	वर्णन	वहन	वेष्टन
शासन	प्रशासन	सहन	स्खलन	स्पन्दन

The above words are neuter because of their suffix अन (ल्युट्)।

Replace अर् by ऋ and remove अन and the prefix, if any, e.g., हरण — ह, स्मरण — स्मृ, आकर्षण — कृष् ।

अनुकरण	अनुसरण	कर्तन	घर्षण	जागरण
दर्शन	नर्तन	मरण	मर्दन	वरण
वर्जन	वर्धन	वर्षण	सर्जन	स्पर्शन

The above words are neuter in gender because of their suffix अन (ल्युट्)।

## Answers

ह, कृ, कृ, ख्या, ज्ञा, तृप्, प्री, भी, भू, शक्, श्रु, श्रु, स्तु, स्मृ, स्मृ।

ईर्ष, क्रीड, क्षम्, क्षुध, चर्च, चिन्त, चेष्ट, तृष्, दय, निन्द, ईक्ष, ईक्ष, पीड, शंस, बाध, भाष, भिक्ष, रक्ष, रम्, राध, व्यथ, शङ्क, सेव, स्पर्ध, हिंस ।

क्षिप्, क्षिप्, दिश, दिश, दिश, दिश, क्लिप्त, खिद, छिद, दिव, द्विष, द्विष, विश, भिद, भिद, विश, शिष, शिष, स्निह, स्विद ।

रुध्, रुध्, कुध्, क्षुभ्, क्षुभ्, शुध्, मुद्, बुध्, मुह्, रुध्, लुप्, नुद्, द्रुह्, स्फुद्, तुष् ।

चर्, चर्, चर्, लष्, लप्, लप्, लप्, सह, हस्, लस्, लस्, तप्, तप्, तप्, दह्, नद्, नद्, नश्, नश्, पद्, नम्, वह्, वह्, सद्, मन्, मन्, मन्, वद्, वद्, वद्, वद्, वस्, वस्, वस्, वस्, कस्, रम्, शप्, शप्, श्वस्, श्वस्, तन्, चर्, स्वद्, हस् ।

अङ्क्, अर्ज्, अर्ज्, क्रम्, गम्, गुञ्ज्, गुण्, गर्ज्, ग्रह्, घूर्ण्, चर्व्, ज्वल्, तर्ज्, दम्, दल्, दह्, दंश्, धाव्, रूप्, पत्, पाल्, पीड्, पीड्, काश्, बन्ध्, भक्ष्, भज्, भाष्, भूष्, भ्रम्, मन्थ्, मथ्, मन्, मिल्, मौल्, मिश्र्, रक्ष्, लुण्ठ्, वण्द्, वद्, वन्द्, वम्, वर्ण्, वह्, वेष्ट्, शास्, शास्, सह, स्खल्, स्पन्द् ।

कृ, सृ, कृत्, घृष्, जागृ, दृश्, नृत्, मृ, मृद्, वृ, वृज्, वृध्, वृष्, सृज्, स्मृश् ।

## GENDER

*There are three genders in Sanskrit.*

Masculine

Feminine

Neuter

एषः पुरुषः।

एषा महिला।

एतत् भवनम्।

एषः निबन्धः।

एषा कविता।

एतत् पुस्तकम्।

एषः काकः।

एषा वीणा।

एतत् पुष्पम्।

एकः बालकः।

एका बालिका।

एकं फलम्।

एषः, एषा, एतत् – this.

एकः, एका, एकम् – one.

*Give the forms of the following adjectives according to the gender, e.g.,*

अक्षमः (m.)

अक्षमा (f.)

अक्षमम् (n.)

अधीनः (m.)

अधीना (f.)

अधीनम् (n.)

अन्ध	अध्यस्त	अमर	अम्ल	अलस
अल्प	अवस्थित	असम्भव	असुस्थ	आत्मीय
उत्कट	उत्तम	उत्पन्न	कण्ठस्थ	कठोर
कोमल	क्लान्त	क्षुब्ध	गभीर	घनिष्ठ
चिक्कण	ज्येष्ठ	तत्पर	तृप्त	दीन
दीप्त	दीर्घ	दुर्बल	दुर्वार	दूर
दूषित	धोर	धृत	नवीन	नष्ट
निर्धन	निर्मल	नियमित	निलिप्त	निर्विघ्न
निष्ठापर	निष्कल	निस्तब्ध	पर	पराधीन
बलिष्ठ	भक्त	भूमिष्ठ	मधुर	मन्थर
मुखस्थ	मुग्ध	म्लान	युक्त	रक्त
रम्य	वयस्क	वर्तमान	वर्तुल	विख्यात
विरुद्ध	वीर	वृद्ध	व्यस्त	शिष्ट
शीत	शीतल	शुक्ल	शुभ्र	शुष्क
सन्तुष्ट	समर्थ	समाप्त	समीप	सम्मुख
सुस्थ	स्थिर	स्निग्ध	स्वस्थ	स्वाधीन

Similarly change the gender of the words given on page 28, e.g., अखिलः अखिला अखिलम्, अधिकः अधिका अधिकम्।

<u>Exceptions</u> :	आवश्यकः	आवश्यकी	आवश्यकम्
	वास्तवः	वास्तवी	वास्तवम्
	शाश्वतः	शाश्वती	शाश्वतम्

### Masculine

प्रथमः

द्वितीयः

### Feminine

प्रथमा

द्वितीया

### Neuter

प्रथमम्

द्वितीयम्

तृतीयः	तृतीया	तृतीयम्
चतुर्थः	चतुर्थी	चतुर्थम्
पञ्चमः	पञ्चमी	पञ्चमम्
षष्ठः	षष्ठी	षष्ठम्
सप्तमः	सप्तमी	सप्तमम्
अष्टमः	अष्टमी	अष्टमम्
नवमः	नवमी	नवमम्
दशमः	दशमी	दशमम्
दैनिकः	दैनिकी	दैनिकम्
मासिकः	मासिकी	मासिकम्
कष्टकरः	कष्टकरी	कष्टकरम्
निशाचरः	निशाचरी	निशाचरम्
सुन्दरः	सुन्दरी	सुन्दरम्
गुरुः	गुरुः	गुरु
मृदुः	मृदुः	मृदु
लघुः	लघुः	लघु
सुस्वादुः	सुस्वादुः	सुस्वादु
सहिष्णुः	सहिष्णुः	सहिष्णु

<u>Stem</u>	<u>Masculine singular</u>	<u>Feminine singular</u>
आदिवासिन्	आदिवासी	आदिवासिनी
उपकारिन्	उपकारी	उपकारिणी
ज्ञानिन्	ज्ञानी	ज्ञानिनी
देशवासिन्	देशवासी	देशवासिनी

धनिन्	धनी	धनिनी
पक्षिन्	पक्षी	पक्षिणी
प्रधानमन्त्रिन्	प्रधानमन्त्री	प्रधानमन्त्रिणी
मांसभोजिन्	मांसभोजी	मांसभोजिनी
यन्त्रिन्	यन्त्री	यन्त्रिणी
योगिन्	योगी	योगिनी
शिल्पिन्	शिल्पी	शिल्पिनी
साक्षिन्	साक्षी	साक्षिणी
स्थायिन्	स्थायी	स्थायिनी
सत्र्यासिन्	सत्र्यासी	सत्र्यासिनी
हस्तिन्	हस्ती	हस्तिनी

दधि, अस्थि, जन्म, कर्म, चर्म, मर्म, वर्म, नाम्न, धाम, लोम, पर्व, भस्म, मधु, मनः, ज्योतिः, धनुः, जगत् — these neuter nouns have the same nominative and accusative forms, e.g.,

इदं दधि अम्लम्। अहम् इदम् अम्लं दधि न खादिष्यामि। तव नाम किम् ? अहं तव नाम ज्ञातुम् इच्छामि। इदं मम कर्म। अहम् इदं कर्म करोमि। इदं मधु न शुद्धम्। अहं शुद्धं मधु आनेतुम् आपणं गच्छामि। इदं मनः चञ्चलम्। अहम् इदं चञ्चलं मनः नियन्त्रयितुं साधनां करोमि। इदं ज्योतिः दिव्यं नूतनं च। अहम् इदं दिव्यं नूतनं ज्योतिः धारयितुम् इच्छामि। इदं धनुः भारि विशालं च। अहम् इदं भारि विशालं धनुः उत्थापयितुं न शक्नोमि।

This curd is sour. I will not eat this sour curd. What is your name ? I want to know your name. This is my work. I do this work. This honey is not pure. I am going to the market to bring pure honey. This mind is restless. I do

*sādhana* to control this restless mind. This light is divine and new. I want to hold this divine and new light. This bow is heavy and huge. I cannot lift this heavy and huge bow.

*Fill in the blanks using the words in the brackets :*

(चतुर)	...	सेवकः।	...	मित्रम्।	...	सेविका।
(उत्तम)	...	विचारः।	...	कविता।	...	कार्यम्।
(नूतन)	...	शाटी।	...	वेशः।	...	वस्त्रम्।
(मधुर)	...	वचनम्।	...	स्वरः।	...	वाणी।
(वार्षिक)	...	परीक्षा।	...	शुल्कम्।	...	उत्सवः।
(विशाल)	...	वृक्षः।	...	सभा।	...	नगरम्।
(गभीर)	...	सागरः।	...	नदी।	...	जलम्।
(सात्त्विक)	...	आहारः।	...	वृत्तिः।	...	भोजनम्।
(प्रसिद्ध)	...	नायकः।	...	चरित्रम्।	...	नायिका।

## Answers

चतुरः, चतुरम्, चतुरा। उत्तमः, उत्तमा, उत्तमम्। नूतना, नूतनः, नूतनम्। मधुरम्, मधुरः, मधुरा। वार्षिकी, वार्षिकम्, वार्षिकः। विशालः, विशाला, विशालम्। गभीरः, गभीरा, गभीरम्। सात्त्विकः, सात्त्विकी, सात्त्विकम्। प्रसिद्धः, प्रसिद्धम्, प्रसिद्धा।

## Masculine Gender

- \* Words formed by the suffix अ (वञ्), e.g., वेद, मेल, देश, घोष, कोप, योग, भोग, रोग।

- \* Words ending in इन्, e.g., पक्षिन्, ज्ञानिन्, गुणिन्।
- \* Words ending in धि, e.g., उपाधि, समाधि, निधि, व्याधि।  
But words ending in द्वि are feminine, e.g., बुद्धि, शुद्धि, सिद्धि, समृद्धि, वृद्धि।
- \* Words ending in उ, e.g., अणु, धातु, तरु, मरु, मृत्यु।

### Exceptions :

धेनु, तनु, रज्जु, स्नायु, चञ्चु (Feminine) ।

अश्रु, श्मश्रु, जतु, जानु, तालु, मधु, वस्तु (Neuter) ।

## Feminine Gender

- \* Words ending in आ, e.g., कथा, माला, कविता।  
One may ask here – Are the words like भ्राता, पिता, कर्ता feminine in gender ?  
No. These words end in ऋ, not in आ (e.g., भ्रातृ)। That is why in compounds, we say भ्रातृद्वितीया, पितृश्राद्ध, कर्तृकारक। Words ending in आ do not change their form in compounds, e.g., कथासाहित्य, मालाकार, कवितासंग्रह, सीमाविवाद।
- \* Words formed by the suffix ति (क्तिन्) e.g., नीति, प्रीति, भक्ति, शक्ति, युक्ति।
- \* Words ending in द्वि, e.g., बुद्धि, शुद्धि, सिद्धि, समृद्धि।
- \* Words ending in ई, e.g., नदी, पक्षिणी, नगरी, राजधानी।
- \* Words ending in इ, e.g., धूलि, भूमि, वीथि, बिपणि।

Exceptions :

अग्नि, अतिथि, अञ्जलि, आदि, कलि, कृमि, ग्रन्थि, तिमि, ध्वनि, बलि, मणि, रश्मि, राशि, ब्रीहि, सारथि (Masculine)।

दधि, अस्थि, ज्योतिः (Neuter)।

- \* विंशति, त्रिंशत्, चत्वारिंशत्, पञ्चाशत्, षष्टि, सप्तति, अशीति, नवति।
- \* आपद्, विपद्, सम्पद्, प्रतिपद्, संसद्, शरद्, परिषद्, तडित्, विद्युत्।

## Neuter Gender

- \* Words formed by the suffix अन (ल्युट्), e.g., पठन, लेखन, भाषण, दान, ज्ञान, पान, स्थान, स्नान ।
- \* Words ending in त्व, e.g., कवित्व, बन्धुत्व, दासत्व, दूरत्व ।
- \* Words ending in त्र, e.g., पात्र, मित्र, छत्र, नेत्र, चरित्र ।

Exceptions : पुत्र, छात्र, मन्त्र (Masculine) ।

It is to be remembered that अत्र, तत्र, यत्र, कुत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, एकत्र are indeclinables. Hence they have no gender.

- \* शतम्, सहस्रम्, अयुतम्, लक्षम्, नियुतम् ।
- \* जन्म, कर्म, नाम, धाम, चर्म, मर्म, वर्म, रोम, लोम, भस्म, पर्व ।
- \* मधु, वस्तु, जानु, तालु, जलु, अश्रु, श्मश्रु ।
- \* धनुः, आयुः, चक्षुः ।
- \* जगत्, यकृत् ।

## ENGLISH AND SANSKRIT

Those who know English can easily remember the following Sanskrit words because of their closeness with English.

### (क) सर्वनामानि

<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>	<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>
you (pl.)	यूयम्	that	तत्
she	सा	they	ते
he	स (सः)	us	अस्मान्

### (ख) सङ्ख्या

<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>	<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>
1	१	mirror image of 3	६
2	२	6	७
3	३	7	८
4	४	9	९
5	५	10	१०
three	त्रि	sixty	षष्टि
six	षष्	seventy	सप्तति
sixth	षष्ठ	eighty	अशीति
eight	अष्ट	ninety	नवति

## (ग) क्रियापदानि

<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>	<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>
bind	बन्ध्	smile	स्मि
chew	चर्व्	sound	स्वन्
cut	कृत्	stay	स्था
flower	फुल्ल्	sweat	स्विद्
look	लोक्	tear	दृ
mix	मिश्र्	torn	दीर्ण
sew	सिक्	vomit	वम् (वमति)
serve	सेव्	weave	वे
sit	सद्	wish	इष्, वश्

## (घ) साधारणशब्दाः

<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>	<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>
axis	अक्ष	creator	कर्तृ (कर्ता)
barbarous	बर्बरः	creators	कर्तारः
behaviour	व्यवहार	cruel	क्रूरः
boat	पोत	daughter	दुहितृ (दुहिता)
bond	बन्ध	daughters	दुहितारः
brother	भ्रातृ (भ्राता)	decapoda	दशपाद
brothers	भ्रातरः	deity	देवता
brow	ध्रू	dental	दन्त्य
centre	केन्द्र	dexterity	दक्षता

character	चरित्र	door	द्वार
committee	समिति	due	देय
eat	खट्वा	end	अन्त
cough	कफः	energy	ऊर्जा
cow	गो (गौः)	fathers	पितरः
gait	गति	nose	नसु, नासा
generator	जनित्र	path	पथ, पन्था
genitor	जनितृ (जनिता)	new path	नवपथ
genitors	जनितारः	Rama's	रामस्य
goer	गन्तु (गन्ता)	saints	सन्तः
goers	गन्तारः	same	सम
grass	घास	saturn	शनि
hour	होरा	serpent	सर्प
hunter	हन्तृ (हन्ता)	sinew	स्नायु
hunters	हन्तारः	sister	स्वसृ (स्वसा)
ion (phys.)	अयन	sisters	स्वसारः
ionic	अयनिक	son	सूनु
juice	यूष	soup	सूप
measles	मसूरी	spies	स्पशाः
medium	माध्यम	star	तारा
minister	मन्त्री	sweat	स्वेद
mortal	मर्त्य	thin	तनु
mother	मातृ (माता)	tree	तरु
mothers	मातरः	trident	त्रिदन्त

mouse	मूष	tripod	त्रिपद
name	नाम	up	उपरि
new	नव	yoke	युग
night	नक्तम्	yogic	यौगिक
no	न, नो	vedic	वैदिक

(ख) तद्भवशब्दाः

<u>संस्कृतम्</u>	<u>आङ्ग्लभाषा</u>	<u>संस्कृतम्</u>	<u>आङ्ग्लभाषा</u>
ब्राह्मण	brahmin	कज्जल	kajal
धतूर	dhatura	निम्बू	lemon
धान्य	dhan	पिप्पल	pipal
धन्या	dhania	पुलाक	pulao
ध्रुवपद	dhrupad	रूप्य	rupee
घृत	ghee	शाटी	sari
गुड	gur	श्रेष्ठी	seth
इलीश	hilsa	शर्करा	sugar

## GRAMMAR

As we know, all our major Indian languages abound in vocabulary directly drawn or derived from Sanskrit. It is amazing that we find many of them prevalent also in some foreign languages. Although a detailed study would be more revealing, a brief account only is presented here by way of illustration.

From the point of view of grammar, our regional languages differ among themselves in pronouns, indeclinables and suffixes added to nouns and verbs.

## Pronouns

<u>Sanskrit</u>	<u>Regional Languages</u>
स <sup>1</sup> सा	si (Assamese) su (Kashmiri) se (Oriya, Bengali)
त्वम्	tum (Hindi, Urdu) turni (Assamese, Bengali) tume (Oriya), tumhi (Marathi)
यः	jo (Punjabi, Hindi)
इदम्	idu (Tamil, Kannada, Malayalam) idi (Telugu)
तत्	that (English)
माम्	mammu (Telugu)
मे	me (Kashmiri)
त्वा	toi (French)
केन <sup>2</sup>	kena (Bengali), kina (Punjabi)
तेन	tina (Punjabi)
येन	jena (Bengali)

<sup>1</sup> In a sentence the word स carries विसर्ग when it is followed by a word beginning with अ

<sup>2</sup> Meaning "why", Monier-Williams, Sanskrit-English Dictionary, p. 309.

The word अकस्मात्, used in Gujarati, Oriya, Bengali, Hindi, Malayalam, Kannada is derived from the word कस्मात्। The pronoun अहम् is found in the compound अहङ्कार (अहम्+कार) which is used in all the Indian languages. Similarly, मम is found in the word ममता। मम, तव are used by Oriya and Bengali poets even today.

## Cases

### *Vocative Case, Singular Number*

The vocatives of the अ-ending words like देव, पुत्र are used in all the regional languages as they are in Sanskrit. हरे, सीते, the vocatives of हरि and सीता, are known to almost all.

### *Nominative Case, Singular Number*

Words like घनी, भगवान्, बुद्धिमान्, पिता, माता, माला, नदी are used in all the regional languages as they are in Sanskrit. The following words used in our languages are essentially Sanskrit but without the विसर्ग, e.g.,

### Regional Languages

बालक

ऋषि, बुद्धि

साधु

वधू

### Sanskrit

बालकः

ऋषिः, बुद्धिः

साधुः

वधूः

### *Accusative Case, Singular Number*

Compound words like धनञ्जय, मृत्युञ्जय, अरिन्दम are used in almost all the regional languages. In these words accusative case in the singular number is found, e.g., धनं जयति इति धनञ्जयः, मृत्युं जयति इति मृत्युञ्जयः, अरिं दमयति इति अरिन्दमः।

<u>Stem</u>	<u>Accusative Case</u>
धन	धनम्
मृत्यु	मृत्युम्
अरि	अरिम्

Similarly, बालक - बालकम्, माला - मालाम्, बुद्धि - बुद्धिम्, नदी - नदीम्, साधु - साधुम्, वधू - वधूम् ।

The mantra वन्दे मातरम् is known to all of us. It illustrates the accusative case of the following ऋ-ending words in the singular number, e.g.,

<u>Stem</u>	<u>Accusative Case</u>
मातृ	मातरम्
पितृ	पितरम्
भ्रातृ	भ्रातरम्

### *Instrumental Case, Singular Number*

<u>Stem</u>	<u>Sanskrit</u>	<u>Regional Languages</u>
कृपा	कृपया	कृपया (Hindi, Marathi)

शान्ति	शान्त्या	शान्तिया (Tamil)*
तृप्ति	तृप्त्या	तिरुप्तिया (Tamil)*
वचस्	वचसा	वचसा (Punjabi)
कर्मन्	कर्मणा	करमणा (Punjabi)

शान्ति + आ = शान्त्या, वचस् + आ = वचसा, कर्मन् + आ = कर्मणा, Similarly, धनिन् + आ = धनिना, भगवत् + आ = भगवता, नदी + आ = नद्या, धेनु + आ = धेन्वा, वधू + आ = वध्वा ।

### *Dative Case, Singular Number*

The mantra ॐ नमः शिवाय is known to all of us. It exemplifies the dative case of the अ-ending words in the singular number, e.g.,

<u>Stem</u>	<u>Dative Case</u>
शिव	शिवाय
राम	रामाय
कृष्ण	कृष्णाय

### *Ablative Case, Singular Number*

The following words in the ablative case are used in many regional languages, e.g.,

हठात्	(Oriya, Assamese, Bengali, Hindi, Kannada)
साक्षात्	(Bengali, Oriya, Hindi, Telugu, Kannada)

---

\* These are spoken forms.

पश्चात्	(Hindi)
अर्थात्	(Oriya, Hindi, Marathi)
दैवात्	(Oriya, Bengali)

### *Genitive Case, Singular Number*

<u>Sanskrit</u>	<u>English</u>
रामस्य	Rama's
द्वारस्य	door's

### *Locative Case, Singular Number*

Words in the locative case are used in the following Indian languages as they are in Sanskrit –

देशे, ग्रामे	(Oriya, Bengali)
पदे पदे	(Kannada, Bengali, Oriya)
मध्ये	(Kannada, Oriya, Bengali)

देश + इ = देशे, पद + इ = पदे, मध्य + इ = मध्ये । Similarly,  
धनिन् + इ = धनिनि, भगवत् + इ = भगवति, सरस् + इ = सरसि ।

## Conjugations

### *Present Tense*

सः अस्ति he is. अस्ति is found in the word अस्तित्व which is used in many Indian languages. नास्ति (न+अस्ति) is found in the word नास्तिक which is used in all the Indian languages.

अस्ति (Sanskrit), **est** (French), **ist** (German), **jest** (Russian).

अहम् अस्मि I am. अस्मि is found in the word अस्मिता which is used in many Indian languages.

आमि of Bengali, meaning I, is found in the conjugation of verbs, e.g., पठ्+आमि=पठामि, खाद्+आमि=खादामि, लिख्+आमि=लिखामि। अहं खादामि I eat or I am eating.

बुद्धं शरणं गच्छामि, सर्वं शरणं गच्छामि – we are familiar with these two sentences also.

त्वम् असि you are.

असि (Sanskrit), **yesi** (Russian), **es** (French).

### *Imperative Mood*

त्वं हस you laugh.

हस (Sanskrit). हस (Oriya, Gujarati, Hindi, Punjabi).

अस्तु (अस्-तु) is found in the compound तथास्तु (let it be so) which is known to most Indians. Similarly, हस+तु=हसतु, लिख+तु=लिखतु इत्यादि। स हसतु let him laugh. स लिखतु let him write. स गच्छतु let him go.

### *Potential Mood*

त्वं चले: you should walk.

चले: (Sanskrit), चलें (Punjabi).

## Indeclinables

The following indeclinables of Sanskrit are used in Oriya. Many of them are used in other regional languages also.

अति	अथवा	अन्यत्र	एकत्र	एकदा
क्रमशः	दिवा	नोचेत्	पश्चात्	पृथक्
प्रति	प्रायः	मिथ्या	यदि	यथा
दुष्पत्	विना	विशेषतः	वृथा	सदा
सर्वत्र	सर्वदा	सह	सहसा	साधारणतः
सामान्यतः	स्वयम्	स्वतः		

The following indeclinables are used in compounds in almost all the regional languages.

<u>Indeclinable</u>	<u>Compound</u>	<u>Indeclinable</u>	<u>Compound</u>
अन्तर्	अन्तर्धान	अधः	अधोगति
इतः	इतस्ततः	इति	इत्यादि
चिरम्	चिरञ्जीवी	तथा	तथापि
तु	किन्तु, परन्तु	धिक्	धिक्वार
नमः	नमस्कारः	पुनः	पुनर्जन्म
पुरः	पुरोहित	प्रातः	प्रातःकाल
बहिः	बहिष्कार	वा	किंवा, अथवा
स्वर्	स्वर्ग	सायम्	सायङ्काल

Let us have a look at a few other indeclinables.

<u>Indeclinable</u>	<u>Meaning</u>	<u>Regional languages that use them</u>
अन्तर	inside	अन्दर् (Hindi, Urdu, Sindhi, Gujarati, Kashmiri) <sup>1</sup>
अपेक्षया	than	अपेक्षा (Oriya, Bengali)
अवश्यम्	of course	अवश्य (Marathi, Bengali)
आम्	yes	आम् आम् (Tamil)
इदानीम्	now	(Bengali)
उपरि	upwards	उपरे (Oriya), उप्पर (Punjabi)
एवम्	thus	एव (Punjabi)
कदा	when	कदों (Punjabi)
किम्	what	कि (Assamese, Oriya)
किञ्चित्	a little	(Oriya, Marathi)
क्वचित्	somewhere	(Oriya, Bengali, Gujarati)
तत्रैव	in the same place	(Oriya)
तदा	then	तदों (Punjabi)
द्वारा	by	(Oriya, Bengali, Marathi)
न	no	(Sindhi, Kashmiri)
नहि	not indeed	(Punjabi, Hindi)
नीचैः	downwards	नीचे (Hindi, Urdu, Bengali)
परम्	afterwards	परे (Oriya, Bengali)

<sup>1</sup> Illustrative, not exhaustive. अन्तर is used in other Indian languages also. It applies to all the words that follow in this list.

पुनः	again	(Hindi, Kannada)
पूर्वम्	before	पूर्वे (Oriya, Bengali)
पर्यन्तम्	till	पर्यन्त (Bengali, Gujarati)
प्रतिदिनम्	everyday	प्रतिदिन (Oriya, Bengali)
बहु	a lot	(Gujarati)
बहिर्	out	बाहिर (Sindhi), बाहर (Hindi)
मात्रम्	only	(Tamil, Malayalam)
वारंवारम्	often	वारंवार (Gujarati, Marathi)
शीघ्रम्	soon	(Tamil, Telugu)
सदैव	always	(Gujarati)
सम्प्रति	now	(Bengali)
साम्प्रतम्	now	साम्प्रत (Marathi)
सुष्ठु	all right	सुठ <sup>1</sup> (Punjabi)

### *Indeclinables in European Languages*

उपरि	up, upper	(English)
कदा	when	kadā (Russian, spoken form)
तदा	then	tadā (Russian, spoken form)
न, नो	no	(English)
नक्तम्	night	night (English), nuit (French)
		nacht (German)
स्वयम्	oneself	soi-même (French)
ह्यः	yesterday	hier (French)

<sup>1</sup> डॉ. श्यामदेव पाराशर, संस्कृत तथा पञ्जाबी के सम्बन्ध, १९९०, पृ. २२२

Even the grammatical part discussed above shows the universal nature of Sanskrit. This cannot be found in our regional languages. A simple experiment will show where our regional languages stand. If we try to find a single word in any of the regional languages which is peculiar to it and at the same time intelligible to people of other languages, we shall find it impossible, except when the word is derived from or has its origin in Sanskrit. Hence Sanskrit is the only language which can become the common link language of India.

Sanskrit has been artificially made difficult. It is difficult because of the wrong method of teaching. How can we say that Sanskrit, which for centuries was a living spoken language, is difficult and our languages are simpler when we see them differ from district to district ?

A language becomes difficult when it is not spoken. But now-a-days we see that people learn to speak Sanskrit after attending 10-days' Spoken Sanskrit Course. The villagers of Muttur in Shimoga district of Karnataka speak Sanskrit in their daily life. In the Kindergarten of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, Sanskrit is taught to 3-year-old children by the direct method. This being so, how can we say that Sanskrit is a difficult language and cannot be used for day-to-day communication ?

# INDECLINABLES

The indeclinables do not change their forms. They differ from language to language. A few among the following indeclinables are used in some regional languages.

अत्र

अहम् अत्र कार्यं करोमि। अत्र आगच्छ। अत्र उपविश।

I work here. Come here. Sit here.

कुत्र

कुत्र सः ? सः कुत्र कार्यं करोति ? कुत्र भवतः निवासः ? भवान् कुत्र निवसति ? भवान् कुत्र भोजनं करोति ? भवान् कुत्र गच्छति ?

Where is he ? Where does he work ? Where is your residence ? Where do you reside ? Where do you take your meals ? Where are you going ?

यत्र तत्र

यत्र धूमः तत्र वह्निः<sup>1</sup>। यत्र भक्तः तत्र भगवान्। यत्र शान्तिः तत्र सुखम्। यत्र द्वेषः तत्र क्लेशः। यत्र अज्ञानं तत्र दुःखम्। यत्र पुष्पम् अस्ति तत्र भ्रमरः गच्छति। यत्र योगेश्वरः कृष्णः, यत्र धनुर्धरः पार्थः, तत्र एव विजयः।

अन्यत्र

सः अत्र नास्ति। त्वम् अन्यत्र पश्य। सः अत्र निवसति किन्तु अन्यत्र भोजनं करोति।

He is not here. You see elsewhere. He resides here but takes his meals elsewhere.

---

<sup>1</sup> Where there is smoke, there is fire.

सर्वत्र everywhere

वायुः/आकाशः/भगवान् सर्वत्र अस्ति ।

अत्र तत्र च सर्वत्र वर्तते परमेश्वरः ।

अन्यत्र चापि तत् स्थानं कुत्र स्याद् यत्र नास्ति सः ॥

अत्र, तत्र सर्वत्र च परमेश्वरः वर्तते (अस्ति)। अन्यत्र अपि सः वर्तते।  
तत् स्थानं कुत्र यत्र सः नास्ति ?

एव (for emphasis or exclusiveness)

त्वम् एव दोषी/अपराधी। आरोग्यम् एव परमसौभाग्यम्।  
एकमेवाद्वितीयं ब्रह्म। एकम् एव अद्वितीयं ब्रह्म। सत्यमेव जयते  
नानृतम्। सत्यम् एव जयते (जयति) न अनृतम् (न असत्यम्/न  
मिथ्या।)

च and

रामः, श्यामः गोविन्दश्च संस्कृतं पठन्ति। रामश्च श्यामश्च  
गोविन्दश्च संस्कृतं पठन्ति।

अद्य today

अद्य कः वारः ? अद्य सोमवारः। श्वः मङ्गलवारः। परश्वः बुधवारः। ह्यः  
रविवारः आसीत्। परोह्यः शनिवारः आसीत्। परोह्यः मम जन्मदिनम्  
आसीत्। अद्य त्वं किं पठितुम् इच्छसि ? श्वः त्वं किं करिष्यसि ?

अपि also

त्वं छात्रः। अहम् अपि छात्रः। त्वं युवकः। अहम् अपि युवकः। सा न  
वृद्धा। एषा अपि न वृद्धा। सः पठति। तस्य भ्राता अपि पठति। सः  
संस्कृतं जानाति। तस्य भ्राता अपि संस्कृतं जानाति।

(प्रश्ने) अपि त्वं स्वस्थः<sup>1</sup> ? अपि सर्वं कुशलम् ? अपि सः अस्य विद्यालयस्य छात्रः ? अपि सा तव भगिनी ?

**किमर्थम् why**

सा किमर्थं न वदति ? सा किमर्थं मुखं न उद्घाटयति ? सा किमर्थं मौनं धारयति ? त्वं किमर्थं संस्कृतं पठसि ? भवान् किमर्थम् आश्रमे वसति ? त्वं किमर्थं तत्र गच्छसि ?

**यथा तथा**

यथा पिता तथा पुत्रः<sup>2</sup>। यथा बीजं तथाङ्कुरः। यथा दृष्टिः तथा सृष्टिः। यथा पूर्वं तथा परम्। यथा वृक्षः तथा फलम्। यथेच्छसि (यथा इच्छसि) तथा कुरु। यथा अयं मम बन्धुः तथा त्वम् अपि। यथा गुरुः कथयति तथा शिष्यः करोति। यथा मतिः तथा गतिः।

**यदा तदा**

यदा त्वं वदसि तदा अहं न वदामि। यदा अहं वदामि तदा त्वं न वद।

**कदा (कस्मिन् समये) when**

त्वं प्रातः/प्रभाते कदा उत्तिष्ठसि ? त्वं प्रातः कदा आश्रमं गच्छसि ?

**कुतः (कस्मात् कारणात्) why**

कुतः जन्म ? कुतः मृत्युः ? कुतः सः धनिकः ? कुतः एषः दरिद्रः ? त्वं कुतः प्रतिदिनं विलम्बेन आगच्छसि ?

<sup>1</sup> (Hindi) क्या तुम् स्वस्थ हो ? अपि - क्या ।

<sup>2</sup> Like father, like son.

कथम् how

भोजनं कथम् अस्ति ? अद्यतनं चलचित्रं कथम् अस्ति ? कथं मारात्मके त्वयि विश्वासः कर्तव्यः ? कथं न बोधसि — तव बुद्धिः अस्ति न वा ?

केवलम् only

अहं केवलं संस्कृतं पाठयामि। सा केवलं गणितं पाठयति। एषः प्रभाते केवलं चायं पिबति, अन्यत् किमपि न खादति। अहं न केवलं शृणोमि, स्मरामि अपि।

इति (completing the quotation)

संस्कृतं राष्ट्रभाषा भवेत् इति श्रीमाता कथयति<sup>1</sup>। संस्कृतं पठनीयम् इति पिता वदति। सत्यं वद, धर्मं चर इति आचार्यः उपदिशति।

समाप्तिसूचकम्

इति प्रथमोऽध्यायः (प्रथमः अध्यायः समाप्तः इति अर्थः)।

इति वार्ताः (वार्ताः समाप्ताः इति अर्थः)।

इति प्रथमोऽङ्कः। इति रघुवंशे प्रथमः सर्गः।

इति मनुः thus says Manu (एतत् मनुः कथयति)।

इति वादरायणः (एतत् वादरायणः कथयति)।

स पण्डितः इति पूज्यः, कृपणः इति निन्द्यः। (सः पण्डितः, अतः पूज्यः; सः कृपणः, अतः निन्द्यः)।

<sup>1</sup> (Hindi) संस्कृत राष्ट्रभाषा हो, ऐसा माताजीने कहा है। इति — ऐसा ।

इतः from this place

इतः किञ्चिद् दूरे विद्यालयः। इतः भवान् कदा प्रस्थानं करिष्यति ?

इतः भवान् कुत्र गमिष्यति ? इतः पूर्वं (before this) भवान् कुत्र आसीत् ? इतः परं भवान् कुत्र स्थास्यति ?

इतः गच्छतु (please go this way). त्वम् इतः गच्छ, सः ततः आगच्छतु।

इव like

एषः कर्ण इव (कर्णवत्) दानवीरः। दर्पः सर्प इव (सर्पवत्) आघातं करोति। सः भीम इव (भीमवत्) चलति।

उच्चैः

(उपरि) आकाशः उच्चैः अस्ति, भूमिः नीचैः।

(उच्चस्वरेण) उच्चैः गाय। वयं श्रोतुं न शक्नुमः। उच्चैः मा हस। सिंहः उच्चैः गर्जति।

वा or

कः दोषी — अहं वा त्वं वा ? कः दोषी — अहम् अथवा त्वम् ? कः साधुः — स वा एष वा ? कः साधुः — सः अथवा एषः ?

सहसा all of a sudden

सम्यक् विचारय। सहसा किमपि न कुरु।

हि indeed

जनो हि मननशीलः। मूढो हि गूढं न जानाति। अध्यवसायिनः न हि किमपि असाध्यम्। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

यतो हि because

अहं संस्कृतं वदामि यतो हि मम माता संस्कृतं वदति। सा न लिखति यतो हि तस्याः लेखनी नास्ति।

अतः hence

मम माता संस्कृतं वदति। अतः अहमपि वदामि।

कथमपि somehow

कथमपि मया विजयः प्राप्तव्यः। कथमपि मया संस्कृतं शिक्षणीयम्।

यद्यपि although

यद्यपि स दरिद्रः तथापि स सुखी। यद्यपि स पण्डितः तथापि स संस्कृतं न वदति। यद्यपि बहु नाधीषे तथापि पठ पुत्र व्याकरणम्।  
(अधीषे — पठसि।)

यदि ...तर्हि if ... then

यदि धनम् अस्ति तर्हि दानं कुरु। यदि पापं न कृतं तर्हि परितापं मा कुरु। यदि विपरीतो विधिः तर्हि हस्तगतोऽपि निधिः लुप्यति।

प्रातः, सायम्

प्रातः सूर्यः उदयति, सायम् अस्तं गच्छति।

यावत् तावत्

यावत् श्वासाः तावत् आशाः। सः यावत् इच्छति तावत् देहि। त्वं यावत् इच्छसि तावत् गृहाण। यावत् मम देहे प्राणाः तावत् त्वां न विस्मरिष्यामि। यावत् दत्तं तावत् भुक्तम्। तावच्च शोभते मुखं यावत् किञ्चित् न भाषते।

वरम् better, rather

रणे मरणं वरं न तु पलायनम्। वरम् अद्य कपोतः श्वः मयूरात्। वरं भृत्युः न पुनर् अपमानः। दारिद्र्यात् मरणमेव वरम्।

विना without

विना मेघं वज्रपातः। यत्नं विना रत्नं न लभ्यते। सन्तोषं विना शान्तिर्न लभ्यते। भक्तिं विना भगवान् न लभ्यते। जलं विना मत्स्यः न जीवति। उपनेत्रं विना अहं द्रष्टुं न शक्नोमि। बुद्धिं विना बलं व्यर्थम्। भोजनं विना भजनं किं सम्भवति ?

प्रति to, towards

दीनं प्रति दयां कुरु। मां प्रति सदयः/सदया भव।

चेत् if, in case

पठितुं न इच्छसि चेत्, गृहं गच्छ। (यदि त्वं पठितुं न इच्छसि तर्हि गृहं गच्छ।) राजनीतिम् इच्छसि चेत् आश्रमं त्यक्त्वा अन्यत्र गच्छ। अध्यात्मजीवनम् इच्छसि चेत् अन्यत्र न गत्वा आश्रमे तिष्ठ। गन्तुम् इच्छसि चेत्, गच्छ।

तूष्णीम् (मौनेन)

तूष्णीं तिष्ठ, किमपि न वद।

नूनम् (निश्चयेन, अवश्यम्) certainly, surely

नूनं स चोरः। सत्कर्मणः फलं नूनं प्राप्यते। अहं नूनं तत्र गमिष्यामि। त्वया यद् उक्तं नूनं तत् सत्यम्।

नो चेत् (अन्यथा) else, otherwise

देहि मे पुस्तकम्, नो चेत् पित्रे निवेदयिष्यामि। मम आज्ञां पालय नो चेत् दण्डं प्राप्स्यसि। मित्र, अन्यथा न मन्तव्यम्/अन्यथा न चिन्तय।

पुरा (पुराकाले) long ago

पुरा दशरथो नाम राजा बभूव/आसीत्।

मा (निषेधे)

दुष्टतां मा कुरु। मा कुरु धन-जन-यौवन-गर्वम्।

मिथ्या lie

अहं मिथ्या न वदामि। त्वम् अपि मिथ्या न वद। ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या इति शङ्कराचार्यः।

क्व (कुत्र)

क्व जलबिन्दुः क्व सुधासिन्धुः। क्व रामचन्द्रः क्व रामनापितः। क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्यविषया मतिः।

खलु indeed

दास्यं खलु कस्य आस्यं न नमयति ? ज्ञानं खलु आचरितमेव हितं सम्पादयति। वन्द्याः खलु गुरवः। शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। अमृतं खलु गुरुवचनम्। (आस्यम् – मुखम्)

चित्, चन

सखे ! कश्चित्/कश्चन (कोऽपि) त्वाम् आह्वयति। कस्मिंश्चित्/कस्मिंश्चन (कस्मिन्नपि) अरण्ये कोऽपि भयङ्करः सिंहः निवसति स्म। कर्म न कुर्वन् कश्चित्/कश्चन क्षणमपि स्थातुं न शक्नोति।

तु

त्वं तु पण्डितवत् वदसि। एतत् तु मया न कृतम्।

अथ

(शुभारम्भे<sup>1</sup>) अथ प्रथमोऽध्यायः। अथ अव्ययानां व्यवहारः।

(अनन्तरम् afterwards) अथ शशकस्य वारः आगतः।

(यदि) अथ पाठं न पठसि, दण्डं प्राप्स्यसि।

अद्यत्वे now-a-days

अद्यत्वे बहवः जनाः आश्रमम् आगच्छन्ति। अद्यत्वे जनाः संस्कृतं वदितुम् इच्छन्ति।

अलम् enough, no more

अलम् अतिविस्तरेण (पर्याप्तम्, अधिकविस्तारं मा कुरु)। अलम् अतिव्याख्यया (पर्याप्तम्, अधिकव्याख्यां मा कुरु)। अलं दुःखेन/रोदनेन/लोभेन/चापलेन/कोलाहलेन/अतिजल्पनेन/उपदेशेन/मिथ्या-भाषणेन ।

सह

पिता पुत्रेण सह आपणं गच्छति। केनापि सह विरोधः न कर्तव्यः। सुरेशः निजभगिन्या सह संस्कृते आलपति। रामः रावणेन सह युद्धम् अकरोत्।

पुनः again

पुनः एतत् मा कुरु। गच्छतु भवान्, पुनर्दर्शनाय।

<sup>1</sup> अथ is used for an auspicious beginning.

शनैः slowly, little by little

शनैः गच्छ। शनैः पन्थाः शनैः कन्था शनैः पर्वतलङ्घनम्।

तावत् (प्रथमम्)

आर्य/आर्ये ! इतस्तावत् आगच्छतु/आगम्यताम्।

आरभ्य

अद्य आरभ्य पञ्च दिनानि यावत् अत्र संस्कृतवर्गः भविष्यति।  
सोमवारात् आरभ्य शनिवारपर्यन्तं (शनिवारं यावत्) अत्र संस्कृतवर्गः  
भविष्यति। There will be a Sanskrit class here from  
Monday till Saturday.

शीघ्रम्

शीघ्रं चल/कथय/धाव/आगच्छ।

वामतः/दक्षिणतः/पुरतः/पृष्ठतः

त्वं मध्ये असि। तव वामतः/दक्षिणतः/पुरतः/पृष्ठतः कः अस्ति ?

येन केन प्रकारेण (कथञ्चित्, कथमपि) anyhow

येन केन प्रकारेण इदं कार्यं सम्पादनीयम्/करणीयम्। येन केन  
प्रकारेण प्रसिद्धः पुरुषो भवेत्।

लीलया (अनायासेन, अनायासम्) easily

अहं लीलया एतत् कर्तुं शक्नोमि। I can do this easily.

प्रायः, प्रायेण generally

स्त्रियः प्रायः कोमलहृदयाः। धनी प्रायेण अहङ्कारी। प्रायेण हि  
मनुष्याणां बुद्धिः कर्मानुसारिणी।

अद्य प्रभृति, अद्यारभ्य (इतः परम्, अतः परम्) henceforth

अद्य प्रभृति स ते समीपम् आगमिष्यति। अद्य प्रभृति अहं तुभ्यम्  
एकैकं पशुम् उपहरिष्यामि।

अतीव, भृशम् very much

सः अद्य अतीव दुःखितः।

किं पुनः not to speak of

मूर्खोऽपि न निन्दनीयः, किं पुनः विद्वान्।

कुत्रापि, कुत्रचित्, क्वचित् somewhere

अहं त्वां कुत्रापि दृष्टवान्/दृष्टवती।

I have seen you somewhere.

अचिरम् soon

अचिरं ते मनोरथाः सिद्धिं यास्यन्ति। अचिरं तव कामना पूर्णा  
भविष्यति।

पुरतः in front

आश्रमस्य पुरतः/सम्मुखे विद्यालयः अस्ति। विद्यालयस्य वामतः/  
दक्षिणतः/पृष्ठतः मार्गः अस्ति। यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतः मा  
ब्रूहि दीनं वचः। नीरस-तरुवरः पुरतो भाति। नीरस-तरुरिह विलसति  
पुरतः।

उपरि above, अधः below

उपरि आकाशः, अधः भूमिः। वृक्षस्य अधः (अधस्तात्) बालकाः  
खेलन्ति।

इत्थम्, एवम् thus

इत्थं मा कुरु। एवमस्तु। एवं सा अवदत्।

एकशः, एकैकशः one by one

एकशः/एकैकशः गच्छत/गम्यताम्। Go one by one.

भूयो भूयः again and again

भूयो भूयोऽभिनन्दनम्।

अधुना, इदानीम्, सम्प्रति, साम्प्रतम् now, now-a-days

अधुना किं कर्तव्यम् ? इदानीं सर्वाणि वस्तूनि महार्घाणि।

मिथः (परस्परम्)

शिक्षकाः मिथः आल्पन्ति।

कृते (अर्थे) (Hindi के लिये)

तस्य कृते अहं सर्वं करोमि किन्तु मम कृते सः किमपि न करोति।  
अहं तव कृते एतत् करोमि।

किमु what use

निर्वाणदीपे किमु तैलदानम् ?

What is the use of giving oil in a lamp which has gone out ?

# LET US SPEAK SANSKRIT

*Make sentences using the following, e.g.,*

त्वं पठ'। त्वं रामायणं पठ। त्वं रामायणं शुद्धं पठ। त्वं रामायणम्  
अशुद्धं न पठ। त्वं नित्यं रामायणं पठ। त्वं रामायणम् अधिकं पठ।  
त्वं महाभारतम् अल्पं पठ।

त्वं पठ you read.

रामायणम्, महाभारतम्, गीताम्, शुद्धम्, अशुद्धम्, न, अधिकम्,  
किञ्चित्, नित्यम्, अद्य, श्वः ।

त्वं खाद you eat.

फलम्, द्राक्षाम्, विषम्, न, अधुना, परम् ।

त्वं कुरु you do.

विश्वासम्, दानम्, पापम्, न, गीतापाठम्, शब्दम्, भयम्, गर्वम्,  
दुःखम्, सन्देहम्, पूजाम्, स्वागतम्, दयाम्, कृपाम्, क्षमाम्, व्यायामम्,  
व्यापारम्, अभ्यासम् ।

त्वं देहि you give.

भिक्षाम्, रक्तम्, धनम्, दानम्, उत्तरम्, वरम्, अर्धम्, सर्वम् ।

त्वं पश्य you see.

अत्र, तत्र, दूरम्, आकाशम्, चन्द्रम्, नाटकम्, माम् ।

---

This sentence is in the imperative mood.

त्वं भव you be.

आयुष्मान्, आयुष्मती, सुखी, सुखिनी, बुद्धिशाली, बुद्धिशालिनी,  
वीरः, वीरा, देशभक्तः, शान्तः, अशान्तः, असन्तुष्टः, सदा, कदापि न।

त्वं वद you speak.

सत्यम्, असत्यम्, न्यायम्, अन्यायम्, न।

त्वं धाव you run.

वेगेन, मन्दं मन्दम्।

त्वम् आगच्छ you come.

अत्र, इतः, ततः, अभ्यन्तरम्, शीघ्रम्, सावधानम्, मन्दं मन्दम्, अद्य,  
श्वः, परश्वः, न, अधुना, परम्, प्रभाते (प्रातः), सन्ध्याकाले (सायम्),  
मध्याह्ने, अपराह्णे, सोमवारे, सोमवारे न, मङ्गलवारे, एकवादने,  
द्वि/त्रि/चतुर्/पञ्च/षड्वादने।

एकवादनात् परम्, एकवादनात् पूर्वं न, सोमवारात् परम्,  
सोमवारात् पूर्वं न, सप्ताहात्/मासात्/वर्षात् परम्, दिनद्वयात् परम्,  
त्रि/चतुर्/पञ्च/षड्दिनेभ्यः परम्, अस्मिन् सप्ताहे/मासे/वर्षे न,  
आगामि-सप्ताहे/मासे/वर्षे।

## What is the time ?

अधुना कः समयः ? अधुना का वेला ? अधुना कतिवादनम् ?

एक-द्वि-त्रि-चतुर्-पञ्च-षड्-सप्त-अष्ट-नव-दश-एकादश-द्वादश-वादनम्।

प्रातः सप्तवादनम्	7 A.M.	सायं सप्तवादनम्	7 P.M.
सार्ध-सप्तवादनम्	7.30	सपाद-सप्तवादनम्	7.15

पादोन-सप्तवादनम्	6.45	पञ्चाधिक-सप्तवादनम्	7.05
पञ्चोन-सप्तवादनम्	6.55	दशाधिक-सप्तवादनम्	7.10
दशोन-सप्तवादनम्	6.50	त्रिंशत्यधिक-सप्तवादनम्	7.20
विंशत्यून-सप्तवादनम्	6.40	पञ्चविंशत्यधिक-सप्तवादनम्	7.25
पञ्चविंशत्यून-सप्तवादनम्	6.35	दिवा/रात्रौ दशवादनम्	10.00

*संस्कृते वद Speak in Sanskrit :*

5.05, 7.10, 9.15, 10.20, 12.25, 11.30, 6.35, 9.40,  
9.45, 4.45, 3.50, 2.55, 1 A.M., 2 P.M.

## GREETINGS

सुप्रभातम्। सुदिनम्। सुसायम्। सुरात्रिः।

नमस्कारः। नमस्ते। स्वस्ति।

स्वागतं ते/स्वागतं तव। स्वागतं भवतः/भवत्याः।

अपि कुशलम् ?

Are you all right ?

आम्, सर्वं कुशलम्।

Yes, everything is all right.

का वार्ता/कः समाचारः/किं वृत्तम् ?

What is the news ?

अन्तिम-समाचारः कः ?

What is the latest news ?

किं भोः, कथमसि ?

Hello, how are you ?

आर्य/आर्ये, भवान्/भवती कथमस्ति ?

How are you Sir/Madam ?

तव/भवतः/भवत्याः भ्राता कथमस्ति ?

How is your brother ?

शुभं जन्मदिनम् ।

Happy birthday.

बहुशः धन्यवादाः ।

Thanks a lot.

पश्य, त्वदर्थं किमपि विशेषम् आनीतम् ।

See, I have brought something special for you.

एवम् ?

Is it so/Really ?

आम् ।

Yes.

महान् अयं प्रसादः/महान् अनुग्रहः ।

This is a great favour.

स्वस्ति तेऽस्तु । साधयामि ।

May everything be well with you. I am going.

आशासे, तव सर्वं कुशलम् ।

I hope, you are doing well.

शुभं नववर्षम् ।

Happy New Year.

कृपया आसनं गृह्णातु/अलङ्करोतु । आस्यताम् ।

Please take your seat.

उपकृतोऽस्मि/उपकृतास्मि आगमनेन ।

How nice of you to have come !

विजयलाभे अभिनन्दनम् ।

Congratulations on your victory.

परीक्षायां साफल्याय हार्दिक-शुभेच्छाः ।

Best wishes for your success in the examination.

वैवाहिक-जीवनं सुखमयं भूयात्/दाम्पत्यजीवनं शुभं भूयात् ।

Wish you a happy married life.

शतं जीव शरदः वर्धमानः/वर्धमाना ।

Live a hundred years and prosper.

अरोग्यं त्वरितं भूयात् ।

Wish you a speedy recovery.

पुत्रो जातः । पुत्री जाता । कुशलम् ।

A son is born. A daughter is born. All well.

राजीवेन प्रथमश्रेणी प्राप्ता । रुक्मिणी उत्तीर्णा ।

Rajeev secured first class. Rukmini passed.

कवितायाः विवाहः चैत्र-प्रथमे । शीघ्रम् आगच्छ/आगच्छतु/आगम्यताम् ।

Kavita's marriage is on the first of Chaitra. Come soon.

संस्कृत-शिक्षक-शिविरं जून्-पञ्चदशे प्रातः अष्टवादने पुदुच्चेर्या  
श्रीअरविन्द-सोसायटी-कार्यालये। आगम्यताम्।

Sanskrit Teachers' Camp on June 15, at 8 A.M. in Sri  
Aurobindo Society Office, Pondicherry. Do come.

शिवास्ते पन्थानः। यात्रा ते सुखदा भूयात्।

Wish you a pleasant journey.

गच्छ बन्धो, अभीष्टसिद्धिरस्तु। गम्यताम् इष्टसिद्धये।

Go dear, may your wish be fulfilled.

भव नित्यं जितेन्द्रियः/जितेन्द्रिया।

Be always the master of your senses.

सूर्य इव, चन्द्र इव, हिमवान् इव, सागर इव तिष्ठतु ते यशः।

May your fame be everlasting like the Sun, the Moon,  
the Himalayas, the Ocean.

चिरं जीव।

May you live long.

भद्रं ते। मङ्गलं ते।

May the good be with you. May it be auspicious for you.

धन्योऽस्मि। अनुगृहीतोऽस्मि। कृतकृत्योऽस्मि। (m.)

धन्यास्मि। अनुगृहीतास्मि। कृतकृत्यास्मि

I am blessed. I am favoured. I am fulfilled.

## DO'S

एतत् अधुनैव कुरु ।

Do this now.

एतत् तत्र/अत्र कुरु ।

Do it there/here.

सर्वेषाम् उपकारं कुरु/सर्वान् उपकुरु ।

Do good to everyone.

अत्र/तत्र तिष्ठ ।

Wait here/there.

क्षणं तिष्ठ ।

Wait a moment.

तूष्णीं तिष्ठ ।

Keep quiet.

तूष्णीम् !

Quiet !

मुखं संवर !

Shut up !

अत्र विश्रामं कुरु ।

Take rest here.

सुखी/सुखिनी भव ।

Be happy.

धैर्यं धारय ।

Have patience/take courage.

वेलां कथय ।

Tell me the time.

कुक्कुरं बधन ।

Tie up the dog.

केशान् सम्यक् प्रसाधय ।

Comb your hair properly.

केशान् कर्तय/कल्पय ।

Have a haircut.

मह्यं किञ्चित् चायं कुरु ।

Make a cup of tea for me.

प्रातः भ्रमणं कुरु ।

Take a walk in the morning.

मम चाये सितां/शर्करां किञ्चित् अधिकं देहि ।

Put a little more sugar in my tea.

मम द्विचक्रं पश्य/सम्भालय ।

Keep an eye on my cycle.

आपणं गच्छ ।

Go to the market.

शाकम् आनय ।

Bring vegetables.

भोजनम् आनय ।

Bring the food.

चायपानं कुरु ।

Have some tea.

इदं तालकय ।

Lock it.

उच्चैर् वद ।

Speak loudly.

मन्दं वद ।

Speak slowly.

मृदु वद ।

Speak softly.

समये/समयेन आगच्छ ।

Come in time.

तं/तां मार्गं दर्शय ।

Show him/her the way.

सम्भारं बधान ।

Pack up the luggage.

स्थालीं धावय/क्षालय ।

Wash the dish.

इतः आगच्छ ।

Come this way.

इमं पार्श्वम् आगच्छ ।

Come this side.

अन्यपार्श्वं गच्छ ।

Go to the other side.

अन्तर् आगच्छ/अभ्यन्तरम् आगच्छ ।

Come in.

एकदेशं गच्छ/एकदेशे भव/पार्श्वं गच्छ ।

Move to one side.

वेषं परिवर्तय ।

Change your dress.

सम्यक् उपविश ।

Sit properly.

आवर्तस्व ।

Turn around.

वामतः चल ।

Keep to the left.

धारास्नानं कुरु ।

Take a shower.

इदं पुस्तकं पटले स्थापय ।

Put this book on the table.

एतत् पुस्तकनिधाय स्थापय ।

Put it in the bookshelf.

पुस्तकं धाये स्थापय ।

Put the book in the cupboard.

क्रीडनकं यथास्थानं स्थापय ।

Put the toy back in its place.

निजस्योत्तं गृहाण ।

Pick up your bag.

एतत् तस्मै/तस्यै देहि ।

Give this to him/her.

यानं प्रविश्य आसनपट्टीं बध्ना ।

Get into the car and tie the seat-belt.

घोटलीम् उत्थापय ।

Pick up the bundle.

याने स्थापय ।

Put it in the car.

अपस्म आनय ।

Bring another.

निजसेवकं मम गृहं प्रेषय ।

Send your servant to my house.

मदर्थम् उत्तमं पुस्तकं प्रेषय ।

Send me an excellent book.

तं दूरभाषय/तं दूरभाषेण वद ।

Telephone him.

द्वारे शब्दापय/खटखटायस्व ।

Knock at the door.

अस्य द्वितकम् आनय ।

Bring its duplicate.

कृपया नीरवं पठ ।

Read silently please.

किञ्चित् अपसर/उत्सर कृपया ।

Please move a little.

दन्तान् मार्जय ।

Brush your teeth.

शालास्योतं सज्जीकुरु ।

Arrange your school bag.

द्वारम् उद्घाटय शीघ्रं रोधय/रुन्धि ।

Open the door and close it quickly.

उष्णवस्त्रं धारय ।

Put on your warm clothing.

द्वारम् उद्घाटय ।

Open the door.

द्वारं संवर ।

Close the door.

शीघ्रं सज्जो/सज्जा भव ।

Get ready quickly.

हस्तौ क्षालय ।

Wash your hands.

मम हस्तं धर ।

Hold my hand.

प्रतीक्षस्व । एषः/एषा आगच्छामि/आयामि ।

Wait. I am just coming.

भद्रं वर्तस्व/व्यवहर ।

Behave yourself.

तस्य परिहासं शृणु ।

Listen to his joke.

मुखं संवर ।

Shut your mouth/Shut up.

निजचिन्तां कुरु/स्वव्यापारं चिन्तय/स्वकार्यं कुरु ।

Mind your own business.

कृपया उपविश/आस्यतां कृपया ।

Sit down please.

बहिर् गच्छ ।

Get out/Go out.

मां शीघ्रं दूरभाषेण सूचय/मां शीघ्रं दूरभाषय ।

Ring me up soon.

शीघ्रं स्वस्थो/स्वस्था भव ।

Get well soon.

कृपया मां मुञ्च ।

Please leave me.

किम् इच्छसि इति कथय ।

Tell me what you want.

कृपया मम स्थानं रक्ष ।

Please keep my place.

यवनिकां पातय/पटम् आक्षिप ।

Drop/draw the curtain.

वीजनं रोधय/रुध्यताम् ।

Switch off the fan.

दूरदर्शनं चालय ।

Switch on the T.V.

दीपं निर्वापय/आलोकम् अपाकुरु ।

Switch off the light.

तापनीं रोधय/तापनी रुध्यताम् ।

Turn off the heater.

कोषिकां प्रतिदेहि ।

Give back the cassette.

गमनात् पूर्वं धायं तालकय ।

Lock the cupboard before going.

उत्तिष्ठ । समयो जातः ।

Get up. It is time.

कृपया मां द्वायारोहं नय ।

Please take me doubles.

कृपया गमनसमये मां जागरय ।

Please wake me up when you go.

शीघ्रम्, त्वरस्व ।

Quick, hurry up.

कृपया मम द्विचक्र-कुञ्जीम् अर्पय ।

Please pass my cycle key.

कृपया पानिलमितं जलम् आनय ।

Please bring me a glass of water.

त्वरस्व । अहं त्वां प्रतीक्षे ।

Hurry up. I am waiting for you.

## DON'TS

मा वद ।

Don't talk.

निरर्थकं मा वद ।

Don't talk rubbish/uselessly.

उच्चैर् मा वद ।

Don't talk loudly.

मूढवत् मा वद ।

Don't talk like a fool.

मा क्रन्द ।

Don't cry.

कोलाहलं मा कुरु ।

Don't make noise.

एतत्/तत् मा कुरु ।

Don't do this/that.

कोपं मा कुरु ।

Don't be angry.

मां मा कोपय ।

Don't enrage me.

भयं मा कुरु ।

Don't fear.

अव्यापारे व्यापारं मा कुरु ।

Don't poke your nose.

हस्तक्षेपं मा कुरु ।

Don't interfere.

आटोपं मा कुरु/आत्मानं मा दर्शय ।

Don't show off.

उपहासं मा कुरु/मा उपहस ।

Don't mock.

सङ्कोचं/लज्जां मा कुरु ।

Don't feel shy.

समयनाशं मा कुरु/समयं मा नाशय ।

Don't waste time.

स्वास्थ्यं मा नाशय ।

Don't spoil your health.

एतत् सर्वं मा कुरु ।

Don't do all this.

उत्क्रोशं मा कुरु/मा क्रोश ।

Don't scream.

वीत्कारं मा कुरु ।

Don't shout.

व्यग्रो/व्यग्रा मा भव ।

Don't be nervous.

मा वञ्चय/छलय ।

Don't cheat .

हठं मा कुरु ।

Don't be obstinate.

चाटुं मा कुरु ।

Don't flatter.

चिन्तां मा कुरु ।

Don't worry.

मूढो/मूढा मा भव ।

Don't be silly.

चापलं मा कुरु ।

Don't be naughty.

मां मा क्षोभय/उद्वेजय ।

Don't irritate me.

मनसि मा कुरु ।

Don't mind.

मा विक्षिप/मा बाधस्व ।

Don't disturb.

मा हस ।

Don't laugh.

दन्तान् मा दर्शय ।

Don't show your teeth.

सन्देहं मा कुरु/मा सन्दिहान ।

Don't doubt.

मा क्षेपय/क्षोभय ।

Don't tease.

जलं मा नाशय ।

Don't waste water.

जनान् मा मूर्खय ।

Don't fool people.

कुक्कुरवत् मा भष ।

Don't bark like a dog.

एतत् सर्वं मा लिख ।

Don't write all this.

मां मा निरूपय/मां निर्निमेषं मा पश्य ।

Don't stare at me.

तथा मां मा पश्य ।

Don't look at me like that.

बालिकावत् माचर ।

Don't act like a girl.

पटले पादं मा रक्ष/धेहि/स्थापय ।

Don't put your leg on the table.

उपधि मा दोलय/उपधौ मा दोलायस्व ।

Don't rock your chair.

समस्यया ग्रस्तो/ग्रस्ता मा भव ।

Don't hatch over the problem.

इदम् अन्यथा मा गृहाण/चिन्तय ।

Don't take it otherwise.

माम् अन्यथा मा गृहाण/चिन्तय ।

Don't misunderstand me.

तत्र वारंवारं मा गच्छ ।

Don't go there again and again.

मां मा मुञ्च, दृढं धर ।

Don't leave me, hold tight.

इदं जलं मा पिब ।

Don't drink this water.

शीतवायुं न प्रवेशय ।

Don't let the cool air come in.

रिक्तोदरे इदम् औषधं मा सेवस्व ।

Don't take this medicine on an empty stomach.

विलम्बं मा कुरु/मा विलम्बस्व ।

Don't delay.

तं/तां मा बाधस्व ।

Don't trouble him/her.

## MISCELLANEOUS

किं जातम् ?

What happened ?

दुर्भाग्यम् !

Bad luck !

न किमपि ।

Nothing.

लज्जाकरम् ।

Shameful.

अलम् ।

Enough.

सावधानम् !

Careful !

अवश्यम् ।

Of course.

उत्तमः कल्पः ।

Excellent idea.

किं बहुना ?

What more ?

साधुविचारः ।

Good idea.

आश्चर्यम् !

Wonderful !

विचित्रम् !

Strange !

उत्तमम् ।

Excellent.

साधु ।

Good.

अतीव साधु ।

Very good.

साधु कृतम् ।

Well done.

सम्यग् उक्तम्/साधु कथितम्।

Well said.

रम्यं/रमणीयं दिनम् ।

Lovely day.

स्वस्तन-दर्शनाय ।

See you tomorrow.

सुस्वप्नाः/सुनिद्रा ।

Sweet dreams/sound sleep.

कोटूक् मारात्मक-विचारः !

What a deadly idea !

अवगतम् ?

Understood ?

अस्य कोऽर्थः ?

What does it mean ?

क्षम्यताम्।

Please excuse.

पुनर्दर्शनाय।

Good-bye.

किमत्र चित्रम् ?

What is strange here ?

का हानिः ?

What is the harm ?

अचिर-दर्शनाय ।

See you soon.

हे भगवन् !

O God !

वराकः/वराकी ।

Poor thing.

स्थूल/स्थूले ! अपेहि ।

Fatty ! Get out.

नष्टो/नष्टा भव ।

Get lost.

क्षणमेकं/पलमेकं कृपया ।

Just a minute, please !

कीदृक् भयङ्कर-शब्दः !

What a terrible noise !

मारात्मकः सः ।

He is murderous.

वस्तुतः महनीयम् एतत् ।

It is really great.

नैवम् ?

Isn't it ?

अद्भुतम् !

Fantastic !

न तत् तथा/नैतत् तथा ।

It is not so.

न वाच्यम्/किमत्र वाच्यम् ?

No mention.

बहिर् गतः/गता ।

Gone out.

तत्र चलिष्यति ।

That won't do.

प्रियस्व ।

Go to hell.

मूढ, जड, निर्बोध !

Fool, idiot, stupid !

मारात्मिका सा ।

She is murderous.

सः शण्डः/दुर्बलशूरः ।

He is a bully.

सापेक्षमिदम् ।

It depends.

अतीव अरतिकरम् ।

Terribly boring.

एतत् सर्वं तव/भवतः/भवत्याः ।

It is all yours.

अलं हासेन ।

Stop laughing.

अधुनापि नागतः/नागता ।

Not yet come.

तत्र भविष्यति ।

That won't be.

यः सः (Hindi जो वह) m.

यः अर्जुनः स एव पार्थः। यः अर्जुनः स एव कौन्तेयः। यः भीमः स एव वृकोदरः। यः भीष्मः स एव पितामहः। यः कृष्णः स एव केशवः/जनार्दनः/माधवः/मधुसूदनः/योगेश्वरः। स एव पण्डितः यः शोकं मोहं च त्यजति। स एव पण्डितः यः शोकस्य (दुःखस्य) मोहस्य च त्यागं करोति। यः कर्मफलं त्यजति सः शान्तिं लभते। यः कर्मफलं त्यजति सः शान्तिलाभं करोति। स एव बन्धुः यः विपदि/सङ्कटे साहाय्यं करोति।

या सा f.

या सीता सा एव जानकी। या तस्य भगिनी सा मम मातुलस्य पुत्री।

यत् तत् n.

त्वं यत् इच्छसि तत् अहं न इच्छामि। सः यत् वदति तत् त्वं लिख। यत् पठसि तत् स्मर। यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्। यत् इह (अस्मिन् महाभारतनामके महाकाव्ये) अस्ति तत् अन्यत्र अस्ति। यत् इह (अस्मिन् महाभारते) न अस्ति तत् क्वचिदपि (कुत्रापि) नास्ति।

कोऽपि (Hindi कोई) m.

तत्र कोऽपि अस्ति ? न हि, अत्र कोऽपि नास्ति। मम कोऽपि भ्राता नास्ति। अस्ति कोऽपि देवः यस्य मुखं गजवत्। किं युष्मासु कोऽपि तस्य नाम जानाति ?

युष्मासु — amongst you.

कापि (Hindi कोई) f.

अस्ति कापि देवी या विद्यां ददाति। अपि तां जानासि ? मम कापि भगिनी नास्ति।

किमपि (Hindi कुछ) n.

सः किमपि न जानाति। अद्य अहं किमपि विशेषं कथयितुम् इच्छामि।

## TENSES AND MOODS

*Make sentences :*

<sup>1</sup>अहम् अस्मि I am. अहम् आसम् I was. अहं भविष्यामि I shall be.

अत्र, अन्यत्र, निकटे, दूरे, दुःखी, दुःखिनी, सुखी, सुखिनी, छात्रः, छात्रा, शिक्षकः, शिक्षिका ।

\*त्वम् असि You are. त्वम् आसीः You were. त्वं भविष्यसि You will be.

अत्र, अन्यत्र, निकटे, दूरे, दुःखी, दुःखिनी, सुखी, सुखिनी, छात्रः, छात्रा, शिक्षकः, शिक्षिका ।

सः/सा/एषः बालकः/एषा बालिका/भवान्/भवती अस्ति/आसीत्/भविष्यति ।

अत्र, अन्यत्र, निकटे, दूरे, दुःखी, दुःखिनी, सुखी, सुखिनी, छात्रः, छात्रा, शिक्षकः, शिक्षिका ।

<sup>1</sup> The declensions of अस्मद् (first person) and युष्मद् (second person) are identical throughout for all genders, e.g., अहं बालकः, अहं बालिका, अहं मित्रम्। त्वं बालकः, त्वं बालिका, त्वं मित्रम्।

अहं वदामि I speak. अहं वदितुम् इच्छामि I want to speak.  
अहम् अवदम् I spoke. अहं वदिष्यामि I shall speak.

सत्यम्, असत्यम्, न, कदापि, कुत्रापि, संस्कृतम्, शुद्धम्, अशुद्धम्, गृहे,  
विद्यालये, अपि, कदाचित्, सर्वदा, उचितम् ।

सः/सा जानाति he/she knows.

सः/सा ज्ञातुम् इच्छति he/she wants to know. सः/सा ज्ञास्यति  
he/she will know. सः/सा अजानात् he/she knew.

न, किमपि, किञ्चित्, बहु, अधिकम्, अल्पम्, अधुना, सर्वम्, तत्, एतत्।

एषः/एषा पश्यति।

एषः/एषा द्रष्टुम् इच्छति wants to see, द्रक्ष्यति will see,  
अपश्यत् saw, दक्षिणतः, वामतः, पुरतः, पृष्ठतः, ऊर्ध्वम्, अधः, दूरम्।

भवान्/भवती गच्छति।

कथम्, कदा, कस्मिन् समये, कतिवादने, शीघ्रम्, मन्दं मन्दम्।  
भवान्/भवती गन्तुम् इच्छति, गमिष्यति, अगच्छत्।

एषः बालकः खादति this boy eats.

एकवारम्, द्विवारम्, त्रिवारम्, चतुर्वारम्, पञ्चवारम्, बहुवारम्। एषः  
बालकः खादितुम् इच्छति, खादिष्यति, अखादत्।

एषा बालिका हसति this girl laughs.

उच्चैः, मधुरम्, सलज्जम्, कुटिलम्, विमलम्, प्रच्छन्नम्।

त्वं पठसि you read.

किमर्थम्, साधु, शुद्धम्, अशुद्धम्, किम्। त्वं पठितुम् इच्छसि ?

<u>भविष्यत्</u>	<u>अतीतः</u>	<u>तुम्</u>	<u>त्वा</u>	<u>त</u>
अर्पयिष्यति	आर्पयत्	अर्पयितुम्	अर्पयित्वा <sup>1</sup>	अर्पित <sup>2</sup>
कथयिष्यति	अकथयत्	कथयितुम्	कथयित्वा	कथित
स्मारयिष्यति	अस्मारयत्	स्मारयितुम्	स्मारयित्वा	स्मारित
गणयिष्यति	अगणयत्	गणयितुम्	गणयित्वा	गणित
क्रन्दिष्यति	अक्रन्दत्	क्रन्दितुम्	क्रन्दित्वा	क्रन्दित

*Change the following into the above forms, e.g.,*

खेल – खेलिष्यति, अखेलत्, खेलितुम्, खेलित्वा, खेलित ।

आनन्दय – आनन्दयिष्यति, आनन्दयत्, आनन्दयितुम्, आनन्दयित्वा,  
आनन्दित । एवमेव –

क्रीड	खाद	चल	चिन्तय	चोरय
जनय	जीव	ज्वल	ताडय	दण्डय
दर्शय	धारय	धाव	नाशय	निन्द
पठ	पाठय	पत	पातय	पीडय
पूजय	पूरय	क्षालय	बोधय	भ्रम
मापय	मारय	मार्जय	मिश्रय	याच
रक्ष	रचय	शिक्षय	श्रावय	सज्जय
सूचय	स्थापय	हस	हासय	हारय

<sup>1</sup> अर्पयित्वा having offered. (Hindi अर्पण करके)

<sup>2</sup> अर्पित has been offered.

<u>भविष्यत्</u>	<u>अतीतः</u>	<u>तुम्</u>	<u>त्वा/य</u>	<u>त</u>
अनुसरिष्यति	अन्वसरत्	अनुसर्तुम्	अनुसृत्य	अनुसृत
अपसरिष्यति	अपासरत्	अपसर्तुम्	अपसृत्य	अपसृत
अपसारयिष्यति	अपासारयत्	अपसारयितुम्	अपसार्य	अपसारित
करिष्यति	अकरोत्	कर्तुम्	कृत्वा	कृत
अनुकरिष्यति	अन्वकरोत्	अनुकर्तुम्	अनुकृत्य	अनुकृत
उपकरिष्यति	उपाकरोत्	उपकर्तुम्	उपकृत्य	उपकृत
स्मरिष्यति	अस्मरत्	स्मर्तुम्	स्मृत्वा	स्मृत
विस्मरिष्यति	व्यस्मरत्	विस्मर्तुम्	विस्मृत्य	विस्मृत
हरिष्यति	अहरत्	हर्तुम्	हृत्वा	हृत
उपहरिष्यति	उपाहरत्	उपहर्तुम्	उपहृत्य	उपहृत
धरिष्यति	अधरत्	धर्तुम्	धृत्वा	धृत
संवरिष्यति	समवरत्	संवर्तुम्	संवृत्य	संवृत
तरिष्यति	अतरत्	तरितुम्	तीर्त्वा	तीर्ण
अवतरिष्यति	अवातरत्	अवतरितुम्	अवतीर्य	अवतीर्ण
वितरिष्यति	व्यतरत्	वितरितुम्	वित्तीर्य	वित्तीर्ण
उत्तरयिष्यति	उदतरयत्	उत्तरयितुम्	उत्तीर्य	उत्तीर्ण
प्रेरयिष्यति	प्रेरयत्	प्रेरयितुम्	प्रेर्य	प्रेरित
त्यक्ष्यति	अत्यजत्	त्यक्तुम्	त्यक्त्वा	त्यक्त
प्रक्ष्यति	अपृच्छत्	प्रष्टुम्	पृष्ट्वा	पृष्ट
शक्ष्यति	अशक्नोत्	शक्तुम्	शक्त्वा	शक्त

<sup>1</sup> च is used in place of त्वा when the root has a prefix, e.g.,  
 सृ-सृत्वा, अनु-सृ-अनुसृत्य; कृ-कृत्वा, अनु-कृ-अनुकृत्य; हृ-हृत्वा, अप-हृ-  
 अपहृत्य; स्मृ-स्मृत्वा, वि-स्मृ-विस्मृत्य।

प्रवक्ष्यति	प्रावहत्	प्रवोढुम्	प्रोह्य	प्रौढ
आक्रक्ष्यति	आकर्षत्	आक्रष्टुम्	आकृष्य	आकृष्ट
आरोक्ष्यति	आरोहत्	आरोढुम्	आरुह्य	आरूढ
आदेक्ष्यति	आदिशत्	आदेष्टुम्	आदिश्य	आदिष्ट
उपदेक्ष्यति	उपादिशत्	उपदेष्टुम्	उपदिश्य	उपदिष्ट
उपवेक्ष्यति	उपाविशत्	उपवेष्टुम्	उपविश्य	उपविष्ट
प्रवेक्ष्यति	प्राविशत्	प्रवेष्टुम्	प्रविश्य	प्रविष्ट
स्नेक्ष्यति	अस्निह्यत्	स्नेहितुम्	स्नेहित्वा	स्निग्ध
क्रेष्यति	अक्रीणात्	क्रेतुम्	क्रीत्वा	क्रीत
विक्रेष्यति	व्यक्रीणात्	विक्रेतुम्	विक्रीय	विक्रीत
क्षेप्स्यति	अक्षिपत्	क्षेप्तुम्	क्षिप्त्वा	क्षिप्त
जेष्यति	अजयत्	जेतुम्	जित्वा	जित
नेष्यति	अनयत्	नेतुम्	नीत्वा	नीत
आनेष्यति	आनयत्	आनेतुम्	आनीय	आनीत
अभिनेष्यति	अभ्यनयत्	अभिनेतुम्	अभिनीय	अभिनीत
लेखिष्यति	अलिखत्	लेखितुम्	लिखित्वा	लिखित
एषिष्यति	ऐच्छत्	एष्टुम्	इष्ट्वा	इष्ट
प्रेषयिष्यति	प्रेषयत्	प्रेषयितुम्	प्रेष्य	प्रेषित
श्रोष्यति	अशृणोत्	श्रोतुम्	श्रुत्वा	श्रुत
गमिष्यति	अगच्छत्	गन्तुम्	गत्वा	गत
आगमिष्यति	आगच्छत्	आगन्तुम्	आगत्य	आगत
निर्गमिष्यति	निरगच्छत्	निर्गन्तुम्	निर्गत्य	निर्गत
नंस्यति	अनमत्	नन्तुम्	नत्वा	नत
ग्रहीष्यति	अग्रहात्	ग्रहीतुम्	गृहीत्वा	गृहीत

आह्वस्यति	आह्वयत्	आह्वतुम्	आहूय	आहूत
स्थास्यति	अतिष्ठत्	स्थातुम्	स्थित्वा	स्थित
उत्थास्यति	उदतिष्ठत्	उत्थातुम्	उत्थाय	उत्थित
गास्यति	अगायत्	गातुम्	गीत्वा	गीत
पास्यति	अपिबत्	पातुम्	पीत्वा	पीत
दास्यति	अददात्	दातुम्	दत्त्वा	दत्त
ज्ञास्यति	अजानात्	ज्ञातुम्	ज्ञात्वा	ज्ञात
प्राप्स्यति	प्राप्नोत्	प्राप्तुम्	प्राप्य	प्राप्त
नोत्स्यति	अनुदत्	नोत्तुम्	नुत्वा	नुत
वत्स्यति	अवसत्	वस्तुम्	उषित्वा	उषित
नर्तिष्यति	अनृत्यत्	नर्तितुम्	नर्तित्वा	नर्तित
द्रक्ष्यति	अपश्यत्	द्रष्टुम्	दृष्ट्वा	दृष्ट
स्मृष्यति	अस्मृशत्	स्मृष्टुम्	स्मृष्ट्वा	स्मृष्ट
पारयिष्यति	अपारयत्	पारयितुम्	पारयित्वा	पारित
आनन्दिष्यति	आनन्दत्	आनन्दितुम्	आनन्द्य	आनन्दित
आरोपयिष्यति	आरोपयत्	आरोपयितुम्	आरोप्य	आरोपित
उत्थापयिष्यति	उदथापयत्	उत्थापयितुम्	उत्थाप्य	उत्थापित
उद्घाटयिष्यति	उदघाटयत्	उद्घाटयितुम्	उद्घाट्य	उद्घाटित
प्रकाशयिष्यति	प्राकाशयत्	प्रकाशयितुम्	प्रकाशय	प्रकाशित
वदिष्यति	अवदत्	वदितुम्	उदित्वा	उदित
भविष्यति	अभवत्	भवितुम्	भूत्वा	भूत
अनुभविष्यति	अन्वभवत्	अनुभवितुम्	अनुभूय	अनुभूत
बोधिष्यति	अबोधत्	बोद्धुम्	बुद्ध्वा	बुद्ध

<u>आज्ञार्थकम्</u>	<u>स्वीकारात्मकम्</u>	<u>आज्ञार्थकम्</u>	<u>स्वीकारात्मकम्</u>
आगम्यताम् <sup>1</sup>	आगच्छामि	गम्यताम्	गच्छामि
उपविश्यताम्	उपविशामि	उत्थीयताम्	उत्तिष्ठामि
दीयताम्	ददामि	गृह्यताम्	गृह्णामि
कथ्यताम्	कथयामि	श्रूयताम्	शृणोमि
चल्यताम्	चलामि	विरम्यताम्	विरमामि
खाद्यताम्	खादामि	पीयताम्	पिबामि
आनीयताम्	आनयामि	नीयताम्	नयामि
अपस्त्रियताम्	अपसरामि	अपसार्यताम्	अपसारयामि
क्रियताम्	करोमि	उद्यताम्	वदामि
उद्घाट्यताम्	उद्घाटयामि	संव्रियताम्	संवरामि
दर्श्यताम्	दर्शयामि	दृश्यताम्	पश्यामि
पठ्यताम्	पठामि	लिख्यताम्	लिखामि
पाठ्यताम्	पाठयामि	लेख्यताम्	लेखयामि
उत्थाप्यताम्	उत्थापयामि	त्यज्यताम्	त्यजामि
ज्वाल्यताम्	ज्वालयामि	निर्वाप्यताम्	निर्वापयामि

<sup>1</sup> This is used in the passive voice. Hence the subject is त्वया, भवता, भवत्या etc. and not त्वम्, भवान्, भवती etc. In the active voice with the subject मयान्, मयती, सः, सा, एषः बालकः, एषा बालिका the verbs are as follows

आगच्छतु गच्छतु, उपविशतु उत्तिष्ठतु, ददातु गृह्णतु, कथयतु शृणोतु, चलतु विरमतु, खादतु पिबतु, आनयतु नयतु, अपसरतु अपसारयतु, करोतु वदतु, उद्घाटयतु संवरतु, दर्शयतु पश्यतु, पठतु लिखतु, पाठयतु लेखयतु, उत्थापयतु त्यजतु, ज्वालयतु निर्वापयतु, गायतु श्रावयतु, स्थापयतु तिष्ठतु, सम्मार्जयतु प्रज्वालयतु, पृच्छतु क्षाम्यतु।

गीयताम्	गायामि	श्राव्यताम्	श्रावयामि
स्थाप्यताम्	स्थापयामि	स्थीयताम्	तिष्ठामि
सम्मार्ज्यताम्	सम्मार्जयामि	प्रक्षाल्यताम्	प्रक्षालयामि
पृच्छ्यताम्	पृच्छामि	क्षम्यताम्	क्षाम्यामि

*Translate into Sanskrit :*

1. I shall tell you later. 2. He will go to Bhuvaneshwar next month. 3. I shall not go to school next Monday. 4. She will not go for picnic this year. 5. He will be a doctor soon. 6. I will build a house in this town next year. 7. He will go to the cinema in the evening. 8. Her son will get admission in the Ashram school next year. 9. You will be cured by the Mother's Grace. 10. Will you go home ? 11. I will meet you later. 12. He will get the first prize again this year. 13. She will continue her studies even after her marriage. 14. I will go to Germany for higher studies.

उत्तरम् — १. अहं त्वां परं वदिष्यामि। २. सः आगामिमासे भुवनेश्वरं गमिष्यति। ३. अहम् आगामि-सोमवारे विद्यालयं न गमिष्यामि। ४. सा अस्मिन् वर्षे विहारिकायै न गमिष्यति। ५. सः अचिरं चिकित्सकः भविष्यति। ६. अहम् आगामिवर्षे अस्मिन् नगरे गृहं निर्मास्यामि/गृहनिर्माणं करिष्यामि। ७. सः सायं चलचित्रं द्रष्टुं गमिष्यति। ८. आगामिवर्षे तस्याः पुत्रः आश्रमविद्यालये प्रवेशं प्राप्स्यति। ९. त्वं मातृकृपया स्वस्थः/नीरोगः (स्वस्था/नीरोगा) भविष्यसि। १०. अपि त्वं गृहं गमिष्यसि ? ११. त्वां परं द्रक्ष्यामि। १२. अस्मिन् वर्षे सः पुनः प्रथमपुरस्कारं प्राप्स्यति। १३. विवाहात्

परमपि सा अध्ययनम् अनुवर्तयिष्यति। १४. अहम् उच्चतर-अध्ययनाय शार्मण्यदेशं गमिष्यामि।

*Translate into Sanskrit :*

1. I saw this boy in the Ashram at 7.15 P.M. 2. In which place did he find this ? 3. A tiger from this forest entered that village last night. 4. He gave a book to my friend. 5. From where did this boy bring this fruit ? 6. In this way he got money. 7. I went to the garden to bring flowers. 8. I was in this Ashram last year. 9. When did she take her breakfast ? 10. Today morning I saw an accident near my house. 11. Yesterday was her birthday. 12. He got his Ph.D. Degree last year. 13. I saw a photo exhibition yesterday. 14. She told me to do this work. 15. He was an engineer. 16. Yesterday he did not come in time. 17. There was no rain last Friday.

उत्तरम् — १. सायं सपाद-सप्तवादने अहम् इमं बालकम् आश्रमे अपश्यम्। २. कस्मिन् स्थाने तेन इदं प्राप्तम् ? ३. गतरात्रौ अस्मात् जङ्गलात् कोऽपि व्याघ्रः तं ग्रामं प्राविशत्। ४. तेन मम मित्राय/बन्धवे पुस्तकं दत्तम्। ५. अनेन बालकेन इदं फलं कुतः आनीतम् ? ६. इत्थं सः धनं प्राप्नोत्/इत्थं तेन धनं प्राप्तम्। ७. अहं पुष्पाणि आनेतुम् उद्यानम् अगच्छम्। ८. गतवर्षे अहम् अस्मिन् आश्रमे आसम्। ९. कदा सा प्रातराशम् अकरोत् ? १०. अद्य प्रातः स्वगृहस्य निकटे मया एका दुर्घटना दृष्टा। ११. ह्यः तस्याः जन्मदिनम् आसीत्। १२. गतवर्षे तेन विद्यावारिधिः इति उपाधिः प्राप्तः। १३. ह्यः मया भाचित्र-प्रदर्शनी दृष्टा। १४. इदं कार्यं कुरु इति सा माम् अकथयत्। १५. सः अभियन्ता आसीत्। १६. ह्यः सः समयेन न आगतः। १७. गतशुक्रवारे वृष्टिः न अभवत्।

Use तुम् in the following sentences, e.g., अहं पठामि —  
अहं पठितुम् इच्छामि।

अहं खादामि। अहं जलं पिबामि। सा संस्कृतं पठति। एषः गृहं गच्छति। अहं किञ्चित् पृच्छामि। सः शृणोति। एषा खेलति। सः लिखति। अहं वदामि। त्वं किं करोषि ? अहं ददामि। सा दर्शयति। अहं स्नानं करोमि।

उत्तरम् — अहं खादितुम् इच्छामि। अहं जलं पातुम् इच्छामि। सा संस्कृतं पठितुम् इच्छति। एषः गृहं गन्तुम् इच्छति। अहं किञ्चित् प्रष्टुम् इच्छामि। सः श्रोतुम् इच्छति। एषा खेलितुम् इच्छति। सः लेखितुम् इच्छति। अहं वदितुम् इच्छामि। त्वं किं कर्तुम् इच्छसि ? अहं दातुम् इच्छामि। सा दर्शयितुम् इच्छति। अहं स्नानं कर्तुम् इच्छामि।

*Translate into Sanskrit :*

1. I want to go home. 2. He is going to buy a book. 3. She wants to see a film. 4. I come here to learn Sanskrit. 5. You can do this. 6. He wants something to drink. 7. I want to talk with you. 8. He comes to Ashram daily for meditation. 9. She wants to start a Sanskrit class here. 10. He is going to congratulate her. 11. Now you are able to answer.

उत्तरम् — १. अहं गृहं गन्तुम् इच्छामि। २. सः पुस्तकं क्रेतुम् गच्छति। ३. सा चलचित्रं द्रष्टुम् इच्छति। ४. अहम् अत्र संस्कृतं पठितुम् आगच्छामि। ५. त्वम् एतत् कर्तुं शक्नोषि। ६. सः किमपि पातुम् इच्छति। ७. अहं त्वया सह आलापं कर्तुम् इच्छामि/अहं त्वया सह आलपितुम् इच्छामि। ८. सः प्रतिदिनं ध्यानं कर्तुम् आश्रमम्

आगच्छति। ९. सा अत्र संस्कृतवर्गस्य आरम्भं कर्तुम् इच्छति/सा अत्र संस्कृतवर्गम् आरब्धुम् इच्छति। १०. सः तस्याः अभिनन्दनं कर्तुं गच्छति/सः ताम् अभिनन्दितुं गच्छति। ११. अधुना त्वम् उत्तरं दातुं शक्नोषि/अधुना त्वम् उत्तरयितुं शक्नोषि।

Use शक्नोमि or न शक्नोमि (I can or I cannot) in the above sentences, e.g., अहम् एकलः/एकला सर्वं खादितुं शक्नोमि। अहम् एकलः/एकला गृहं गन्तुं शक्नोमि। अहम् एतावत् जलम् एकलः/एकला पातुं शक्नोमि।

Join the following sentences by त्वा, e.g., अहं पूर्वं विद्यालयं गच्छामि, परं संस्कृतं पठामि – अहं विद्यालयं गत्वा संस्कृतं पठामि।

१. अहं विद्यालये पठामि, चतुर्वादने गृहम् आगच्छामि। २. अहं गृहम् आगच्छामि, खादामि। ३. अहं खादामि, खेलितुम् गच्छामि। ४. सा मन्दिरं गच्छति, पूजां करोति। ५. अहं प्रातः स्नानं करोमि, आश्रमं गच्छामि। ६. गोविन्दः शिक्षकं पश्यति, नमस्करोति। ७. शिष्यः गुरुं प्रणमति, गृहं गच्छति। ८. सः हस्तं प्रक्षालयति, भोजनं करोति। ९. एषः अधिकोषात् धनम् आनयति, आपणं गच्छति। १०. सः रसगोलं प्राप्नोति, आनन्देन खादति।

उत्तरम् – १. अहं विद्यालये पठित्वा चतुर्वादने गृहम् आगच्छामि। २. अहं गृहम् आगत्य खादामि। ३. अहं खादित्वा खेलितुं गच्छामि। ४. सा मन्दिरं गत्वा पूजां करोति। ५. अहं प्रातः स्नानं कृत्वा आश्रमं गच्छामि। ६. गोविन्दः शिक्षकं दृष्ट्वा नमस्करोति। ७. शिष्यः गुरुं प्रणम्य गृहं गच्छति। ८. सः हस्तं प्रक्षाल्य भोजनं करोति। ९. एषः अधिकोषात् धनम् आनीय आपणं गच्छति। १०. सः रसगोलं प्राप्य आनन्देन खादति। अधिकोषः – bank. आपणः – shop.

एषः/एषा आयामि/आगच्छामि ।

I am just coming.

अद्य मम तरणम् अस्ति ।

I have swimming today.

अहम् आश्रमं गच्छामि ।

I am going to the Ashram.

अहं श्रवा लोकं द्रष्टुं गच्छामि ।

I am going to see a video.

अहं शीतम् अनुभवामि ।

I am feeling cold.

अहं पत्रमेकं प्रतीक्षे ।

I am expecting a letter.

मम मातुलस्य दशा शोचनीया ।

My uncle is in a serious condition.

अहम् अतीव क्षुधितः/क्षुधिता ।

I am feeling very hungry.

अहो, अद्य मया अत्यधिकं खादितम् ।

Oh, I have eaten too much today.

अलम्। मम उदरं पूर्णम् ।

Enough. I am full.

मम विलम्बो जायते/भवति ।

I am getting late.

पश्यानि तत् ।

Let me see that.

अहम् अल्पाहाराय गच्छामि ।

I am going to have my tiffin.

निद्रालुः अस्मि ।

I am feeling sleepy.

मम मस्तकव्यथा भवति ।

I have a headache.

यद् भावि तद् भवतु, अहम् एतत् कर्तुं गच्छामि ।

Come what may, I am going to do this.

अहं ज्वरितः/ज्वरिता ।

I have fever.

अद्य अहं विलम्बेन उत्थितः/उत्थिता ।

Today I got up late.

अहं सर्वयानं धर्तुं न शक्तः/शक्ता/न अशकम् ।

I could not catch the bus.

एतत् मया पूर्णतया विस्मृतम् ।

I have forgotten it completely.

तद् अहं न गणये ।

I do not care for it.

अतीव क्लान्तोऽहम्/क्लान्ताहम् ।

I am too tired.

त्वामेव अन्वेषयामि स्म ।

It is you I was looking for.

अहम् एतत् प्राप्तुम् इच्छामि ।

I would like to have it.

अद्य अत्यधिकम् आलस्यम् अनुभवामि ।

I am feeling extremely lazy today.

मम आपत्तिः नास्ति ।

I have no objection.

मया तुभ्यं किमपि कथनीयम् ।

I have something to tell you.

यदा कदापि अहं सज्जः/सज्जा ।

I am ready any time.

अत्रैव कुत्रापि अस्ति । तद् अन्वेषयानि ।

It is somewhere here. Let me search for it.

अहं कमपि/कामपि स्मरामि ।

I am remembering someone.

मम मस्तकं घूर्णते ।

I feel giddy.

अद्य मम भीषणा शीतबाधा/भीषणः प्रतिश्यायः ।

Today I have a bad cold.

अहं शीतबाधितः/शीतबाधिता ।

I have caught a cold.

द्वारे खटखटाशब्दं शृणोमि/कोऽपि द्वारे शब्दापयति ।

I hear someone knocking at the door.

मम दन्तव्यथा/दन्तपीडा भवति ।

I have a toothache.

भोजने इच्छा/रुचिः न भवति ।

I don't feel like eating.

अहं न जानामि। अहम् अत्र परदेशीयः/परदेशीया

I don't know. I am a stranger here.

अहं प्रतिदिनं चतुर्वादने उत्तिष्ठामि ।

I get up everyday at 4 o'clock.

अहं प्रथमं शौचालयं गच्छामि, तत्परं दन्तमार्जनं कृत्वा धारास्नानं करोमि।

I go to the toilet first, brush my teeth, and then have a shower.

अर्धहोरा अहं सज्जः/सज्जा भवामि ।

I take half an hour to get ready.

पुनर्दर्शनाय सन्ध्याकाले ।

See you again in the evening.

यथा कथयामि तथा किमर्थं न करोषि ?

Why are you not doing as I tell you ?

अहं त्वां दण्डयिष्यामि यतः त्वया एतत् कृतम् ।

Because you have done this, I shall punish you.

अहं तस्य भ्रातरम् अवदं यतो हि सः तत्र न आसीत् ।

As he was not there, I spoke to his brother.

अहम् एतत् करोमि यतः एतद् वरयामि ।

I do it because I choose to.

अहं स्वप्रतिज्ञां पालयामि ।

I keep my promise.

अहम् एतत् स्वयं करिष्यामि ।

I will do it myself.

अहम् एकदा त्वां तत्र नेष्यामि ।

I will take you there one day.

अहं दुग्धं न इच्छामि। अहं दधि इच्छामि।

I do not want milk. I want curd.

यदि त्वरां न कुर्याम्/त्वरां न कुर्यां चेत्, विलम्बितः/विलम्बिता स्याम्।

I shall be late unless I hurry.

## CONCERNING STUDIES

मम लेखनी न लिखति/चलति ।

My pen is not working.

मम गृहाभ्यासः न समाप्तः ।

I have not finished my homework.

हन्त, सञ्चिकां न प्राप्नोमि ।

Ah, I cannot find my notebook.

कृपया उद्घर्षणम् अर्पय ।

Please pass the eraser.

तव उद्घर्षणं गृहीयाम् ?

May I take your eraser ?

मया बहुगृहाभ्यासः कर्तव्यः ।

I have to do a lot of homework.

गणिते/गणितस्य गृहाभ्यासः अस्ति किम् ?

Is there any homework for maths ?

तव अङ्कनीं गृह्णामि ।

I am taking your pencil.

एषः गृहाभ्यासः ।

Here is the homework.

अधुना भवान्/भवती शोधयितुम् अर्हति/शक्नोति ।

You can correct it now.

कृपया मया सह पुस्तकं पठतु ।

Please read the book with me.

किम् एषा साधुलेखनी नास्ति ?

Isn't it a nice pen ?

गृहाभ्यासः कर्तव्यः इति मया विस्मृतम् ।

I have forgotten to do my homework.

तेनाहं दुःखितः/दुःखिता ।

I am sorry for it.

मम कविताभ्यासः अधुनापि अवशिष्टः ।

I have still to learn my poem.

अयं गृहाभ्यासः मया समापनीयः ।

I have to finish this homework.

अहो, सुन्दरम् उद्धरणम् !

What a nice quotation it is !

स्मरसि न वा — अद्य तव सङ्गीतवर्गः सार्धषड्वादने ।

Do you remember — you have singing class at 6.30 P.M.

कौदृक् अरतिकरः आसीत् स वर्गः !

What a boring class it was !

कालोऽयं वर्गं गन्तुम् ।

It is time for the class.

अहम् एतद् बोद्धुं न शक्नोमि ।

I cannot understand it.

मह्यम् अतीव रुचितम्। तद् अद्भुतम् आसीत् ।

I liked it a lot. It was marvellous.

एतद् मया सम्पूर्णं विस्मृतम् आसीत् ।

I had forgotten all about it.

मौनं/तूष्णीं कृपया ।

Silence please.

कृपया पुनर् बोधय/बोधयतु। मया न अवगतम् ।

Please explain again. I did not understand.

कदा वर्गः समाप्स्यते ?

When is the class going to finish ?

तव का समस्या ?

What is your problem ?

कृपया बोद्धुं यतस्व ।

Please try to understand.

वस्तुतः अरतिकरम् इदम् ।

It is really boring.

मम मस्तिष्कं न चलति/कार्यं न करोति। मम बुद्धिः न प्रवर्तते ।

My brain is not working.

एषः गृहाभ्यासः अतीव सरलः/कठिनः/दीर्घः/लघुः ।

This homework is quite easy/difficult/long/short.

कृपया कृष्णफलकं मार्जय ।

Please wipe the blackboard.

एषः सङ्गीतस्य आरम्भसमयः ।

It is time for the music to start.

कृपया निजलेखनीं देहि ।

Please give me your pen.

पञ्चमान्तरे तव कः वर्गः ?

What class do you have in the fifth period ?

तव उत्तरम् अशुद्धम् ।

Your answer is wrong.

अवधेयम्/टिप्पणीम् अङ्कय/लिख ।

Take the notes.

अद्य त्वं विलम्बितः/विलम्बिता ।

You are late today.

क्षम्यताम्, अहं विलम्बितः/विलम्बिता ।

Sorry, I am late.

शालागमने विलम्बः भवति ।

It is getting late for the school.

श्लोकानां पुनरावृत्तिं कुर्याम ।

Let us revise the slokas.

प्रवेशं प्रार्थये/इच्छामि ।

May I come in ?

आर्य/आर्ये, प्रविशानि ?

May I come in Sir/Madam ?

आर्य/आर्ये, बहिर्गच्छानि ?

May I go out Sir/Madam ?

अत्र उपविशानि ?

May I sit here ?

तेन मम प्रश्नस्य अशुद्धम् उत्तरं दत्तम् ।

He gave a wrong answer to my question.

सज्जो भव/सज्जा भव। कालोऽयं विद्यालयस्य ।

Get ready, it is time for the school.

मम परीक्षा आसत्रा/आसीदति ।

My exam. is drawing near.

अहं नवमश्रेण्याम् अस्मि। आगामिवर्षे दशमश्रेण्यां भविष्यामि ।

I am in Class IX. I shall be in Class X next year.

अहं शिशुविहारात् संस्कृतं पठामि ।

I have been learning Sanskrit since my Kindergarten.

संस्कृते सर्वोच्चान्/उच्चतमान् अङ्कान् प्राप्नोमि। किन्तु गणिते अहं दुर्बलः/दुर्बला ।

I get highest marks in Sanskrit. But I am weak in maths.

कठिनश्रमं कुरु इति मम शिक्षकः उपदिशति ।

My teacher advises me to work hard.

अहं रसायन-शास्त्रे साधुः ।

I am good at chemistry.

केन रङ्गेण लिखेयम् ?

What colour shall I write with ?

अस्य शब्दस्य वर्तनीं कथय ।

Spell this word.

त्वया मम लेखन्या किं कृतम् ? एषा/इयं न लिखति ।

What have you done to my pen ? It does not write.

## YOU

यत्र इच्छसि तत्र उपविश ।

You may sit wherever you like.

वथेच्छसि तथा कुरु ।

Do as you like.

यथा ते रोचते/यथा तव इष्टम्/यथा तव इच्छा ।

As you like.

कृपया मम साहाय्यं कुरु/करोतु ।

कृपया मम सहायः/सहाया भव/भवतु ।

Please help me.

तव/भवतः/भवत्याः साहाय्यं प्रार्थये ।

Could you help me ?

अपि आयासि/आगच्छसि ?

Are you coming ?

मम आगमनपर्यन्तं तिष्ठसि किम्/प्रतीक्षां करोषि किम् ?

अपि प्रतीक्षसे मम आगमनं यावत् ?

Will you wait till I come ?

तद् वक्तुं कथं दुःसहसे/दुःसाहसं करोषि ?

How dare you say that ?

अद्य चारु दृश्यसे ।

You look smart today.

किं जातं तव ?

What is the matter with you ?

अपि त्वं न स्वस्थः/स्वस्था ?

Are you not well ?

यदि त्वम् अत्यधिकं खादसि तर्हि रुग्णः/अस्वस्थः/रुग्णा/अस्वस्था भविष्यसि ।

If you eat too much, you will be ill.

तव केशविन्यासः अपूर्वः ।

Your hair-style is great.

किञ्चित्कालाय द्विचक्रं दातुं शक्नोषि ?

Can you lend your cycle for sometime ?

मतोऽसि किम्/मत्तासि किम् ?

Are you mad ?

किं तव वयः ?

How old are you ?

त्वं क्लान्तः/क्लान्ता दृश्यसे ।

You look tired.

कियत् रम्यः/रम्या दृश्यसे !

How pretty you look !

किं मयि कुपितोऽसि/कुपितासि ?

Are you angry with me ?

अपि त्वं प्रकृतिस्थः/प्रकृतिस्था ?

Are you in your senses ?

कथय, कदा मया आगन्तव्यम् ।

Tell me when I should come.

त्वया मध्याह्नभोजनं कृतं न वा ?

Have you taken your lunch or not ?

अपि स्मरसि ?

Do you remember ?

कति इच्छसि ?

How many do you want ?

अपि त्वं सावकाशः/सावकाशा/मुक्तः/मुक्ता ?

Are you free ?

अपि तव घटी आकाशवाण्याः समयेन संवदति ?

Does your watch keep Radio time ?

प्रतिरूप्यं कति ददासि ?

How many do you give for a rupee ?

सम्पूर्णं स्वित्रोऽसि/स्वित्रासि ।

You have perspired all over.

इदं कार्यं कियत् शीघ्रं समाप्तुं शक्नोषि/समाप्नुयाः ?

How soon can you finish this job ?

इदं कार्यं कियता कालेन समाप्स्यसि ?

How long would you take to finish this work ?

कृपया मां गृहं नेतुं शक्नोषि ?

Would you please give me a lift to my home ?

इदं पत्रं प्रेषालये निक्षेप्तुं शक्नोषि ?

Could you post this letter at the Post Office ?

तव दूरभाषः उपयोक्तुं/व्यवहर्तुं शक्यते ?

Can I use your phone ?

न करोषि चेत् वरम् ।

It is better if you don't.

अविलम्बम् उत्तरं प्रेषय/कृपया प्रत्यावर्ति-प्रेषया उत्तरं देहि ।

Please reply without delay by the return post.

त्वं ज्वरितः/ज्वरिता ।

You are running a temperature.

कः तव चिकित्सां करोति ?

Who is treating you ?

त्वं कदा उत्तिष्ठसि ?

When do you get up ?

प्रतिदिनं विद्यालयं कथं गच्छसि — पादचारेण वा द्विचक्रेण वा ?

How do you go to school everyday—on foot or by cycle ?

त्वं कुत्रत्यः/कुत्रत्या ?

Where do you come from ?

त्वं कस्यां श्रेण्यां पठसि ?

What class are you studying in ?

सत्यं वदसि चेत् तव कापि हानिः न भविष्यति ।

No harm will come to you if you tell the truth.

कुत्र तव निवासः ?

Where do you stay ?

किं खादसि — रोटिकां वा भक्तं वा ?

What do you eat — bread or rice ?

गत्वा भोजनं कुरु ।

Go and take your food.

सङ्कोचं मा कुरु ।

Don't feel shy, feel at home.

तव चायः शीतलः भवति ।

Your tea is getting cold.

त्वं मां सङ्कटे पातयसि ।

You are putting me into trouble.

## MISCELLANEOUS

किमिदम्/इदं किम्/एतत् किम् ?

What is this ?

कोऽयम्/अयं कः/एषः कः ?

Who is this (boy/man) ?

का इयम्/इयं का/एषा का ?

Who is this (girl/lady) ?

अस्ति कश्चिद् वाग्विशेषः/अस्ति किमपि विशेष-वक्तव्यम् ?

Is there anything special to say ?

अस्ति किमपि विशेषम्/अस्ति कोऽपि विशेषः ?

Is there anything special ?

अधुना कः समयः/का वेला/कतिवादनम् ?

What is the time now ?

कृपया तद् देहि/ददातु ।

Please give that.

क्षणं प्रतीक्ष्यताम् ।

Please wait a moment.

इदं परमार्थेन न ग्राह्यम् ।

This should not be taken seriously.

नास्ति अन्या गतिः/नास्ति अन्यः उपायः ।

There is no other way.

चिकित्सालयं प्रति कः मार्गः ?

What is the way to the hospital ?

त्वम् अत्र कथम् ?

How are you here ?

इयद्-दिनानि कुत्र आसीः ?

Where were you all these days ?

किम् आगमन-प्रयोजनम् ?

What is the purpose of your visit ?

किं कारणम् ?

What is the reason ?

भोजनं सिद्धम्/सज्जम् ।

Food is ready.

अद्य अतीव उष्णम्/शीतम् ।

It is too hot/cold today.

तथा शीतम् अद्य !

It is so cold today !

अत्यधिकम् उष्णं/शीतं खलु ।

It is very hot/cold indeed.

अद्य कः दिनाङ्कः/अद्यतन-दिनाङ्कः कः ?

What is the date today ?

अस्मिन् शनिवारे किं चलचित्रम् ?

What film is there this Saturday ?

अद्य मध्याह्न-भोजने किं किं दीयते ?

What is there for lunch today ?

अद्य रात्रौ कः कार्यक्रमः ?

What is the programme tonight ?

व्यर्थम्, अहं न गच्छामि ।

Useless, I am not going.

अद्य आकाशः इयत् स्वच्छः/निरभ्रः !

The sky is so clear/cloudless today !

शुद्ध-पञ्चवादने सः मम कक्षं प्राविशत् ।

Just at 5 o'clock he entered my room.

यथा सः चिन्तयति तथा सर्वदा न वदति ।

He does not always speak as he thinks.

सः स्वपुस्तकम् आनीय पटले अस्थापयत् ।

He brought his book and put it on the table.

अपि सिद्धः/सज्जः प्रातराशः ?

Is the breakfast ready ?

भोजनं सुस्वादु आसीत् ।

The food was delicious.

इदं स्वादहीनम् ।

This is tasteless.

इदं सुस्वादु ।

This is very tasty.

मनसि कृतम् ? क्षम्यताम् ।

Felt bad ? I am sorry/Excuse me.

न हानिः ।

It does not matter.

जनप्रवादं न गणयेः/गणय ।

You should not care for what people say.

किं भवति ?

What is going on ?

कः शीष्करोति/शीत्करोति ?

Who is whistling ?

अत्यधिकम् एतत् ।

It is too much.

वस्तुतः सुन्दरम् इदम्

It is really nice.

सामान्यतः एवं घटते ।

Normally it happens like this.

तस्मात् सः न आगतः ।

Because of that he has not come.

धारावाहिकं सुन्दरम् आसीत् ।

The serial was good.

अधुना वार्ताकालः/समाचारकालः । कालोऽयं समाचारस्य ।

It is time for the news now.

मम पत्रम् अस्ति ?

Do I have any letter ?

त्वं प्रेषालयं गतः/गता ?

Did you go to the Post Office ?

न, अहं न गतः/गता ।

No, I did not go.

अहो, हृदयस्पर्शि इदं सङ्गीतम् ।

Oh, This song is really touching.

मातृकृपया सः रक्षितः/सा रक्षिता ।

He/She was saved by the Mother's Grace.

कुतस्त्वं मम आसने उपविष्टः/उपविष्टा ?

Why have you occupied my seat ?

सः अस्वस्थः। सा अस्वस्था ।

He/She is sick.

तथा अन्धकारः अत्र !

It is so dark here !

अद्य तस्य स्वास्थ्यं वरतरम् ।

His health is better today.

अधुनापि बहुसमयोऽस्ति ।

Still there is a lot of time.

प्रतिदिनं मम घटी कलया द्रुता भवति ।

My watch goes one minute fast everyday.

अधुना सः गृहे अस्ति ?

Is he at home now ?

ह्यः अत्र घ्रासोरैः वृष्टिः अभवत् ।

Yesterday it rained cats and dogs here.

सा किमपि इच्छति स्म ।

She was asking for something.

सूर्यः उदितः ।

The sun is up.

अद्यतन-प्रेषया इदं पत्रम् आगतम् ।

This letter has come by today's post.

अद्य केवलं रामः आगच्छति ।

Only Rama is coming today.

इतः तत् स्थानं कियत् दूरम् ?

How far is that place from here ?

इदं [सर्वी]यानम् उषानगरीं गच्छति ?

Does this bus go to Auroville ?

किं यानम् उषानगरीं गच्छति ?

Which bus goes to Auroville ?

उषानगरीं प्रति यानभाटकं कियत् ?

What is the bus-fare to Auroville ?

अयं मार्गः आश्रमं गच्छति ।

This road goes to the Ashram.

अपि रात्रिभोजनम् आरब्धम् ?

Has the dinner started ?

आपणः रुद्धः ।

The shop is closed.

अयं पादपः पुष्पितः ।

This plant has flowered.

किं सः मत्तः ?

Has he gone mad ?

गीतमेकं गीयताम् । कृपया गीतमेकं गाय/गायतु ।

Please sing a song.

किं गीतम् ?

What song ?

किमपि ।

Any.

तस्य अग्रजः आपणं चालयति ।

His elder brother is running a shop.

इदं चलचित्रम् अत्र सप्ताहत्रयम् अचलत् ।

This film ran here for three weeks.

सः दक्षिणनेत्रेण सम्यक् द्रष्टुं न शक्नोति ।

He can't see well with his right eye.

दूरदर्शने किं चलति/भवति ?

What is on the T.V. ?

दासमहाशयेन सह तव/भवतः/भवत्याः कः सम्बन्धः ?

How are you related to Mr. Das ?

विहारिका कथम् आसीत् ?

How was the picnic ?

वितन्तुकं वाद्यते/चलति ।

The radio is on.

दूरभाषः न चलति/कार्यं न करोति ।

The telephone is dead.

तस्य पुत्रः विद्यालये कथं पठति ?

How is his son getting along at school ?

अयं प्रसेवः तथा भारी यथा अहम् उत्थापयितुं न शक्नोमि ।

This bag is so heavy that I cannot lift it.

अपि सः तत्र अस्ति ?

Is he there ?

अपि त्वं क्रुद्धयसि मह्यम् ? अपि त्वं मयि कुपितः/कुपिता ?

Are you angry with me ?

त्वं किमर्थम् उच्चैः हससि ?

Why are you laughing loudly ?

तुभ्यं कतिवारं कथनीयम् ? त्वां कतिवारं कथयेयम् ?

How many times should I tell you ?

तेन/तया सह तव कः सम्बन्धः ?

How is he/she related to you ?

त्वं किम् इच्छसि ?

What do you want ?

कस्त्वाम् एतत् अकथयत् ?

Who told you this ?

त्वं कति होराः कार्यं करोषि ?

How many hours do you work ?

कुत्र यानं प्राप्तुं शक्यते/शक्नुयाम् ?

Where can I get a car ?

अत्र किं किं स्थानं दर्शनयोग्यम् ?

What are the places worth visiting here ?

त्वम् इदं कर्तुं शक्नोषि ?

Can you do this ?

कः एतत् कर्तुं शक्नोति ?

Who can do this ?

## DECLENSION

### *Words ending in अ*

In Sanskrit words ending in अ are the most common and they are inflected in the following way :

एषः श्यामः।	This is Shyam.
अहं श्यामं जानामि।	I know Shyam.
अहं श्यामेन सह आलपामि।	I am talking with Shyam.
अहं श्यामाय ददामि।	I give to Shyam.
अहं श्यामात् प्राप्नोमि।	I get from Shyam.
अहं श्यामस्य बन्धुः।	I am Shyam's friend.
अहं श्यामे विश्वासं करोमि।	I believe in Shyam.
हे श्याम ! अत्र आगच्छ।	© Shyam ! come here.

अयि गोपाल ! अपि जानासि ? रामचन्द्रस्य पुत्रः रमेशः विनायक-  
मन्दिरे विद्याधन-लाभाय गणेशं बाल्यकालात् पुष्पेण, धूपेन, मोदकेन  
पूजयति ।

कः पूजयति ? रमेशः पूजयति। रमेशः कः ? रमेशः रामचन्द्रस्य  
पुत्रः। रमेशः कं पूजयति ? रमेशः गणेशं पूजयति। रमेशः गणेशं कुत्र

(कस्मिन् स्थाने) पूजयति ? रमेशः गणेशं विनायक-मन्दिरे पूजयति।  
 रमेशः गणेशं किमर्थं पूजयति ? रमेशः गणेशं विद्याधन-लाभाय  
 पूजयति। रमेशः गणेशं कथं (केन द्रव्येण) पूजयति ? रमेशः गणेशं  
 पुष्पेण, धूपेन, मोदकेन पूजयति। रमेशः गणेशं कस्मात् कालात्  
 पूजयति ? रमेशः गणेशं बाल्यकालात् पूजयति।

अयि श्याम ! शृणु। अद्य मध्याह्ने गोपालस्य पुत्रः रामः क्षुधिताय  
 शङ्कराय फलं दातुं गोविन्द-गृहस्य छादात् तव आम्रवृक्षं दण्डेन  
 प्राहरत्।

कः प्राहरत् ? सः कस्य पुत्रः ? कः कं प्राहरत् ? कः कं केन  
 प्राहरत् ? कः कस्मै किं दातुम् आम्रवृक्षं प्राहरत् ? कः कस्मात्  
 स्थानात् कं प्राहरत् ? कः कस्मिन् समये कं प्राहरत् ?

उत्तरम् — रामः प्राहरत्। सः गोपालस्य पुत्रः। रामः आम्रवृक्षं  
 प्राहरत्। रामः आम्रवृक्षं दण्डेन प्राहरत्। रामः क्षुधिताय शङ्कराय फलं  
 दातुम् आम्रवृक्षं प्राहरत्। रामः गोविन्द-गृहस्य छादात् आम्रवृक्षं प्राहरत्।  
 रामः मध्याह्ने आम्रवृक्षं प्राहरत्।

*Translate into Sanskrit :*

1. This is my hand. 2. This is my right hand. 3. I am  
 holding my left hand with my right hand. 4. Do  
 something for my injured left hand. 5. There is a chalk in  
 my right hand. 6. See, the chalk is falling from my right  
 hand. 7. You do not know the skill of my right hand. 8. O  
 my dear hand, do not beat Shyam.

उत्तरम् — १. एषः मम हस्तः। २. एषः मम दक्षिणहस्तः। ३. अहं  
 दक्षिणहस्तेन वामहस्तं धरामि। ४. मम आहत-वामहस्ताय किमपि  
 कुरु। ५. मम दक्षिणहस्ते खटी अस्ति। ६. पश्य, मम दक्षिणहस्तात्

खटी पतति। ७. त्वं मम दक्षिणहस्तस्य कौशलं न जानासि। ८. हे मम प्रिय हस्त ! श्यामं मा ताडय।

### Words ending in आ

एषा गीता। अहं गीतां जानामि। अहं गीतया सह आलपामि। अहं गीतायै ददामि। अहं गीतायाः प्राप्नोमि। अहं गीतायाः बन्धुः। अहं गीतायां विश्वासं करोमि। हे गीते ! अत्र आगच्छ।

हे राधे ! तत्र पश्य। नृत्यकलायां निपुणा गीतायाः पुत्री नम्रता सीतया सह सङ्गीतशिक्षायै अतिथिशालायाः पाठशालां गच्छति।

का गच्छति ? नम्रता गच्छति। नम्रता का ? नम्रता गीतायाः पुत्री। गीता का ? गीता नम्रतायाः माता। नम्रता कुत्र गच्छति ? नम्रता पाठशालां गच्छति। नम्रता किमर्थं पाठशालां गच्छति ? नम्रता सङ्गीतशिक्षायै पाठशालां गच्छति। किं सा एकला पाठशालां गच्छति ? न, सा एकला न गच्छति। तर्हि सा केन सह गच्छति ? सा सीतया सह गच्छति। नम्रता कस्मात् स्थानात् कुत्र गच्छति ? नम्रता अतिथिशालायाः पाठशालां गच्छति। नम्रता कस्यां कलायां निपुणा ? नम्रता नृत्यकलायां निपुणा।

### Translate into Sanskrit :

1. This is my nose. 2. I am holding the nose. 3. I smell with my nose. 4. Today the condition of my nose is serious. 5. There is a terrible flow from my nose. 6. But I need no medicine for the nose. 7. There is a lot of mucus in my nose. 8. O my nose ! today you become all right.

उत्तरम् — १. एषा मम नासिका। २. अहं नासिकां धरामि। ३. अहं नासिकया जिघ्रामि। ४. अद्य मम नासिकायाः दशा शोचनीया। ५. मम नासिकायाः दुर्दम-स्त्रावः भवति। ६. किन्तु अहं नासिकायै औषधं न इच्छामि। ७. मम नासिकायां प्रचुर-सिङ्घाणम् अस्ति। ८. हे मम नासिके, अद्य त्वं स्वस्था भव।

*Fill in the blanks using the words in brackets.*

- (क) अयोध्या (सरयूनदी) ... तीरे अस्ति ।  
 (अयोध्या) ... राजा दशरथः ।  
 (दशरथः) ... चत्वारः पुत्राः सन्ति ।  
 (प्रथम) ... नाम रामः ।  
 (द्वितीय) ... नाम भरतः ।  
 (तृतीय) ... नाम लक्ष्मणः (चतुर्थ) ... च शत्रुघ्नः ।  
 रामः (कौशल्या) ... पुत्रः ।  
 भरतः (कैकेयी) ... पुत्रः ।  
 लक्ष्मणः शत्रुघ्नश्च (सुमित्रा) ... पुत्रौ ।  
 रावणः (कुम्भकर्ण) ... भ्राता ।  
 (ख) उग्रसेनः (मथुरा) ... राजा ।  
 कंसः (उग्रसेन) ... पुत्रः ।  
 देवकी (कंस) ... भगिनी ।  
 कृष्णः (देवकी) ... पुत्रः ।  
 वसुदेवः (देवकी) ... पतिः, (कृष्ण) ... पिता ।  
 अर्जुनः (कुन्ती) ... पुत्रः ।  
 सः (कृष्ण) ... (भगिनी) ... (सुभद्रा) ... पतिः ।  
 अभिमन्युः (सुभद्रा) ... पुत्रः ।

सः (उत्तरा) . . . पतिः ।

उत्तरा (विराड्राज) . . . पुत्री ।

उत्तरम् —

(क) सरयूनद्याः, अयोध्यायाः, दशरथस्य, प्रथमस्य, द्वितीयस्य, तृतीयस्य, चतुर्थस्य, कौशल्यायाः, कैकेय्याः, सुमित्रायाः, कुम्भकर्णस्य ।

(ख) मथुरायाः, उग्रसेनस्य, कंसस्य, देवक्याः, देवक्याः कृष्णस्य, कुन्त्याः, कृष्णस्य भगिन्याः सुभद्रायाः, सुभद्रायाः, उत्तरायाः, विराड्राजस्य ।

## PROVERBS

शुभस्य शीघ्रम् ।

The sooner the better.

गतस्य शोचना नास्ति ।

Let bygones be bygones.

फलेन परिचीयते ।

A tree is known by its fruit.

जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः ।

All that is born must die.

बुभुक्षितः किं न करोति पापम् ।

A hungry man knows no law.

शठे शाठ्यं समाचरेत् ।

Tit for tat.

अति सर्वत्र वर्जयेत् ।

Too much of anything is bad.

अङ्गारः शतधौतेन मलिनत्वं न मुञ्चति ।

Black will take no other hue.

कीर्तिर्यस्य स जीवति ।

Glory gives immortality.

कालस्य कुटिला गतिः ।

Time runs in a devious way.

सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्थं त्यजति पण्डितः ।

Better give the wool than the whole skin.

अकाले नियमो नास्ति । अभावे स्वभावो नष्टः ।

Necessity knows no law.

अतिपरिचयादवज्ञा ।

Familiarity breeds contempt.

अतिभक्तिश्चोरलक्षणम् ।

Too much courtesy, too much craft.

अल्पविद्या भयङ्करी ।

A little learning is a dangerous thing.

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।

Mother and motherland are superior to heaven.

मुण्डे मुण्डे मतिभिन्ना ।

Opinions differ.

भिन्नरुचिर्हि लोकः ।

Tastes differ.

स्वभावो दुरतिक्रमः ।

It is difficult to change one's nature.

परोपकारार्थमिदं शरीरम् ।

This body is meant for doing good to others.

विद्या ददाति विनयम् ।

Knowledge gives humility.

ज्ञानमेव शक्तिः ।

Knowledge is power.

ज्ञानस्याभरणं क्षमा ।

Forgiveness is an adornment of knowledge.

नानृतात् पातकं परम् ।

There is no greater sin than falsehood.

नास्ति ज्ञानात् परं सुखम् ।

Knowledge is the greatest happiness.

मौनिनः कलहो नास्ति ।

The silent man has no quarrel.

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् ।

The body is the principal instrument for the realisation of Dharma.

अजीर्णे भोजनं विषम् ।

Food taken in indigestion is poison.

अविद्याजीवनं शून्यम् ।

Life is empty without knowledge.

क्रोधः संसारबन्धनम् ।

Anger fetters the whole world.

क्षमातुल्यं तपो नास्ति ।

There is no askesis like forgiveness.

धर्मक्षयकरः क्रोधः ।

Anger destroys all virtue.

सर्वं सत्ये प्रतिष्ठितम् ।

All is founded on Truth.

का विद्या ऋवितां विना !

What is knowledge without poetry !

रामो द्विर्नाभिभाषते ।

Rama never speaks twice.

न मिथ्या ऋषिभाषितम् ।

The words of a seer never prove false.

# तृतीयोऽध्यायः

## १. सरल-संस्कृत-पाठ्यक्रमः

भारतीयाः संस्कृतस्य शिक्षणे, भाषणे लेखने च समर्थाः भवेयुः इति इदं लक्ष्यं पुरस्कृत्य अत्र ११ परिचालिताः । एते पाठाः दशभिः दिनैः समापनीयाः । अन्तिमं पाठद्वयम् एकेन दिनेन समाप्त्यम् । एषाम् अभ्यासार्थं प्रतिदिनं घण्टाद्वयं व्यापनीयम् । अस्य पाठ्यक्रमस्य अभ्यासाय कापि क्लेशा नास्ति । यः कोऽपि शिक्षितः भारतीयः यत्र कुत्रापि एषाम् अभ्यासं कर्तुं शक्नोति । आरम्भे विषयार्थं शब्दानाम् अर्थः निर्देशादिकं च आङ्ग्लभाषया प्रदत्तम् । एतत् सर्वं संस्कृते मातृभाषायां कथयितुं शक्यते ।

## अनुक्रमणिका

- (क) सर्वनामपदानां सामान्यव्यवहारः
- (ख) वर्तमानकाले प्रयोगः
- (ग) आज्ञार्थकप्रयोगः
- (घ) भविष्यत्काले प्रयोगः
- (ङ) तुमुन्प्रयोगः
- (च) क्त्वाप्रयोगः
- (छ) सर्वनामपदानां संज्ञापदानां च प्रथमा-षष्ठी-विभक्त्योः एकवचने बहुवचने च प्रयोगः ।
- (ज) सर्वनामपदानां संज्ञापदानां च द्वितीया-सप्तमी-विभक्त्योः एकवचने बहुवचने च प्रयोगः
- (झ) भूतकाले प्रयोगः ।
- (ञ) कर्मवाच्ये प्रयोगः ।
- (ट) क्तवतुप्रयोगः ।

## क) प्रथमः पाठः

संस्कृते विशेष्यपदानां सर्वनामपदानां च त्रीणि लिङ्गानि भवन्ति—पुंलिङ्गम् (एषः बालकः), स्त्रीलिङ्गम् (एषा बालिका), नपुंसकलिङ्गम् (एतत् पुष्पम्) ।

In Sanskrit nouns and pronouns have three genders: the masculine gender (एषः बालकः), the feminine gender (एषा बालिका) and the neuter gender (एतत् पुष्पम्) ।

सुप्रभातम् आर्य ! Good morning, Sir !

सुप्रभातं गोपाल ! Good morning, Gopal !

एषः कः (अस्ति) ? Who is this (boy/man) ?

एषः सुरेशः । This (boy/man) is Suresh.

एषः तव कः ? What is this (boy/man) to you ?

एषः मम भागिनेयः । He is my nephew.

त्वं तस्य कः (असि) ? What are you to him ?

अहं तस्य मातुलः (अस्मि) । I am his (maternal) uncle.

सः कः ? Who is he ?

सः मम बान्धवः । He is my relative.

तस्य नाम किम् ? What is his name ?

तस्य नाम रमेशः । His name is Ramesh.

सः स्वस्थः नास्ति (न अस्ति) । He is not well.

यूयं कुत्र गच्छथ ? Where are you (pl.) going ?

वयं चिकित्सालयं गच्छामः । We are going to the hospital.

सः चिकित्सालयं गच्छति<sup>१</sup> । He is going to the hospital.

त्वं कुत्र गच्छसि ? Where are you going ?

अपि त्वं चिकित्सालयं गच्छसि ? Are you going to the hospital ?

न, अहं विद्यालयं गच्छामि । No, I am going to the school.

Translate into Sanskrit—

This is my hand. This is my right hand. This is my left hand. This is my foot. This is my right foot. This is my left foot. This is my ear. This is my right ear. This is my left ear. This is my right side. This is my left side. This is our Ashram. This is our school. This is the first lesson.

Is Surendra your relative ? He is our teacher. He is going to the school. I am also going there. Where are you going ? Are you going to the Ashram ? Where is your Ashram ? Where is your school ?

Devendra is his brother-in-law. He is a student. I am also a student. He learns. You learn. I too learn. The teacher comes to the school daily. We come to the school daily. He is our friend and helper. He is not a task-master. We go to the Ashram daily. Do you go to the Ashram daily ? When do you go to the Ashram ? When do you go to the Ashram/school/office/shop/market ? What is your name ? Good day Ramesh ! Good night Suresh ! Good evening Devendra !

Now make similar sentences using the following vocabulary.

<sup>१</sup> सः गच्छति — He goes/is going.

त्वं गच्छसि — You go/are going.

अहं गच्छामि — I go/am going.

सः प्रतिदिनम् आश्रमं गच्छति । He goes to the Ashram daily.

अधुना सः आश्रमात् आगच्छति । Now he is coming from the Ashram.

त्वं कुतः विलम्बेन आगच्छसि ? Why are you coming late ? or Why do you come late ?

## VOCABULARY

Also अपि	Library पुस्तकालयः
And च	Lesson पाठः
Boy बालकः	Man जनः
Brother-in-law श्यालः	Market विपणिः (f.)
Daily प्रतिदिनम्	Our अस्माकम्
Ear कर्णः	Office कार्यालयः
First प्रथम	Right दक्षिण
Foot पादः	School विद्यालयः
Good day सुदिनम्	Shop आपणः
Good evening सुसायम्	Side पार्श्वः
Good night सुरात्रिः	Student छात्रः
Hand हस्तः	Task-master कर्माध्यक्षः
Left hand वामः हस्तः	Teacher शिक्षकः
Right hand दक्षिणः हस्तः	There तत्र
Helper सहायकः	Too अपि
Friend and helper सखा सहायकः च	Where कुत्र
Left वाम	When कदा
Learns (3rd per. sing.) पठति	

## (ख) द्वितीयः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson:

एषः मम हस्तः (अस्ति) । एषः मम दक्षिणः हस्तः । एषः मम वामः हस्तः । एषः मम पादः । एषः मम दक्षिणः पादः । एषः मम वामः पादः । एषः मम कर्णः । एषः मम दक्षिणः कर्णः । एषः मम वामः कर्णः । एषः मम दक्षिणः पार्श्वः । एषः मम वामः पार्श्वः । एषः अस्माकम् आश्रमः । एषः अस्माकं विद्यालयः । एषः प्रथमः पाठः ।

अपि सुरेन्द्रः तव बान्धवः ? सः अस्माकं शिक्षकः । सः विद्यालयं गच्छति । अहम् अपि तत्र गच्छामि । त्वं कुत्र गच्छसि ? अपि त्वम् आश्रमं गच्छसि ? कुत्र तव आश्रमः ? कुत्र तव विद्यालयः ?

देवेन्द्रः तस्य श्यालः । सः छात्रः । अहम् अपि छात्रः । सः पठति । त्वं पठसि । अहम् अपि पठामि । शिक्षकः प्रतिदिनं विद्यालयम् आगच्छति । वयं प्रतिदिनं विद्यालयम् आगच्छामः । सः अस्माकं सखा सहायकः च । सः कर्माध्यक्षः नास्ति । वयं प्रतिदिनम् आश्रमं गच्छामः । अपि त्वं प्रतिदिनम् आश्रमं गच्छसि ? त्वं कदा आश्रमं गच्छसि ? त्वं कदा आश्रमं/विद्यालयं/कार्यालयम्/आपणं/विपणिं गच्छसि ? तव नाम किम् ? सुदिनं रमेश ! सुरात्रिः सुरेश ! सुसायं देवेन्द्र !

## More sentences:

सः तव मातुलः, त्वं तस्य कः ? अहं तस्य भागिनेयः । सः तव शिक्षकः, त्वं तस्य कः ? अहं तस्य छात्रः । सः तव बान्धवः, त्वं तस्य कः ? अहम् अपि तस्य बान्धवः ।

त्वं मम छात्रः, अहं तव कः ? त्वं मम शिक्षकः । त्वं मम भागिनेयः, अहं तव कः ? त्वं मम मातुलः । त्वं मम बान्धवः, अहं तव कः ? त्वम् अपि मम बान्धवः । अहं तव सखा, त्वं मम कः ? त्वम् अपि मम सखा ।

अहं देवेन्द्रः, मम नाम किम् ? तव नाम देवेन्द्रः । सः रमेशः, तस्य नाम किम् ? तस्य नाम रमेशः ।

सुदिनं देवेन्द्र ! त्वं कुत्र गच्छसि ? अहं विपणिं गच्छामि । सः कः ? सः रमेशः, मम भागिनेयः । सः कुत्र गच्छति ? अपि सः विपणिं गच्छति ? न, सः विपणिं न गच्छति । सः आश्रमं गच्छति । त्वं कुत्र गच्छसि ? अहं पुस्तकालयं गच्छामि । अपि त्वं प्रतिदिनं पुस्तकालयं गच्छसि ? त्वं प्रतिदिनं कदा पुस्तकालयं गच्छसि ? अहं प्रतिदिनं सायं पुस्तकालयं गच्छामि ।

अहं विलम्बेन कार्यालयं<sup>१</sup> न आगच्छामि । एषः<sup>२</sup> कुतः विलम्बेन कार्यालयम् आगच्छति ? तत्र अस्माकं चिकित्सालयः । एषः अस्माकं कार्यालयः । त्वं कार्यालयं कदा आगच्छसि ? सः कार्यालयं कदा आगच्छति ?

यूयं कुत्र गच्छथ ? वयम् आश्रमं गच्छामः । अपि यूयं तत्र पठथ ? यूयं तत्र किं पठथ ? अपि यूयं तत्र संस्कृतं पठथ ? अधुना एषः न पठति । अहम् अपि न पठामि । त्वम् अपि न पठसि । अधुना वयं न पठामः । यूयं कदा पठथ ? वयं सायं पठामः ।

अहं पठामि ।	वयं पठामः ।	सः पठति	ते पठन्ति ।
त्वं पठसि ।	यूयं पठथ ।	एषः बालकः पठति ।	एते बालकाः पठन्ति ।
एषः पठति ।	एते पठन्ति ।	अयं छात्रः पठति ।	इमे छात्राः पठन्ति ।

अहं पठामि, लिखामि, वदामि, खेलामि, धावामि, गच्छामि, खादामि ।

I read, write, speak, play, run, go, eat.

त्वं पठसि, लिखसि, वदसि, खेलसि, धावसि, गच्छसि, खादसि ।

You read, write, speak, play, run, go, eat.

<sup>१</sup> When does the final म् of a word change into *anusvāra* ?

The final म् changes into *Anusvāra* if it is followed by a consonant, e. g., किं पठसि ?

म् does not change into *Anusvāra* if followed by a vowel or at the end of a sentence or if not followed by any letter, e. g. अहम् आश्रमं गच्छामि । तव नाम किम् ? पत्रम् । पुष्पम् । फलम् । जलम् ।

It is not wrong to use म् in all cases but it does not reflect a good style, e. g., किम् पठसि ? अहम् आश्रमम् गच्छामि ।

Never use (ँ) *Anusvāra* if the following word begins with a vowel.

<sup>२</sup> अयम् can be used in place of एषः । Now-a-days scholars make no difference between the two. So use अयम् in place of एषः in the sentences given previously and rewrite them.

सः पठति, लिखति, वदति, खेलति, धावति, गच्छति, खादति ।

He reads, writes, speaks, plays, runs, goes, eats.

एषः बालकः पठति, लिखति, वदति, खेलति, धावति, गच्छति, खादति ।

This boy reads, writes, speaks, plays, runs, goes, eats.

अयं छात्रः पठति, लिखति, वदति, खेलति, धावति, गच्छति, खादति ।

This student reads, writes, speaks, plays, runs, goes, eats.

मम बान्धवः पठति, लिखति, वदति, खेलति, धावति, गच्छति, खादति ।

My relative reads, writes, speaks, plays, runs, goes, eats.

वयं पठामः, लिखामः, वदामः, खेलामः, धावामः, गच्छामः, खादामः ।

We read, write, speak, play, run, go, eat.

यूयं पठथ, लिखथ, वदथ, खेलथ, धावथ, गच्छथ, खादथ ।

You (pl.) read, write, speak, play, run, go, eat.

एते बालकाः पठन्ति, लिखन्ति, वदन्ति, खेलन्ति, धावन्ति, गच्छन्ति, खादन्ति ।

These boys read, write, speak, play, run, go, eat.

इमे छात्राः पठन्ति, लिखन्ति, वदन्ति, खेलन्ति, धावन्ति, गच्छन्ति, खादन्ति ।

These students read, write, speak, play, run, go, eat.

मम बान्धवाः पठन्ति, लिखन्ति, वदन्ति, खेलन्ति, धावन्ति, गच्छन्ति, खादन्ति ।

My relatives read, write, speak, play, run, go, eat.

अद्यत्वे अहं त्वाम् अत्र न पश्यामि ! किं जातम् ? कुत्र वससि ?

Now-a-days I don't see you here ! What has happened ? Where do you live ?

अहम् अत्र न वसामि, अन्यत्र वसामि ।

I don't live here, I live elsewhere.

अन्यत्र कुत्र ?

Elsewhere where ?

अहं स्वमातुलस्य गृहे वसामि ।

I stay in my uncle's house.

तव मातुलगृहे कुत्र ?

Where is your uncle's house ?

त्वं राधेशं जानासि, नैवम् ? (न एवम्)

You know Radhesh, don't you ?

आम्, जानामि ।

Yes, I know.

यत्र राधेशः वसति तत्रैव (तत्र एव) मम मातुलस्य गृहम् ।

My uncle's house is just where Radhesh lives.

छात्राः पाठकक्षं प्रविशन्ति । ते वातायनानि उद्घाटयन्ति, वीजनं चालयन्ति, आसने उपविशन्ति, परस्परम् आलपन्ति हसन्ति च । यदा शिक्षकः पाठकक्षं प्रविशति तदा ते आसनात् उत्तिष्ठन्ति । यदा शिक्षकः आसने उपविशति तदा ते आसने उपविशन्ति । यदा शिक्षकः पाठयति तदा ते परस्परं न

आलपन्ति न वा हसन्ति । ते सावधानं शिक्षकस्य वचनं शृण्वन्ति । ते शिक्षकस्य आज्ञां पालयन्ति । ते पाठकक्षे कदापि कोलाहलं न कुर्वन्ति । यदा घर्मः न भवति तदा ते वीजनं न चालयन्ति । यदा ते पाठकक्षात् निर्गच्छन्ति तदा ते वातायनानि द्वारं च संवरन्ति ।

Students enter the class-room. They open the windows, put on the fan, take their seats, talk among themselves and laugh. When the teacher enters the class-room, (then) they get up from their seats. When the teacher takes his seat, then they take their seats. When the teacher teaches, they don't talk among themselves, nor do they laugh. They listen with attention to what the teacher says. They carry out the teacher's order. They never make noise in the class-room. When it is not hot, they don't put on the fan. When they get out of the class-room, they close the windows and the door.

सः प्रविशति । ते प्रविशन्ति । (enter)

सः जानाति । ते जानन्ति । (know)

सः शृणोति । ते शृण्वन्ति । (hear)

सः करोति । ते कुर्वन्ति । (do)

त्वं प्रविशसि । यूयं प्रविशथ ।

त्वं जानासि । यूयं जानीथ ।

त्वं शृणोषि । यूयं शृणुथ ।

त्वं करोषि । यूयं कुरुथ ।

अहं प्रविशामि । वयं प्रविशामः ।

अहं जानामि । वयं जानीमः ।

अहं शृणोमि । वयं शृणुमः/शृणुमः ।

अहं करोमि । वयं कुर्मः ।

मम अस्माकम्

तव युष्माकम्

माम् अस्मान्

त्वाम् युष्मान्

Translate into Sanskrit—

Where are you ? I am inside. Where is Rama ? Is he there ? No, he is not here. Where is he ? I don't know.

Where do you live ? Do you live in the town ? No, we don't live in the town, we live in the village. Who are these young men ? Why are they laughing ?

Do you read the Ramayana ? What is there in the Ramayana ? Do you speak Sanskrit ? Do they speak Sanskrit ? What are they doing there ? They are playing.

I run in the morning everyday. Do you run in the morning everyday ? What do you eat in the morning ? Do you drink milk in the morning ?

You don't know me. They don't know us. But we know you (pl.). Does he know you ? Yes, he knows me. No, he does not know me. Do you listen to music everyday ? When do you listen ? Where do you listen, at home or somewhere else ? When you listen to music who else is there ?

Why are you talking in the class-room when the teacher is teaching ? I always listen to the teacher with attention. There is no class now. We close the door and windows of our class-room. We go out of the class-room. Now we talk among ourselves freely.

Now make similar sentences using different persons and numbers with the verbs already given.

### NOTES

Evening सायम्	Music सङ्गीतम्
Sports-ground क्रीडाक्षेत्रम्	At home or somewhere else
I am inside अहम् अन्तरे अस्मि	गृहे वा अन्यत्र वा
Who are these young men ?	Then who else is there ?
इमे युवकाः के ?	तदा अन्यः कः तत्र भवति ?
In the town नगरे	Always सदा
In the village ग्रामे	Of our class-room स्वपाठकक्षस्य
Why किमर्थम्	We talk among ourselves freely
Do you drink milk ? अपि त्वं दुग्धं पिबसि ?	वयं परस्परं स्वच्छन्दम् आलपामः
But किन्तु	

#### (ग) तृतीयः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson :

त्वं कुत्र असि ? अहम् अन्तरे अस्मि । रामः कुत्र अस्ति ? अपि सः तत्र अस्ति ? न, सः अत्र नास्ति । सः कुत्र अस्ति ? अहं न जानामि ।

यूयं कुत्र वसथ ? अपि यूयं नगरे वसथ ? न, वयं नगरे न वसामः, वयं ग्रामे वसामः । इमे युवकाः के ? ते किमर्थं हसन्ति ?

अपि त्वं रामायणं पठसि ? रामायणे किम् अस्ति ? अपि त्वं संस्कृतं वदसि ? ते तत्र किं कुर्वन्ति ? ते खेलन्ति ।

अहं प्रतिदिनं प्रातः धावामि । अपि त्वं प्रतिदिनं प्रातः धावसि ? त्वं प्रातः किं खादसि ? अपि त्वं प्रातः दुग्धं पिबसि ?

त्वं मां न जानासि । ते अस्मान् न जानन्ति । किन्तु वयं युष्मान् जानीमः । अपि सः त्वां जानाति ? आम्, सः मां जानाति । न, सः मां न जानाति । अपि त्वं प्रतिदिनं सङ्गीतं शृणोषि ? त्वं कदा शृणोषि ? कुत्र शृणोषि — गृहे वा अन्यत्र वा ? त्वं यदा सङ्गीतं शृणोषि तदा अन्यः कः तत्र भवति ?

यदा शिक्षकः पाठयति तदा पाठकक्षे त्वं किमर्थम् आलपसि ? अहं सदा शिक्षकस्य वचनं सावधानं शृणोमि । अधुना पाठः न भवति । वयं स्वपाठकक्षस्य द्वारे वातायनानि च संवरामः । वयं पाठकक्षात् निर्गच्छामः । अधुना वयं परस्परं स्वच्छन्दम् आलपामः ।

Revision —

Do you understand the following sentences ?

अहं जगन्नाथः । त्वं पीताम्बरः । सः पुरुषोत्तमः । सा सावित्री ।

त्वं जगन्नाथः ? (अपि त्वं जगन्नाथः ?) न, अहं न जगन्नाथः । सः जगन्नाथः । त्वं कः ? अपि त्वं पीताम्बरः ? आम्, अहं पीताम्बरः । पुरुषोत्तमः कः ? त्वम् ? न अहम्, सः ।

सावित्री का ? अपि त्वं सावित्री ? न, अहं न सावित्री, सा सावित्री । त्वं का ? अहं दमयन्ती । अपि त्वम् उत्कलीया ? न, अहं न उत्कलीया, अहं बङ्गीया ।

एषा दमयन्ती । एषा न उत्कलीया । एषा बङ्गीया । एषः पीताम्बरः । एषः न बङ्गीयः, एषः उत्कलीयः ।

त्वं छात्रः । एषः छात्रः । एषा छात्रा । अहं छात्रः । सोऽपि छात्रः । वयं सर्वे छात्राः । वयं सर्वे अस्य विद्यालयस्य छात्राः ।

अहम् अत्र उपविशामि । त्वम् अत्र न उपविशसि । त्वं तत्र उपविशसि । त्वं रामस्य गोपालस्य च मध्ये उपविशसि । त्वं रामस्य वामपार्श्वे गोपालस्य च दक्षिणपार्श्वे उपविशसि । गोविन्दः कुत्र उपविशति ? सः तव मम च मध्ये उपविशति । सः मम सम्मुखे उपविशति । तस्य भ्राता मम पृष्ठतः उपविशति । सः यत्र उपविशति तत्र तव सखा अपि काले काले उपविशति ।

तव नाम किम् ? तस्य नाम किम् ? अस्य बालकस्य नाम किम् ? अस्याः बालिकायाः नाम किम् ? अपि तव नाम सुरेन्द्रः ? न, मम नाम रघुनाथः । कस्य नाम सुरेन्द्रः ? तस्य नाम सुरेन्द्रः । अपि तव नाम दमयन्ती ? न, मम नाम सावित्री । कस्याः नाम दमयन्ती ? तस्याः नाम दमयन्ती । अपि त्वं दमयन्ती ? आम्, अहं दमयन्ती ।

#### More sentences :

कुत्र युष्माकं विद्यालयः ? अस्माकं विद्यालयः आश्रमस्य सम्मुखे एव । तत्र यूयं किं किं कुरुथ ? तत्र वयं पठामः, लिखामः, खेलामः, गायामः वादयामः च । त्वं किं वादयसि ? अहं वंशीं वादयामि । अपि त्वं गोपालं जानासि ? आम्, जानामि । सः मम बान्धवः । सोऽपि वंशीं वादयति । अपि सः संस्कृतं पठति ? आम्, सः संस्कृतं पठति, लिखति वदति च । अपि यूयं सर्वे संस्कृतं पठथ, लिखथ वदथ च ? आम्, वयं सर्वे संस्कृतं पठामः, लिखामः वदामः च ।

त्वं कुत्र वससि—ग्रामे वा नगरे वा ? अहं ग्रामे वसामि । सः कुत्र वसति ? सः ग्रामे वसति । सा अपि ग्रामे वसति । तर्हि यूयं सर्वे ग्रामे वसथ ? आम्, वयं सर्वे ग्रामे वसामः । अपि यूयम् एकस्मिन् ग्रामे वसथ ? आम्, वयं सर्वे एकस्मिन् एव ग्रामे वसामः ।

भो बालक ! कुत्र गच्छसि ? Hello, my boy ! Where are you going ?

अहं क्रीडाक्षेत्रं गच्छामि । I am going to Sports-ground.

कुतः एकलः गच्छसि ? कुत्र तव सङ्गिनः ? Why are you going alone ? Where are your friends ?

ते अग्रे गच्छन्ति । They are going ahead.

तर्हि आगच्छ, मम द्विचक्रे उपविश । Then come, sit on my bicycle.

धन्यवादाः, अनुगृहीतोऽस्मि । Thanks. I am favoured.

### Exercises

#### 1. Fill in the blanks—

(क) सः आगच्छति ।	त्वम् अपि आगच्छ ।	(ख) अहं पठामि ।	त्वमपि पठ ।
सः उपविशति ।	त्वम् अपि उपविश ।	अहं लिखामि ।	त्वमपि . . .
सः चलति ।	त्वम् अपि चल ।	अहं वदामि ।	त्वमपि . . .
सः खेलति ।	त्वम् अपि . . .	अहं गच्छामि ।	त्वमपि . . .
सः धावति ।	त्वमपि . . .	अहं खादामि ।	त्वमपि . . .
सः क्रीडति ।	त्वमपि . . .	अहं पिबामि ।	त्वमपि . . .
सः पृच्छति ।	त्वमपि . . .	अहं तिष्ठामि ।	त्वमपि . . .

- (ग) अहं शिक्षकस्य आज्ञां पालयामि । त्वमपि शिक्षकस्य आज्ञां . . . ।  
 अहम् एतत् वातायनम् उद्घाटयामि । त्वं तत् वातायनम् . . . ।  
 अहम् एतत् द्वारं संवरामि । त्वं तत् द्वारं . . . ।  
 अहम् एतत् वातायनम् उपगच्छामि । त्वं तत् वातायनम् . . . ।  
 अहम् इतः निर्गच्छामि । त्वं ततः . . . ।  
 अहम् एतत् बीजनं चालयामि । त्वं तत् बीजनं . . . ।  
 अत्र कोऽपि न आलपति । अतः त्वमपि न . . . ।  
 अत्र कोऽपि न हसति । अतः त्वमपि न . . . ।  
 अत्र कोऽपि कोलाहलं न करोति । अतः त्वमपि कोलाहलं न . . . ।  
 वयं शिक्षकस्य वचनं सावधानं शृणुमः । त्वमपि शिक्षकस्य वचनं सावधानं . . . ।  
 वयं संस्कृतं जानीमः । त्वमपि संस्कृतं . . . ।

#### 2. Fill in the blanks—

(क) त्वं पठ ।	यूयं पठत ।	(ख) त्वम् आगच्छ ।	यूयम् आगच्छत ।
त्वं खेल ।	यूयं खेलत ।	त्वम् उपविश ।	यूयम् उपविशत ।
त्वं चल ।	यूयं . . .	त्वम् उत्तिष्ठ ।	यूयम् . . .
त्वं धाव ।	यूयं . . .	त्वम् उद्घाटय ।	यूयम् . . .
त्वं क्रीड ।	यूयं . . .	त्वं प्रविश ।	यूयम् . . .
त्वं गच्छ ।	यूयं . . .	त्वं संवर ।	यूयम् . . .
त्वं खाद ।	यूयं . . .	त्वं निर्गच्छ ।	यूयम् . . .
त्वं तिष्ठ ।	यूयं . . .	त्वम् आलप ।	यूयम् . . .
त्वं पृच्छ ।	यूयं . . .	त्वम् उपगच्छ ।	यूयम् . . .

- (ग) त्वं जानीहि । यूयं जानीत । त्वं शृणु । यूयं शृणुत । त्वं कुरु । यूयं . . . ।

Translate into Sanskrit—

Hello, Suresh ! get up. Come here. Gauranga, you too get up. Come here. See, Suresh is coming this way. You come that way. He comes by the right. You come by the left.

Suresh ! come here, come near. Why are you remaining at a distance ? Gauranga ! you too come near. Don't remain at a distance. Why do you feel shy ?

Now, go to that window. Walk a little faster. Why do you walk slowly like a tortoise ? Suresh ! see how he walks. Walk like him. You walk like an old man. There is no strength in your walking. Walk with strength. Wait there. Close that window. What are you doing ? Close it fully. Why are you closing it half. Look, there is still a gap. Close it properly. Don't leave any gap. All right, now come to your seat. Sit there.

Gauranga ! go to that window. Listen. Close the right wing fully and the left wing half. Go, do your work quickly.

Ramesh ! it is your turn now. Get up. Go to that door. What are you doing ? Are you walking or running ? Don't run. Now, close the right wing half and leave the left wing open. From there go to that window. Bolt it above and below. Then go to your chair. Thanks.

Now make similar sentences using different persons and numbers with the verbs already given.

### VOCABULARY

She सा

Her name तस्याः नाम

We all वयं सर्वे

Between Rama and Gopal रामस्य  
गोपालस्य च मध्ये

In front सम्मुखे

At the back पृष्ठतः

At times काले काले

We sing and play on a musical instru-  
ment. वयं गायामः वाद्यं च वादयामः ।

Flute वंशी

This way इतः

That way ततः

By the left वामतः

By the right दक्षिणतः

Come near. निकटम् आगच्छ ।

Don't remain at a distance. दूरे मा तिष्ठ ।

Why do you feel shy ? किमर्थं लज्जां  
करोषि ?

Go to that window. तत् वातायनम्  
उपगच्छ ।

Walk a little faster. किञ्चित् शीघ्रं चल ।

Why do you walk slowly like a  
tortoise ? कुतः कच्छपवत् मन्दं चलसि ?

How कथम्

Like him तद्वत्

Like an old man वृद्धवत्

In your walking तव चलने

Strength शक्तिः	Right wing दक्षिणकपाटम्
Walk with strength. शक्त्या चल ।	Do your work quickly. स्वकार्यं शीघ्रं कुरु ।
Wait there. तत्र तिष्ठ ।	Turn वारः
Close it fully. तत् पूर्णं संवर ।	Leave the left wing open. वामकपाटम् उद्घाटितमेव त्यज ।
Still there is a gap. अधुनापि अन्तरम् अस्ति ।	From there ततः
Close it properly. तत् सम्यक् संवर ।	Bolt it above and below. तत् उपरि नीचैः च अर्गलय ।
Don't leave any gap. अन्तरं मा त्यज ।	Then go to your chair. ततः स्वस्य उपधिम् उपगच्छ ।
All right साधु	
Come to your seat. स्वस्य आसनम् उपागच्छ ।	

#### (घ) चतुर्थः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson :

भोः सुरेश ! उत्तिष्ठ । अत्र आगच्छ । गौराङ्ग ! त्वम् अपि उत्तिष्ठ । अत्र आगच्छ । पश्य, सुरेशः इतः आगच्छति । त्वं ततः आगच्छ । सः दक्षिणतः आगच्छति । त्वं वामतः आगच्छ ।

सुरेश ! अत्र आगच्छ, निकटम् आगच्छ । कुतः त्वं दूरे तिष्ठसि ? गौराङ्ग ! त्वम् अपि निकटम् आगच्छ । दूरे मा तिष्ठ । किमर्थं लज्जां करोषि ?

अधुना त्वं तत् वातायनम् उपगच्छ । किञ्चित् शीघ्रं चल । कुतः कच्छपवत् मन्दं चलसि ? सुरेश ! पश्य, सः कथं चलति । तद्वत् चल । त्वं वृद्धवत् चलसि । तव चलने शक्तिः नास्ति । शक्त्या चल । तत्र तिष्ठ । तत् वातायनं संवर । त्वं किं करोषि ? तत् पूर्णं संवर । किमर्थं तत् अर्धं संवरसि ? पश्य, अधुनापि अन्तरम् अस्ति । तत् सम्यक् संवर । अन्तरं मा त्यज । साधु, अधुना स्वस्य आसनम् उपागच्छ । तत्र उपविश ।

गौराङ्ग ! त्वं तत् वातायनम् उपगच्छ । शृणु, दक्षिणकपाटं पूर्णं संवर वामकपाटं च अर्धम् । गच्छ, स्वकार्यं शीघ्रं कुरु ।

रमेश ! अधुना तव वारः । उत्तिष्ठ । तत् द्वारम् उपगच्छ । किं करोषि ? चलसि वा धावसि वा ? मा धाव । अधुना त्वं दक्षिणकपाटम् अर्धं संवर वामकपाटं च उद्घाटितमेव त्यज । ततः तत् वातायनम् उपगच्छ । तत् उपरि नीचैः च अर्गलय । ततः स्वस्य उपधिम् उपगच्छ । धन्यवादाः ।

अयि रमेश ! जानासि किम् आगामिवर्षे सञ्जयः अत्र न पठिष्यति ?

Hello Ramesh ! Do you know that next year Sanjay will not study here ?

किं ज्ञातम् ? सः कुत्र पठिष्यति ?

What happened ? Where will he study ?

भाग्यनगरे ।

In Hyderabad.

तस्य भ्रातरः ?

His brothers ?

ते अपि तत्र पठिष्यन्ति ।

They too will study there.

किमर्थम् ? Why ?

तेषां पिता आगामिवर्षे अत्र न स्थास्यति । सः भाग्यनगरे कार्यं करिष्यति । अतः सः तान् तत्र नेष्यति ।

Next year their father will not stay here. He will work in Hyderabad. So he will take them there.

तदा वयम् एकम् अन्तर्ङ्गं बन्धुं हारयिष्यामः ।

Then we shall lose a close friend.

आम्, मम अतीव दुःखं भविष्यति ।

Yes, I shall feel very sad.

ममापि ।

I too.

चिन्तां मा कुरु । सः तत्र नूतनबन्धून् प्राप्स्यति । अपि त्वम् अवकाशे गृहं गमिष्यसि ?

Don't worry. He will make new friends there. Will you go home during the vacation ?

आम्, गमिष्यामि ।

Yes, I shall go.

तव भ्रातरः ?

Your brothers ?

ते अपि गमिष्यन्ति । एतद्वारे वयं बहुषु स्थानेषु भ्रमिष्यामः, बहूनि तीर्थस्थलानि द्रक्ष्यामः ।

They too will go. This time we shall visit many places and see many centres of pilgrimage.

हन्त ! अहं गन्तुं न शक्यामि ।

Alas ! I shall not be able to go.

किन्तु अत्र स्थित्वा त्वं यत् अधिकं प्राप्स्यसि तत् वयं बहिर् न प्राप्स्यामः ।

But what you will get by staying here we shall not get outside.

आम्, तत् सत्यम् एव ।

Yes, that is true indeed.

यूयं कदा प्रत्यागमिष्यथ ?

When will you return ?

वयं मासात् परं प्रत्यागमिष्यामः ।

We shall return after a month.

अपि त्वं तत्र अस्मान् स्मरिष्यसि पत्रं च अस्मभ्यं लेखिष्यसि ?

Will you remember us there and write to us letters ?

आम्, अवश्यम् ।

Yes, of course.

त्वं श्रीनगरं गच्छसि चेत् मदर्थम् उष्णवस्त्राणि आनय ।

Bring me some warm clothes if you go to Srinagar.

वद, किं किम् आनेतव्यम् ?

Tell me all that I should bring.

त्वं मदर्थम् ऊर्णगलपट्टम्, स्वेदित्रं कम्बलं च आनय । अहं तुभ्यम् अत्र धनं दास्यामि ।  
मासात् परम् अत्र सत्यम् अत्यधिकं शीतं भविष्यति ।

Bring me a woollen muffler, a sweater and a blanket. I shall pay you here. After one month it will really be very cold here.

बाढम् । चल शीघ्रम्, अद्य खादिष्यसि न वा ?

All right. Hurry up, will you eat today or not ?

चल चल, विलम्बः चेत् सः कोपिष्यति ।

Come on. If we are late he will get angry.

अहम् अद्य गीतां पठामि ।

यूयम् अद्य गीतां पठथ ।

अहं श्वः गीतां पठिष्यामि ।

अपि यूयं श्वः गीतां पठिष्यथ ?

वयम् अद्य गीतां पठामः ।

सः अद्य खेलति ।

वयं श्वः गीतां पठिष्यामः ।

सः श्वः खेलिष्यति ।

त्वम् अद्य गीतां पठसि ।

ते अद्य खेलन्ति ।

अपि त्वं श्वः गीतां पठिष्यसि ?

ते श्वः खेलिष्यन्ति ।

एषः बालकः अद्य अत्र खेलति । एषः बालकः श्वः अन्यत्र खेलिष्यति । एते बालकाः अद्य अत्र खेलन्ति । एते बालकाः श्वः अन्यत्र खेलिष्यन्ति । अयं छात्रः अधुना अत्र पठति । अयं छात्रः किञ्चित्कालात् परम् अन्यत्र पठिष्यति । इमे छात्राः अधुना अत्र पठन्ति । इमे छात्राः किञ्चित्कालात् परम् अन्यत्र पठिष्यन्ति ।

### EXERCISES

Fill in the blanks—

१. (क) अहं पठामि । अहं पठिष्यामि ।

(ख) त्वं खेलसि । त्वं खेलिष्यसि ।

अहं वदामि । अहं . . .

त्वं खादसि । त्वं . . .

अहं धावामि । अहं . . .

त्वं जल्पसि । त्वं . . .

वयं पठामः । वयं पठिष्यामः ।

यूयं खेलथ । यूयं खेलिष्यथ ।

वयं वदामः । वयं . . .

यूयं खादथ । यूयं . . .

वयं धावामः । वयं . . .

यूयं जल्पथ । यूयं . . .

(ग) सः क्रीडति । सः क्रीडिष्यति ।  
 सः तरति । सः . . .  
 सः चलति । सः . . .  
 ते क्रीडन्ति । ते क्रीडिष्यन्ति ।  
 ते तरन्ति । ते . . .  
 ते चलन्ति । ते . . .

(घ) अहम् अधुना न स्मरामि । अहं परं . . . ।  
 सः अधुना न उद्घाटयति । सः परम्  
 . . . । त्वम् अधुना न विस्मरसि । त्वं परम्  
 अपि न . . . ।

२. (क) अहं श्वः अत्र न स्थास्यामि । अहं श्वः  
 रामेश्वरं गमिष्यामि । अपि त्वं श्वः अत्र  
 . . . । त्वं श्वः कुत्र . . . ? अपि सः  
 श्वः अत्र . . . ? सः श्वः कुत्र . . . ?  
 (ख) अहम् अद्य न जानामि । अहं श्वः ज्ञास्यामि ।  
 त्वम् अधुना न जानासि । त्वं परं . . . ।  
 सः अधुना जानाति । सः परं . . . ।

(ग) वयं तुभ्यं श्वः दास्यामः । ते तुभ्यं कदा  
 . . . ? यूयं तेभ्यः कदा . . . ?  
 (घ) वयम् अद्य नाटकं पश्यामः । वयं श्वः  
 चलचित्रं द्रक्ष्यामः । अपि यूयं श्वः  
 चलचित्रं . . . ? अपि ते श्वः चलचित्रं  
 . . . ?

३. Use अहम्, त्वम्, सः, एषः बालकः in the following sentences—

वयं श्वः राष्ट्रपतेः भाषणं श्रोष्यामः । अपि यूयं तस्य आङ्ग्लीभाषणं बोधिष्यथ ? एते बालकाः श्वः  
 मां बहून् प्रश्नान् प्रक्ष्वन्ति । ते श्वः अस्मभ्यं पानकं दास्यन्ति । अपि यूयं तत् पास्यथ ? यूयम् अद्य अत्र  
 स्थ । अपि यूयं श्वः अत्र भविष्यथ ?

Translate into Sanskrit—

Next month some of us will go to Hyderabad. From there we shall go to Bhubaneswar. In Bhubaneswar we shall visit the Lingaraj Temple. Then we shall go to Puri and Konark. Our leader will go to the Secretariat. He will speak to the Chief Minister in Sanskrit. He too will answer in Sanskrit. Then he will meet the Education Minister also. He will explain to him his idea of propagating Sanskrit. From there he will go to Delhi by plane. There he will meet the Prime Minister and the Education Minister. He will tell them that Sanskrit is a very simple language. It can bring about the cultural unity of our country. He will show them our Sanskrit publications. We hope that from the next academic session Sanskrit will be compulsory in all schools and colleges. All the Sanskrit teachers will teach through the medium of Sanskrit. Students will speak in Sanskrit. We shall be very happy. That will truly be a day of glory for India when the Indian Government will make Sanskrit the national language.

Now make similar sentences using different persons and numbers with the verbs already given.

## VOCABULARY

Today अद्य  
 Tomorrow श्वः  
 Day after tomorrow परश्वः  
 Now अधुना  
 Afterwards परम्  
 Drink पानकम्  
 After some time किञ्चित्कालात् परम्  
 Elsewhere अन्यत्र  
 Next month आगामिमासे  
 Some of us अस्मासु केचन  
 From there ततः  
 In Bhubaneswar we shall visit the  
 Lingaraj Temple. भुवनेश्वरे वयं लिङ्गराज-  
 मन्दिरं द्रक्ष्यामः ।  
 Leader नेता  
 Secretariat सचिवालयः  
 He will speak to the Chief Minister in  
 Sanskrit. सः मुख्यमन्त्रिणा सह संस्कृते  
 आलपिष्यति ।  
 He too will answer in Sanskrit. सः अपि  
 संस्कृते उत्तरयिष्यति ।  
 Then he will meet the Education  
 Minister. तत्परं सः शिक्षामन्त्रिणा सह

मेलिष्यति ।  
 He will explain to him his idea of  
 propagating Sanskrit. सः तस्मै संस्कृतस्य  
 प्रचारविषये स्वमतं प्रकाशयिष्यति ।  
 Delhi देहली  
 By plane विमानेन  
 Prime Minister प्रधानमन्त्री  
 It can bring about the cultural unity of  
 our country. एतत् अस्माकं राष्ट्रे सांस्कृतिकम्  
 ऐक्यं जनयितुं शक्नोति ।  
 He will show them सः तान् दर्शयिष्यति  
 Sanskrit publications संस्कृतप्रकाशनानि  
 We hope that from the next academic  
 session Sanskrit will be compulsory in  
 all schools and colleges. वयम् आशास्महे  
 यत् आगामिशिक्षासत्रात् संस्कृतं सर्वेषु विद्यालयेषु  
 महाविद्यालयेषु च अनिवार्यविषयः भविष्यति ।  
 Medium माध्यमम्  
 That will truly be a day of glory for India  
 when the Indian Government will make  
 Sanskrit the national language. तद् दिनं  
 सत्यं भारतवर्षाय गौरवमयदिनं भविष्यति यदा  
 भारतसर्वकारः संस्कृतं राष्ट्रभाषां करिष्यति ।

### (ङ) पञ्चमः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson:

आगामिमासे अस्मासु केचन भाग्यनगरं गमिष्यन्ति । ततः वयं भुवनेश्वरं गमिष्यामः । भुवनेश्वरे  
 वयं लिङ्गराजमन्दिरं द्रक्ष्यामः । तत्परं वयं पुरीं कोणार्कं च गमिष्यामः । अस्माकं नेता सचिवालयं  
 गमिष्यति । सः मुख्यमन्त्रिणा सह संस्कृते आलपिष्यति । सः अपि संस्कृते उत्तरयिष्यति । तत्परं सः  
 शिक्षामन्त्रिणा सहपि मेलिष्यति । सः तस्मै संस्कृतस्य प्रचारविषये स्वमतं प्रकाशयिष्यति । ततः सः  
 विमानेन देहलीं गमिष्यति । तत्र सः प्रधानमन्त्रिणा शिक्षामन्त्रिणा च सह मेलिष्यति । सः तौ  
 कथयिष्यति यत् संस्कृतम् अतिसरला भाषा । एतत् अस्माकं राष्ट्रे सांस्कृतिकम् ऐक्यं जनयितुं  
 शक्नोति । सः तौ अस्माकं संस्कृतप्रकाशनानि दर्शयिष्यति । वयम् आशास्महे यत् आगामिशिक्षा-

सत्रात् संस्कृतं सर्वेषु विद्यालयेषु महाविद्यालयेषु च अनिवार्यविषयः भविष्यति । सर्वे संस्कृतशिक्षकाः संस्कृतमाध्यमेन पाठयिष्यन्ति । छात्राः संस्कृते वदिष्यन्ति । तद् दिनं सत्यं भारतवर्षाय गौरवमयं भविष्यति यदा भारतसर्वकारः संस्कृतं राष्ट्रभाषां करिष्यति ।

अध्यापिका—गीते, त्वम् अधुना किं कर्तुम् इच्छसि ?

गीता—आर्ये, अहं श्लोकं लेखितुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—कल्पने, त्वम् ?

कल्पना—अहं गीतां पठितुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—राधिके, त्वं किं कर्तुम् इच्छसि ?

राधिका—अहं संस्कृते इन्द्रजालं द्रष्टुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—रमेश, तव का इच्छा ?

रमेशः—अहं शब्दनिर्माणखेलं खेलितुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—सुरेश, त्वम् ?

सुरेशः—आर्ये, अहं त्वया सह आलपितुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—कविते, त्वं किमपि कथयितुम् इच्छसि ?

कविता—नहि आर्ये, अहं किमपि कथयितुं न इच्छामि । अहं श्रोतुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—पश्यत, सा श्लोकं लेखितुम् इच्छति । एषा गीतां पठितुम् इच्छति । इयम् इन्द्रजालं द्रष्टुम् इच्छति । सः शब्दनिर्माणखेलं खेलितुम् इच्छति । एषः मया सह आलपितुम् इच्छति । कविता किमपि वदितुं न इच्छति । सा सर्वं श्रोतुम् इच्छति । वन्दने, त्वं किं कर्तुम् इच्छसि ?

वन्दना—आर्ये, अहं शीघ्रं गृहं गन्तुम् इच्छामि ।

अध्यापिका—किमर्थम् ? अस्माभिः सह स्थातुं न इच्छसि ?

वन्दना—न तथा । अद्य अस्माकं गृहे उत्सवः भवति । बहुविधानि मिष्टान्नानि निर्मायन्ते । अहं तानि आस्वादयितुम् इच्छामि । अतः मम मनः अत्र न रमते ।

अध्यापिका—यद्यपि वयं तानि मिष्टान्नानि प्राप्तुं न शक्नुमः तथापि तेषां नामानि तु ज्ञातुम् अर्हामः ।

वन्दना—आर्ये, क्षम्यताम् । अहं तेषां नामानि कथयितुं न शक्नोमि । अहं केवलं खादितुं जानामि ।

## EXERCISES

Fill in the blanks—

(क) सा अधुना भ्रमति । सा भ्रमितुम् इच्छति । वयं न तरामः । वयं . . . . .

सा न पठति । सा पठितुं न इच्छति । त्वं तेन सह न जल्पसि । त्वं . . . . .

सा न धावति । सा . . . . . अहं पानकं न पिबामि । अहं . . . . .

(ख) पानम् — पातुम् इच्छामि/शक्नोमि ।  
 ज्ञानम् — .....  
 दानम् — .....  
 स्थानम् — .....  
 स्नानम् — .....  
 गानम् — .....  
 ध्यानम् — .....

(ग) करणम् — कर्तुम् इच्छामि/शक्नोमि ।  
 धरणम् — .....  
 हरणम् — .....  
 मरणम् — .....  
 स्मरणम् — .....  
 अनुसरणम् — .....  
 अनुकरणम् — .....

Translate into Sanskrit—

A miser knows only how to accumulate money. He does not know to spend it in a wise way. A miser cannot give even a paisa to the beggars. He can neglect and forget everything but not his money. He wants to be richer and richer day by day. I can't understand his mentality. I don't want to give him anything nor do I wish to take anything from him. We want to ask him one day—why are you here upon earth ? To worship money ? I know, nobody can advise him and lead him on to the right path. How can any work be possible if one does not want to spend money ? If you want to live happily and die in peace, be generous. If you don't know how to open your heart to the Divine, He can never pour into your heart His Divine Grace.

### VOCABULARY

A miser knows only how to accumulate money. कृपणः धनं सङ्ग्रहीतुम् एव जानाति ।  
 To spend in a wise way विज्ञतया व्ययितुम् ।

A miser cannot give even a paisa to the beggars. कृपणः भिक्षुकेभ्यः पणम् अपि दातुं न शक्नोति ।

He can neglect and forget everything but not his money. सः सर्वम् उपेक्षितुं विस्मर्तुं च शक्नोति न तु स्वधनम् ।

He wants to be richer and richer day by day. स प्रतिदिनम् अधिकाधिकं धनवान् भवितुम् इच्छति ।

I can't understand his mentality. अहं तस्य मतिं बोद्धुं न शक्नोमि ।

To give him तस्मै दातुम् ।

I don't wish अहं न वाञ्छामि ।

To take from him तस्मात् ग्रहीतुम्

We want to ask him one day वयं तम् एकदा प्रष्टुम् इच्छामः ।

Upon earth पृथिव्याम्

To worship money ? धनम् आराधयितुम् ?

Nobody can advise him and lead him on to the right path. कोऽपि तम् उपदेष्टुं सन्मार्गेण नेतुं च न शक्नोति ।

How can any work be possible if one does not want to spend money ? यदि कोऽपि धनं व्ययितुं न इच्छेत् तर्हि किमपि कार्यं कथं कर्तुं शक्यम् ?

To live happily सुखेन जीवितुम्

To die in peace शान्त्या मर्तुम्

Be generous. उदारः भव ।

If you don't know how to open your heart to the Divine, He can never pour into your heart His Divine Grace. यदि त्वं भगवन्तं प्रति निजहृदयम् उद्घाटयितुं न जानासि तर्हि सः कदापि तव हृदये दिव्यकृपां वर्षितुं न शक्नोति ।

(च) षष्ठः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson:

कृपणः धनं सङ्ग्रहीतुम् एव जानाति । सः तत् विज्ञतया व्ययितुं न जानाति । कृपणः भिक्षुकेभ्यः प्रणम्य अपि दातुं न शक्नोति । सः सर्वम् उपेक्षितुं विस्मर्तुं च शक्नोति न तु स्वधनम् । सः प्रतिदिनम् अधिकाधिकं धनवान् भवितुम् इच्छति । अहं तस्य मतिं बोद्धुं न शक्नोमि । अहं तस्मै किमपि दातुं न इच्छामि न च तस्मात् किमपि ग्रहीतुं वाञ्छामि । वयं तम् एकदा प्रष्टुम् इच्छामः—त्वं पृथिव्यां किमर्थम् असि ? धनम् आराधयितुम् ? अहं जानामि, कोऽपि तम् उपदेष्टुं सन्मार्गेण नेतुं च न शक्नोति । यदि कोऽपि धनं व्ययितुं न इच्छेत् तर्हि किमपि कार्यं कथं कर्तुं शक्यम् ? यदि त्वं सुखेन जीवितुं शान्त्या मर्तुं च इच्छसि तर्हि उदारः भव । यदि त्वं भगवन्तं प्रति निजहृदयम् उद्घाटयितुं न जानासि तर्हि सः कदापि तव हृदये दिव्यकृपां वर्षितुं न शक्नोति ।

शिक्षकः कथां कथयति । कथां कथयित्वा सः श्लोकं पठति । श्लोकं पठित्वा सः कृष्णफलके लिखति । कृष्णफलके लिखित्वा सः तस्य अन्वयं करोति । अन्वयं कृत्वा सः अर्थं बोधयति । अर्थं बोधयित्वा सः प्रश्नान् पृच्छति । प्रश्नान् पृष्ट्वा उत्तरं च श्रुत्वा सः प्रसन्नः भवति । प्रसन्नः भूत्वा सः मां कथयति 'सेवकम् आहूय' इति ।

अहं कार्यालयं गत्वा, सेवकम् आहूय आगच्छामि । सः आगच्छति । आगत्य शिक्षकं प्रणमति । शिक्षकं प्रणम्य सः तस्य आदेशं प्रतीक्षते ।

शिक्षकः तस्मै धनं ददाति । धनं दत्त्वा सः तम् आदिशति 'मिष्टिकाम् आनय' इति । एवम् आदिश्य सः पुनः पाठनम् आरभते ।

सेवकः आपणं गच्छति । आपणं गत्वा सः मिष्टिकां क्रीणाति । मिष्टिकां क्रीत्वा, प्रसेवे स्थापयित्वा, विद्यालयम् आगत्य सः शिक्षकाय ददाति ।

शिक्षकः अस्मभ्यं मिष्टिकां वितरति । मिष्टिकां वितीर्य सः बहिर्गच्छति ।

वयं मिष्टिकां खादित्वा परस्परम् आलपामः । किञ्चित्कालम् आलप्य खेलितुं क्रीडाक्षेत्रं गच्छामः । क्रीडाक्षेत्रे खेलित्वा सायङ्काले गृहं प्रत्यागच्छामः । गृहं प्रत्यागत्य हस्तपादं प्रक्षाल्य, दुग्धं पीत्वा भगवन्तं च स्मृत्वा पठनाय उपविशामः । पठनाय उपविश्य एकाग्रमनसा होराद्वयं पठामः । पठनं समाप्य, भोजनं कृत्वा स्वपिमः । सुप्त्वा सुखस्वप्नान् पश्यामः । सुखस्वप्नान् दृष्ट्वा ब्राह्ममुहूर्ते उत्तिष्ठामः । ब्राह्ममुहूर्ते उत्थाय भगवन्तं स्मृत्वा दिनचर्यां पुनः प्रारभामहे ।

### NOTES

कथयित्वा after telling	व्रीणाति buys
अन्वयः prose order	प्रसेवः bag
प्रसन्नः भवति is pleased	वितरति distributes
सेवकः servant	हस्तपादं प्रक्षाल्य after washing hands and feet
आदेशं प्रतीक्षते waits for the order	होराद्वयम् two hours
मिष्टिका toffee	स्वप्निमः we sleep
एवम् आदिश्य ordering so	स्वदिनचर्या पुनः प्रारभामहे we start our daily routine again.
सः पाठनम् आरभते he begins teaching	
आपणः shop	

### EXERCISES

1. Fill in the blanks—

(क) चोरयति चोरयित्वा । पाठयति पाठयित्वा ।	(ख) धाव् धावति धावित्वा
ताडयति . . . चिन्तयति . . .	बल् . . . . .
पीडयति . . . धारयति . . .	क्रीड् . . . . .
प्रेषयति . . . बोधयति . . .	पत् . . . . .
सूचयति . . . दर्शयति . . .	हस् . . . . .
स्थापयति . . . श्रावयति . . .	जल्प् . . . . .
यापयति . . . वादयति . . .	खेल् . . . . .

2. Read the following words carefully and bear them in mind.

स्ना	स्नाति	स्नात्वा	ग्रह्	गृह्णाति	गृहीत्वा
धृ	धरति	धृत्वा	वद्	वदति	उदित्वा
श्रु	शृणोति	श्रुत्वा	वस्	वसति	उषित्वा
ज्ञा	जानाति	ज्ञात्वा	वह्	वहति	ऊढ्वा
स्पृश्	स्पृशति	स्पृष्ट्वा	गै	गायति	गीत्वा
प्रच्छ्	पृच्छति	पृष्ट्वा	षा	पिबति	पीत्वा
बन्ध्	बध्नाति	बद्ध्वा	ध्यै	ध्यायति	ध्यात्वा

प्र, परा, अप, सम्, अनु, अव, निस्, निर, दुस्, दुर्, वि, आ (आङ्), नि, अन्धि, अपि, अति, सु, उद्, अभि, प्रति, परि, उप इति इमे उपसर्गाः (prefixes) कथ्यन्ते । If these prefixes are placed before the roots then 'त्वा' changes into 'य', e.g.

नम्	नमति	नत्वा	जि	जयति	जित्वा
प्र-नम्	प्रणमति	प्रणम्य/प्रणत्य	वि-जि	विजयते	विजित्य
गम्	गच्छति	गत्वा	कृ	करोति	कृत्वा
आ-गम्	आगच्छति	आगम्य/आगत्य	अनु-कृ	अनुकरोति	अनुकृत्य
दिश्	दिशति	दिष्ट्वा	सृ	सरति	सृत्वा
आ-दिश्	आदिशति	आदिश्य	अनु-सृ	अनुसरति	अनुसृत्य
विश्	विशति	विष्ट्वा	ह	हरति	हत्वा
प्र-विश्	प्रविशति	प्रविश्य	अप-ह	अपहरति	अपहृत्य
उप-विश्	उपविशति	उपविश्य	स्मृ	स्मरति	स्मृत्वा
आप्	आप्नोति	आप्त्वा	वि-स्मृ	विस्मरति	विस्मृत्य
प्र-आप्	प्राप्नोति	प्राप्य	भू	भवति	भूत्वा
सम्-आप्	समाप्नोति	समाप्य	अनु-भू	अनुभवति	अनुभूय
क्षिप्	क्षिपति	क्षिप्त्वा	स्था	तिष्ठति	स्थित्वा
नि-क्षिप्	निक्षिपति	निक्षिप्य	उद्-स्था	उत्तिष्ठति	उत्थाय
त्यज्	त्यजति	त्यक्त्वा	दा	ददाति	दत्त्वा
परि-त्यज्	परित्यजति	परित्यज्य	आ-दा	आददाति	आदाय
भुज्	भुङ्क्ते	भुक्त्वा	नी	नयति	नीत्वा
उप-भुज्	उपभुङ्क्ते	उपभुज्य	आ-नी	आनयति	आनीय
ईक्ष्	ईक्षते	ईक्षित्वा	क्री	क्रीणाति	क्रीत्वा
परि-ईक्ष्	परीक्षते	परीक्ष्य	वि-क्री	विक्रीणाति	विक्रीय
बुध्	बुध्यते	बुद्ध्वा	तृ	तरति	तीर्त्वा
अव-बुध्	अवबुध्यते	अवबुध्य	उद्-तृ	उत्तरति	उत्तीर्य

Translate into Sanskrit—

The thief steals and runs away. The policeman catches him and beats him right and left. He takes him to the court and presents him before the magistrate who sends him to the jail for two years. Wearing blue shorts and shirt he works hard there. After spending two years he comes back home. People see him and ask him many questions. He hears their questions but does not answer.

He goes to the temple and offers puja to the Goddess. Being pleased, She appears before him. Placing Her hand on his head She says, "My child, arise, ask for a boon."

Holding Her feet tightly the thief cries bitterly and prays to Her to make him Her devotee for all lives to come. The Goddess says, "Let it be so" and disappears immediately.

After getting Her Darshan, which is rare even to the gods, he changes. He comes back home and becomes dear to all. Doing good to all he becomes dear

even to the gods. Getting boons from them he goes to heaven after his death. Residing there for a long time he is born in a holy and prosperous family. After studying the Shastras and the Puranas, he practises Yoga and realises the Divine.

### VOCABULARY

The thief steals and runs away. चोरः चोरयित्वा पलायते ।

The policeman catches him and beats him right and left. रक्षिपुरुषः तं धृत्वा भृशं ताडयति ।

Court न्यायालयः

Presents him before the magistrate तं न्यायाधीशस्य समक्षम् उपस्थापयति ।

Jail कारागारम्

Wearing blue shorts and shirt he works hard there. नीलम् ऊरुकं युतकं च धारयित्वा सः तत्र कठिनं श्रमं करोति ।

Comes back प्रत्यागच्छति

People जनाः

Does not answer किमपि न उत्तरयति

Temple मन्दिरम्

Offers puja to the Goddess देवीं पूजयति

Being pleased, She appears before him. प्रसन्ना भूत्वा सा तस्य समक्षम् आविर्भवति ।

My child, arise, ask for a boon. वत्स ! उत्तिष्ठ, वरं वृणीष्व ।

Holding Her feet tightly the thief cries bitterly and prays to Her to make him

Her devotee for all lives to come. तस्याः पादौ दृढं धृत्वा सः करुणं क्रन्दति प्रार्थयते च अहं जन्मजन्मान्तरेषु तव भक्तः भवेयम् इति ।

The Goddess says, "Let it be so" and disappears immediately. "तथास्तु" इति उक्त्वा देवी अन्तर्हिता भवति ।

After getting Her Darshan, which is rare even to the gods, he changes. देवानाम् अपि दुर्लभं तस्याः दर्शनं प्राप्य सः परिवर्तते ।

Becomes dear to all सर्वेषां प्रियः भवति Doing good to all he becomes dear even to the gods. सर्वेषां मङ्गलं कृत्वा सः देवानाम् अपि प्रियः भवति ।

Residing there for a long time he is born in a holy and prosperous family. तत्र बहुकालम् उषित्वा सः शुचीनां श्रीमतां गेहे जायते ।

After studying the Shastras and the Puranas, he practises Yoga and realises the Divine. शास्त्राणि पुराणानि च अधीत्य सः योगाभ्यासं करोति भगवन्तं च उपलभते ।

(छ) सप्तमः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson:

चोरः चोरयित्वा पलायते । रक्षिपुरुषः तं धृत्वा भृशं ताडयति । सः तं न्यायालयं नयति न्यायाधीशस्य समक्षम् उपस्थापयति च । न्यायाधीशः तं वर्षद्वयार्थं कारागारं प्रेषयति । नीलम् ऊरुकं युतकं च धारयित्वा सः तत्र कठिनं श्रमं करोति । वर्षद्वयं तत्र यापयित्वा सः गृहं प्रत्यागच्छति । जनाः

तं दृष्ट्वा बहून् प्रश्नान् पृच्छन्ति । सः तेषां प्रश्नान् श्रुत्वा किमपि न उत्तरयति ।

सः मन्दिरं गत्वा देवीं पूजयति । प्रसन्ना भूत्वा सा तस्य समक्षम् आविर्भवति । सा स्वहस्तं तस्य मस्तके स्थापयित्वा वदति, “वत्स ! उत्तिष्ठ, वरं वृणीष्व ।”

तस्याः पादौ दृढं धृत्वा सः करुणं क्रन्दति प्रार्थयते च अहं जन्मजन्मान्तरेषु तव भक्तः भवेयम् इति । “तथास्तु” इति उक्त्वा देवी तत्क्षणम् अन्तर्हिता भवति ।

देवानाम् अपि दुर्लभं तस्याः दर्शनं प्राप्य सः परिवर्तते । गृहं प्रत्यागत्य सः सर्वेषां प्रियः भवति । सर्वेषां मङ्गलं कृत्वा सः देवानाम् अपि प्रियः भवति । तेभ्यः वरान् प्राप्य सः मृत्योः परं स्वर्गं गच्छति । तत्र बहुकालम् उषित्वा सः शुचीनां श्रीमतां गेहे जायते । शास्त्राणि पुराणानि च अधीत्य सः योगाभ्यासं करोति भगवन्तं च उपलभते ।

### एकवचनम् (Singular)

पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	नपुंसकलिङ्गे
सः	सा	तत्, तद्
एषः*	एषा	एतत्, एतद्
अयम्	इयम्	इदम्
छात्रः	छात्रा	फलम्
शिक्षकः	शिक्षिका	पुस्तकम्
भवान्	भवती	

एषः मम हस्तः । एषा मम नासिका । एतत् मम नेत्रम् । अयं मम पादः । इयं मम जिह्वा । इदं मम मुखम् । एषः अस्माकं विद्यालयः । एषा अस्माकं पाठशाला । एतत् अस्माकं विद्यापीठम् । सः कः ? सा का ? तत् किम् ? भवान् कः ? अहं शङ्करः । भवती का ? अहं सावित्री । एतत् किम् ? एतत् मम करवस्त्रम् ।

### बहुवचनम् (Plural)

पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	नपुंसकलिङ्गे
ते	ताः	तानि
एते	एताः	एतानि
इमे	इमाः	इमानि
छात्राः	छात्राः	फलानि
शिक्षकाः	शिक्षिकाः	पुस्तकानि
भवन्तः	भवत्यः	

इमे पादपाः । इमाः कलिकाः । इमानि पुष्पाणि । एते मम दन्ताः । एताः मम पर्शुकाः । एतानि मम नखानि । इमे शिक्षकाः । इमाः शिक्षिकाः । इमानि पुस्तकानि । भवन्तः के ? वयम् अस्य आश्रमस्य साधकाः । भवत्यः काः ? वयम् अस्य आश्रमस्य साधिकाः ।

\* Now-a-days scholars make no difference between the words एषः, अयम्; एषा इयम्; एतत् इदम् meaning 'this'.

Rewrite these sentences in singular number, e.g., अयं पादपः । इयं कलिका । इदं पुष्पम् । एषः मम दन्तः । एषा मम . . .

एकवचनम्

पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	नपुंसकलिङ्गे
तस्य	तस्याः	तस्य
एतस्य	एतस्याः	एतस्य
अस्य	अस्याः	अस्य
छात्रस्य	छात्रायाः	फलस्य
शिक्षकस्य	शिक्षिकायाः	पुस्तकस्य
भवतः	भवत्याः	

अहं माधवः । मम नाम माधवः । त्वं माधुरी । तव नाम माधुरी । सः सुरेशः । तस्य नाम सुरेशः । सा गीता । तस्याः नाम गीता । अयं बालकः कः ? अस्य बालकस्य नाम किम् ? इयं बालिका का ? अस्याः बालिकायाः नाम किम् ? इदं पुष्पं किम् ? अस्य पुष्पस्य नाम किम् ? भवान् कः ? भवतः नाम किम् ? भवती का ? भवत्याः नाम किम् ?

बहुवचनम्

पुंलिङ्गे	स्त्रीलिङ्गे	नपुंसकलिङ्गे
तेषाम्	तासाम्	तेषाम्
एतेषाम्	एतासाम्	एतेषाम्
एषाम्	आसाम्	एषाम्
छात्राणाम्	छात्राणाम्	फलानाम्
शिक्षकाणाम्	शिक्षिकाणाम्	पुस्तकानाम्
बालकानाम्	बालिकानाम्	चित्राणाम्
भवताम्	भवतीनाम्	

ते के ? तेषां निवासः कुत्र ? ताः काः ? तासां जन्मस्थानं कुत्र ? एते बालकाः के ? एतेषां बालकानां परिचयः कः ? एताः बालिकाः काः ? एतासां बालिकानां परिचयः कः ? इमे युवकाः के ? एषां युवकानां मातृभाषा का ? इमाः युवत्यः काः ? आसां युवतीनां मातृभाषा का ? एतानि फलानि कानि ? एतेषां फलानां नामानि कानि ? भवन्तः के ? भवतां पत्रसङ्केतः कः ? भवत्यः काः ? भवतीनां पत्रसङ्केतः कः ? —एतानि वाक्यानि एकवचने लिख । यथा, सः कः ? तस्य निवासः कुत्र ? सा का ? तस्याः जन्मस्थानं कुत्र ? . . .

## EXERCISES

Fill in the blanks—

१. (क)	सः	सा	तस्य	तस्याः
	एषः	...	...	...
	कः	...	...	...
	यः	...	...	...
	सर्वः	...	...	...
	अयम्	...	...	...
	भवान्	...	...	...
	साधकः	...	...	...
	गायकः	...	...	...
(ख)	ते	ताः	तेषाम्	तासाम्
	एते	...	...	...
	के	...	...	...
	ये	...	...	...
	सर्वे	...	...	...
	इमे	...	...	...
	भवन्तः	...	...	...
	साधकाः	...	...	...
	गायकाः	...	...	...
२. (क)	सीता	सीतायाः	गीता	गीतायाः
	उमा	...	गङ्गा	...
	यमुना	...	अयोध्या	...
(ख)	भवती	भवत्याः	पार्वती	पार्वत्याः
	देवी	...	नदी	...
	भगिनी	...	जननी	...
	पत्नी	...	पुत्री	...
	गोदावरी	...	सरस्वती	...
(ग)	पिता	पितुः	माता	मातुः
	भ्राता	...	स्वसा	...
	जामाता	...	दुहिता	...
	दाता	...	ग्रहीता	...
	वक्ता	...	श्रोता	...
	विक्रेता	...	नियन्ता	...

—एतेषां बहुवचन-रूपाणि लिख । यथा, पिता—पितॄणाम्, माता—मातॄणाम् . . .

३. (क) साधुः	साधोः	साधूनाम्	(ख) गुरुः	गुरोः	गुरूणाम्
धेनुः	...	...	तरुः	...	...
रज्जुः	...	...	भीरुः	...	...
दस्युः	...	...	रिपुः	...	...
पिपासुः	...	...	डमरुः	...	...
जिज्ञासुः	...	...	शत्रुः	...	...

Translate into Sanskrit—

He is my father. She is my mother. They are my relatives. What is the name of your father ? What is the name of your mother ? What are the names of your relatives ? What is the name of your school/Sanskrit teacher ?

We are Indians. India is our Motherland. Mother India is, indeed, a living Goddess. We are her sons and daughters.

India is a chosen country of God. She is the spiritual Guru of the world. She has a great culture and literature. But at present she is divided and in chaos. This is, of course, a man-made condition. This will disappear. India will be united once again. The Mother says, "When India will be one, she will have spontaneously a language understood by all." What is that language ? What do we do for its upliftment ?

(ज) अष्टमः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson:

सः मम पिता । सा मम माता । ते मम बान्धवाः । तव पितुः नाम किम् ? तव मातुः नाम किम् ? तव बान्धवानां नामानि कानि ? तव विद्यालयस्य/संस्कृतशिक्षकस्य नाम किम् ?

वयं भारतीयाः । भारतम् अस्माकं मातृभूमिः । भारतमाता खलु मूर्तिमती देवी । वयं तस्याः पुत्राः पुत्र्यश्च ।

भारतवर्षः भगवतः प्रियतम-देशः । सः पृथिव्याः अध्यात्मगुरुः । तस्य संस्कृतिः साहित्यं च महनीये । किन्तु साम्प्रतं सः विभक्तः अस्तव्यस्तश्च । अवश्यम् इयं मानवसृष्टा अवस्था । इयम् अन्तर्धास्यते । भारतवर्षः पुनः एकत्वं प्राप्स्यति । श्रीमाता कथयति, "यदा भारतवर्षः एकः भविष्यति तदा तस्य स्वतः कापि भाषा भविष्यति या सर्वैः बोधिष्यते ।" का सा भाषा ? तस्याः उन्नतये वयं किं कुर्मः ?

## Accusative Case—to

कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०	कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
(अहम्)	माम्	अस्मान्	(बालिका)	बालिकाम्	बालिकाः
(त्वम्)	त्वाम्	युष्मान्	(इयम्)	इमाम्	इमाः
(सः)	तम्	तान्	(इदम्)	इदम्	इमानि
(कः)	कम्	कान्	(तत्)	तत्	तानि
(एषः)	एतम्	एतान्	(एतत्)	एतत्	एतानि
(बालकः)	बालकम्	बालकान्	(नाम)	नाम	नामानि
(अयम्)	इमम्	इमान्	(जन्म)	जन्म	जन्मानि
(सा)	ताम्	ताः	(कर्म)	कर्म	कर्माणि
(का)	काम्	काः	(वस्तु)	वस्तु	वस्तूनि
(एषा)	एताम्	एताः			

अहं त्वां जानामि । त्वं मां न जानासि । वयं युष्मान् बहुकालात् जानीमः । यूयम् अस्मान् अद्य जानीथ । अहं तव पितरम्, मातरं भ्रातरं च जानामि । त्वं मम पितरम्, मातरं भ्रातरं च जानासि किम् ?

सः कः ? अहं तम् अत्र प्रथमवारं पश्यामि । ते के ? वयं तान् अत्र प्रथमवारं पश्यामः । सा मम भगिनी । अहं तां प्रतिदिनं श्लोकं शिक्षयामि । शिक्षकः सर्वान् बालकान् सर्वाः बालिकाः च बहून् प्रश्नान् पृच्छति । तेषाम् उत्तराणि श्रुत्वा सः पाठनार्थम् अन्यं वर्गं गच्छति । मेधाविनं विद्यार्थिनं प्रति शिक्षकस्य स्नेहः स्वभावतः अधिकः भवति । तस्य नाम सः कदापि न विस्मरति ।

## EXERCISES

Fill in the blanks—

प्रातिपदिकम्	कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
(मेधाविन्)	मेधावी	मेधाविनम्	मेधाविनः
(विद्यार्थिन्)	विद्यार्थी	विद्यार्थिनम्	विद्यार्थिनः
(धनिन्)	धनी	धनिनम्	धनिनः
(ज्ञानिन्)	...	...	...
(गुणिन्)	...	...	...
(तपस्विन्)	...	...	...
(योगिन्)	...	...	...
(प्रतिवेशिन्)	...	...	...
(हस्तिन्)	...	...	...

प्रातिपदिकम्	कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
(पक्षिन्)	पक्षी	पक्षिणम्	पक्षिणः
(साक्षिन्)	...	...	...
(रोगिन्)	...	...	...
(मन्त्रिन्)	...	...	...
(परिश्रमिन्)	...	...	...
(उपकारिन्)	...	...	...
(देशद्रोहिन्)	...	...	...
(दुराचारिन्)	...	...	...
(मनीषिन्)	...	...	...
(पितृ)	पिता	पितरम्	पितॄन्
(भ्रातृ)	...	...	...
(मातृ)	...	...	मातृः
(दातृ)	...	दातारम्	दातॄन्
(जामातृ)	...	...	...
(स्वसृ)	...	...	स्वसृः
(दुहितृ)	...	...	...

अवधेयम् — अत्र द्वितीयाबहुवचनस्य अन्तिमः 'न्' इति वर्णः पुल्लिङ्गसूचकः विसर्गश्च स्त्रीलिङ्ग-सूचकः ।

ह्रस्वस्वरान्तशब्दं दीर्घस्वरान्तं कृत्वा, स च पुल्लिङ्गः चेत् 'न्' इति वर्णम्, स्त्रीलिङ्गः चेत् विसर्गं योजयित्वा द्वितीयाबहुवचनरूपं रचय । तद्यथा, नरः — नरान् । मुनिः — मुनीन् । साधुः — साधून् । यष्टिः — यष्टीः । धेनुः — धेनूः । माला — मालाः । नदी — नदीः । वधूः — वधूः ।

#### पुल्लिङ्गे ह्रस्वस्वरान्तशब्दाः

प्रातिपदिकम्	कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
(जन)	जनः	जनम्	जनान्
(प्रश्न)	...	...	...
(ऋषि)	...	...	...
(नृपति)	...	...	...
(गिरि)	...	...	...
(वारिधि)	...	...	...
(प्रतिनिधि)	...	...	...
(गुरु)	...	...	...
(शिशु)	...	...	...

प्रातिपदिकम्	कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
(बन्धु)	...	...	...
(रिपु)	...	...	...
(दस्यु)	...	...	...
(पशु)	...	...	...
(पिपासु)	...	...	...
(जिज्ञासु)	...	...	...

कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
अयं छात्रः	इमं छात्रम्	इमान् छात्रान्
अयम् अध्यापकः	...	...
अयं मुनिः	...	...
एषः अतिथिः	...	...
सः साधुः	...	...

## स्त्रीलिङ्गे दीर्घस्वरान्तशब्दाः

कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०	कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
(बाला)	बालाम्	बालाः	(शाखा)	...	...
(शिला)	...	...	(नदी)	...	...
(तारा)	...	...	(टिप्पणी)	...	...
(होरा)	...	...	(भवती)	...	...
(द्राक्षा)	...	...	(वधू)	...	...
(रोटिका)	...	...	(श्वश्रू)	...	...

कर्ता	द्वितीया-एक०	द्वितीया-बहु०
इयं माला	इमां मालाम्	इमाः मालाः
इयं सञ्चिका	...	...
इयम् अङ्कनी	...	...
सा टोपिका	...	...
एषा छुरिका	...	...
सा लेखनी	...	...

Locative Case—in, at, on, over.

कर्ता	सप्तमी-एक०	सप्तमी-बहु०
(अहम्)	मयि	अस्मासु
(त्वम्)	त्वयि	युष्मासु
(सः, तत्)	तस्मिन्	तेषु
(कः, किम्)	कस्मिन्	केषु
(एषः, एतत्)	एतस्मिन्	एतेषु
(अयम्, इदम्)	अस्मिन्	एषु
(बालकः)	बालके	बालकेषु
(पुस्तकम्)	पुस्तके	पुस्तकेषु
(सा)	तस्याम्	तासु
(का)	कस्याम्	कासु
(एषा)	एतस्याम्	एतासु
(इयम्)	अस्याम्	आसु
(बालिका)	बालिकायाम्	बालिकासु

त्वयि, मयि, तस्मिन् बालके, अस्मिन् साधके, तस्यां बालिकायाम् अस्यां साधिकायां च भगवदुपलब्ध्ये, जीवनस्य दिव्यरूपान्तरार्थं च आस्पृहा वर्तते । अतः वयम् अत्र स्मः । युष्मासु, अस्मासु, तेषु बालकेषु, एषु साधकेषु, तासु बालिकासु आसु साधिकासु च बहवः दिव्यचेतनायाः स्पर्शं प्राप्तवन्तः । अतः सांसारिक-जीवनयापने अस्माकं प्रवृत्तिः न जायते ।

अस्माकम् आश्रमे प्रायः द्विसहस्रम् अन्तेवासिनः सन्ति । इयं खलु एका विचित्रप्रयोगशाला । अस्यां प्रयोगशालायां पृथिव्याः सर्वासां प्रकृतीनां प्रतिनिधयः सन्ति । दिव्यशक्तिः तेषां स्वभावपरिवर्तनं करोति । यथा यथा एषु प्रतिनिधिषु दिव्यपरिवर्तनं भविष्यति तथा तथा पार्थिवजीवनं दिव्यतां प्राप्स्यति ।

आश्रमे द्वौ भोजनालयौ स्तः । छात्राः, शिक्षकाः शरीरशिक्षाविभागस्य कर्मिणश्च कोणगृहे खादन्ति, अन्ये आश्रमभोजनालये । आश्रमभोजनालये केवलं निरामिषभोजनं दीयते । प्रातः पादोनसप्तवादने, मध्याह्ने सपाद-एकादशवादने, सायं पादोनषड्वादने रात्रौ अष्टवादने च भोजनालयः उद्घाट्यते । वयं प्रतिदिनं भोजनालये त्रिवारं भोजनं कर्तुं शक्नुमः । यः सायं पादोनषड्वादने भोजनं करोति सः रात्रौ अष्टवादने भोजनं कर्तुं न शक्नोति इति नियमः ।

### EXERCISES

Fill in the blanks—

कर्ता	सप्तमी-एक०	सप्तमी-बहु०
अयं बालकः	अस्मिन् बालके	एषु बालकेषु
अयं ग्रन्थः	...	...

कर्ता	सप्तमी-एक०	सप्तमी-बहु०
इदं पुस्तकम्	....	....
तत् पत्रम्	....	....
सः जनः	....	....
इयं माला	अस्यां मालायाम्	आसु मालासु
इयं बाला	....	....
एषा सञ्चिका	....	....
सा शाखा	....	....
एषा कविता	....	....
इयं नदी	अस्यां नद्याम्	आसु नदीषु
इयं लेखनी	....	....
इयं टिप्पणी	....	....
इयं नगरी	....	....
इयम् अङ्गुलिः	....	....
एषा पङ्क्तिः	....	....
एषा मूर्तिः	....	....
एषा सन्ततिः	....	....
सः साधुः	तस्मिन् साधौ	तेषु साधुषु
सः गुरुः	....	....
अयं बन्धुः	....	....
एषः शत्रुः	....	....
अयं मुनिः	....	....
अयम् ऋषिः	....	....
सः अतिथिः	....	....
एषः उपधिः	....	....

Translate into Sanskrit—

Among the mountains, the Himalaya is the highest. Among the poets Kalidasa is the greatest. Among the rivers the Ganga is the purest. Among the languages Sanskrit is the sweetest.

Who does not know the Gita and its divine preceptor, Sri Krishna ? In the Gita there are eighteen chapters. I like most the tenth, the eleventh, the twelfth and the last one (of them). In the tenth chapter Sri Krishna speaks of His divinity. In the eleventh He shows his universal form to Arjuna. In the twelfth are described the divine qualities of a devotee. Among the slokas of the last chapter I like one very much. Here I write its essence in my own words. Sri Krishna says: Think of

me, be my devotee, worship me, bow down to me. Thus shalt thou attain to me. This is my promise to thee.

### VOCABULARY

Among the mountains पर्वतेषु

Highest उच्चतम

Greatest श्रेष्ठ

Language भाषा

Divine preceptor दिव्यगुरुः

Chapter अध्यायः

Speaks of His divinity स्वदिव्यस्वरूपं वर्णयति ।

Universal form विश्वरूपम्

Among the slokas of the last chapter I like one very much. अन्तिमाध्यायस्य श्लोकेषु एकः मम अतिप्रियः ।

Here I write its essence in my own words. अत्राहं तस्य सारं निजशब्दैः लिखामि ।

Thus shalt thou attain to me. इत्थं त्वं माम् एव एष्यसि/प्राप्स्यसि ।

This is my promise to thee. त्वां प्रति इयं मे प्रतिज्ञा ।

### NOTES

कर्ता subject. वस्तु thing. मेधावी brilliant. प्रातिपदिकम् stem. प्रतिवेशी neighbour. साक्षी witness. देशद्रोही traitor to the country. मनीषी wise. जामाता son-in-law. स्वसा sister. दुहिता daughter. अतिथिः guest. गिरिः hill.

वारिधिः ocean. उपधिः chair. प्रतिनिधिः representative. रिपुः enemy. शिला stone. होरा hour. अङ्कनी pencil. लेखनी pen. टिप्पणी note. वधूः daughter-in-law. श्वश्रूः mother-in-law. प्रयोगशाला laboratory.

(३) नवमः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson :

पर्वतेषु हिमालयः उच्चतमः । कविषु कालिदासः श्रेष्ठः । नदीषु गङ्गा पवित्रतमा । भाषासु संस्कृतं मधुरतमम् ।

कः गीतां तस्याः दिव्यगुरुं श्रीकृष्णं च न जानाति ? गीतायाम् अष्टादश अध्यायाः सन्ति । तेषु दशमः, एकादशः, द्वादशः अन्तिमश्च अध्यायाः मम अतीव प्रियाः । दशमे अध्याये श्रीकृष्णः स्वदिव्यस्वरूपं वर्णयति । एकादशे अध्याये सः अर्जुनं स्वस्य विश्वरूपं दर्शयति । द्वादशे अध्याये भक्तस्य दिव्यगुणाः वर्णिताः । अन्तिमाध्यायस्य श्लोकेषु एकः मम अतिप्रियः । अत्राहं तस्य सारं निजशब्दैः लिखामि । श्रीकृष्णः कथयति—माम् एव चिन्तय, मम भक्तः भव, मम आराधनां कुरु, मां नमस्कुरु । इत्थं त्वं माम् एव प्राप्स्यसि । त्वां प्रति इयं मे प्रतिज्ञा ।

अस्माकं विद्यालयस्य छात्रा श्रद्धा एकां कथाम् अस्मान् अश्रावयत् । वयं ताम् अत्र प्रकाशयामः ।  
कदाचित् अतिप्राचीनकाले पृथिवी शनैः शनैः महासागरे निमज्जति स्म ।<sup>५</sup>

ऋषयः ध्यानमग्राः आसन् । ते एतत् अजानन् । ते पृथिव्याः रक्षायै देवान् प्रति प्रार्थनाम् अकुर्वन् ।  
देवाः तेषां प्रार्थनाम् अशृण्वन् । भगवान् विष्णुः, शिवः इन्द्रश्च पृथिवीम् आगच्छन् । ते ऋषीणां  
समक्षम् आविरभवन् ।

ऋषयः विष्णोः, शिवस्य इन्द्रस्य च पादयोः प्राणमन् । "हे भगवन्, दयस्व । कृपया पृथिवीं रक्ष ।  
सा निमज्जति" इति ते न्यवेदयन् ।

दयालवः देवाः तेषां निवेदनम् अशृण्वन् ।

शिवः भूमौ पद्मासनेन उपाविशत् नेत्रे च न्यमीलयत् । सः कमपि मन्त्रम् अपठत् । ततः विष्णुः  
महासागरात् पृथिवीम् उदधरत् । सः तां समुचितस्थाने अस्थापयत् । निमज्जनेन मृताः सर्वेऽपि जीवाः  
पुनर्जीवनं प्राप्नुवन् ।

ऋषयः देवेभ्यः हार्दिकीं कृतज्ञतां न्यवेदयन् । ते तान् प्राणमन् । देवानाम् उपकारं ते कदापि न  
व्यस्मरन् । पृथिवी निमज्जनात् रक्षिता अभवत् ।

सः/सा/ भवान्/भवती/अयं बालकः/इयं बालिका अपठत् ।

ते/ताः/भवन्तः/भवत्यः/इमे बालकाः/इमाः बालिकाः अपठन् ।

सः अकरोत् । ते अकुर्वन् । सः अशृणोत् । ते अशृण्वन् । सः अशक्नोत् । ते अशक्नुवन् । सः  
प्राप्नोत् । ते प्राप्नुवन् । सः आसीत् । ते आसन् । सः अजानात् । ते अजानन् ।

अहम् अपठम् । वयम् अपठाम । अहम् अकरवम् । वयम् अकुर्म । अहम् अशृणवम् । वयम्  
अशृणुम/अशृण्म । अहम् अशक्नवम् । वयम् अशक्नुम । अहं प्राप्नवम् । वयं प्राप्नुम । अहम्  
आसम् । वयम् आस्म । अहम् अजानाम् । वयम् अजानीम ।

त्वम् अपठः । यूयम् अपठत । त्वम् अकरोः । यूयम् अकुरुत । त्वम् अशृणोः । यूयम् अशृणुत ।  
त्वम् अशक्नोः । यूयम् अशक्नुत । त्वं प्राप्नोः । यूयं प्राप्नुत । त्वम् आसीः । यूयम् आस्त । त्वम्  
अजानाः । यूयम् अजानीत ।

## EXERCISES

### १. Fill in the blanks—

सः पठति । सः अपठत् । ते पठन्ति । ते अपठन् ।

सः वदति । ... ..

सः लिखति । ... ..

सा गायति । ... ..

बालकः खेलति । ... ..

<sup>५</sup> स्म is used with the present tense to denote continuity of action in the past, e.g., बाल्यकाले अहं  
संस्कृतम् उत्साहेन पठामि स्म । In my boyhood I used to study Sanskrit with interest. संस्कृतशिक्षकः मयि  
भृशं स्निह्यति स्म । The Sanskrit teacher used to love me very much. अहं बहुषु विषयेषु प्रथमः भवामि स्म ।  
I used to stand first in many subjects.

अहं पठामि, अहम् अपठम् । वयं पठामः, वयम् अपठाम ।

अहं पश्यामि ... ..

अहं पृच्छामि ... ..

अहं खादामि ... ..

अहं पिबामि ... ..

अहं नमामि ... ..

त्वं पठ, त्वम् अपठः । यूयं पठत, यूयम् अपठत ।

त्वं वद ... ..

त्वं लिख ... ..

त्वं गाय ... ..

त्वं खेल ... ..

त्वं धाव ... ..

त्वं तिष्ठ ... ..

२. भूतकाले (अतीतकाले) धातोः पूर्वम् 'अ' इति अक्षरं योज्यते । धातुः उपसर्गयुक्तः चेत् तत् उपसर्गात् परमेव योज्यते इति अवधातव्यम् । तद्यथा,

विश् विशति । अविशत् ।

प्र+विश् प्रविशति । प्राविशत् (प्र+अविशत्) ।

उप+विश् उपविशति । उपाविशत् (उप+अविशत्) ।

नम् नमति । अनमत् ।

प्र+नम् प्रणमति । प्राणमत् (प्र+अनमत्) ।

आप् आप्नोति । आप्नोत् ।

प्र+आप् प्राप्नोति । प्राप्नोत् (प्र+आप्नोत्) ।

ज्वल् ज्वलयति । अज्वलयत् ।

प्र+ज्वल् प्रज्वलयति । प्राज्वलयत् ।

क्षल् क्षालयति । अक्षालयत् ।

प्र+क्षल् प्रक्षालयति । प्राक्षालयत् ।

गम् गच्छति । अगच्छत् ।

अनु+गम् अनुगच्छति । अन्वगच्छत् ।

अनु+भू अनुभवति । अन्वभवत् ।

अनु+वद् अनुवदति । अन्ववदत् ।

अनु+सृ अनुसरति । अन्वसरत् ।

उद्+स्था उत्तिष्ठति । उदतिष्ठत् (उद्+अतिष्ठत्) ।

उद्+तृ उत्तरति । उदतरत् ।

नि+विद् निवेदयति । न्यवेदयत् (नि+अवेदयत्) ।

वि+रम् विरमति । व्यरमत् ।

वि+स्मृ विस्मरति । व्यस्मरत् ।

नि+वस् निवसति । न्यवसत् ।

नि+मील् निमीलति । न्यमीलत् ।

वि+क्री विक्रीणाति । व्यक्रीणात् ।

निर्+गम् निर्गच्छति । निरगच्छत्

(निर्+अगच्छत्) ।

निर्+वा निर्वापयति । निरवापयत् ।

इत्थमेव स्वीकरोति स्व्यकरोत् (स्वी+अकरोत्), आविर्भवति आविरभवत् (आविः+अभवत्)  
इत्यादि ।

Translate into Sanskrit—

Do you know where I found my little birdie ?

“Twee-ee-eet, twee-ee-eet, twee-ee-eet.”

The crying was coming from the bush.

I walked to the bush and pushed the leaves away.

Oh what a cute little bird ! It was blue all over.

I picked it up. It was so cuddly !

“twee-ee-eet, twee-ee-eet.”

Oh dear, oh dear, what did I do ?

I touched its leg. There was blood on it. Now I knew why it was crying. It had hurt its leg. Oh my poor little birdie !

Close by, there was a stream. I took it there and washed its leg. Then I took it home.

I put some iodine on its wound.

“twee-eet, twee-eet.” The iodine burned. I blew on its wound. Then I bandaged the leg nicely.

I found a beautiful basket. I took some cotton and covered it with a soft cloth. Then I put it in the basket. It made a comfortable bed.

I put my little birdie in the basket.

It put its head under its wing. In a minute it was fast asleep ?

Good night, little birdie ! Sweet dreams !

My little birdie मम पक्षिशावकः

Crying करुणभ्वनिः

From the bush गुल्ममध्यात्

Oh what a cute little bird ! अहो मनोहरः

लघुशावकः !

It was so cuddly ! अहो स्नेहलः अयम् !

It was blue all over. तस्य सर्वाङ्गं नीलवर्णम् ।

Oh dear, oh dear ! अद्भ ! अद्भ !

It had hurt its leg. तस्य पादे आघातः आसीत् ।

Oh my poor little birdie हे मम दीनशावक !

Stream निर्झरः wound क्षतम्

The iodine burned. आईओडिन् अदहत् ।

I blew on its wound. अहं तस्य क्षते श्वासम् अपूरयम् ।

Then I bandaged the leg nicely. ततोऽहं पादे पट्टीबन्धं सम्यक् अकरवम् ।

Basket कण्डोलः Cotton तूलम्

Covered it with soft cloth. मृदुवस्त्रेण तत् आच्छादयम्

It put its head under its wing. सः स्वमस्तकं पक्षस्य अधः अस्थापयत् ।

In a minute it was fast asleep. क्षणेन सः गाढनिद्राम् अभजत् ।

Good night, little birdie ! सुशान्तिः,

लघुशावक ! Sweet dreams सुस्वप्नाः !

(अ) दशमः पाठः

Sanskrit translation of the English exercises in the previous lesson :

अपि त्वं जानासि कुत्राहम् इमं पक्षिशावकं प्राप्नवम् इति ?

“ट्वी-ई-ईट्, ट्वी-ई-ईट्, ट्वी-ई-ईट् !”

अयं करुणध्वनिः गुल्ममध्यात् आगच्छति स्म ।

अहं गुल्मनिकटम् अगच्छं पत्राणि च अपासारयम् ।

अहो मनोहरः पक्षिशावकः ! तस्य सर्वाङ्गं नीलवर्णम् ।

अहं तम् उदधरम् । अहो स्नेहलः अयम् !

“ट्वी-ई-ईट्, ट्वी-ई-ईट् !”

अङ्ग, अङ्ग ! अहं किम् अकरवम् ?

अहं तस्य पादम् अस्पृशम् । तत्र रक्तम् आसीत् । कुतः सः करुणध्वनिं करोति स्म इति अहम् अधुना अजानाम् । तस्य पादे आघातः आसीत् । अहो मम दीनशावकः !

निकटे निर्झरः आसीत् । अहं तं तत्र अनयं तस्य पादं च प्राक्षालयम् । ततोऽहं तं गृहम् अनयम् ।

तस्य क्षते अहम् ‘आईओडिन्’ नामकम् औषधम् अयोजयम् ।

“ट्वी-ई-ईट्, ट्वी-ई-ईट् !” आईओडिन् अददहत् । अहं तस्य क्षते श्वासम् अपूरयम् । ततोऽहं पादे सम्यक् पट्टीबन्धम् अकरवम् ।

अहं कमपि सुन्दरं कण्डोले प्राप्नवम् । किञ्चित् तूलम् आनीय सूक्ष्मवस्त्रेण तत् आच्छादयम् । ततोऽहं तत् कण्डोले अस्थापयम् । तेन सुखशय्या रचिता अभवत् ।

अहं स्वलघुशावकं कण्डोले अस्थापयम् । सः स्वमस्तकं पक्षस्य अन्तरे अस्थापयत् क्षणेन च गाढनिद्राम् अभजत् ।

सुरात्रिः, लघुशावक ! सुखप्ताः !

सायं सभा आहूता । बहवः जनाः आगताः । केचन अवाञ्छिताः, अनाहूताः अपि उपस्थिताः । सभाकक्षः जनैः पूरितः । किन्तु प्रमुखः न आगतः ।

सः विशेषकार्याय बहिः प्रेषितः आसीत् । अद्य तस्य यात्रा समाप्ता । सः यात्रायाः प्रतिनिवृत्तः । सभा तस्य स्वागताभिनन्दनार्थम् आयोजिता ।

प्रमुखेन स्वभाषणम् आरब्धम् । तेन कथितम् — “भो भ्रातरः ! यस्य कार्यस्य अर्थे अहं भवद्भिः बहिः प्रेषितः आसं तत् कार्यं सम्यक् कृत्वा अद्य प्रत्यागतोऽस्मि । मया बहवः विशिष्टजनाः दृष्टाः, पृष्टाः परामृष्टाः च । तैः मां प्रति बहवः प्रश्नाः कृताः । मया यथामति तेषाम् उत्तरं दत्तम् । अधुना तदीयम् एकं प्रश्नं भवन्तः उत्तरयन्तु । तेन अस्माकं बुद्धिप्राख्यं परिस्फुटं भवेत् । सः प्रश्नः तावत् अयम् —

“कस्मिंश्चित् वृक्षे त्रयः पक्षिणः उपविष्टाः । केनचित् व्याधेन तेषु गुलिकास्त्रं प्रयुक्तम् । तस्य प्रथमगुलिकया एकः पक्षी मृतः । तर्हि तान् सर्वान् पक्षिणः मारयितुं तेन कति गुलिकाः प्रयुक्ताः ?”

‘तिस्रः, तिस्रः’ इति सर्वैः उच्चैः उत्तरितम् ।

‘साधु, साधु’, मयापि इदमेव उक्तम् ।

सः अपठत् । तेन पठितम् । ते अपठन् । तैः पठितम् ।

त्वम् अखादः । त्वया खादितम् । यूयम् अखादत । युष्माभिः खादितम् ।

अहम् अलिखम् । मया लिखितम् । वयम् अलिखाम । अस्माभिः लिखितम् ।

सः/सा/अयं बालकः/इयं बालिका/भवान्/भवती ह्यः किम् अपठत् ?

तेन/तया/अनेन बालकेन/अनया बालिकया/भवता/भवत्या ह्यः किं पठितम् ?

ते/ताः/इमे बालकाः/इमाः बालिकाः/भवन्तः/भवत्यः ह्यः किम् अपठन् ?

तैः/ताभिः/एभिः बालकैः/आभिः बालिकाभिः/भवद्भिः/भवतीभिः ह्यः किं पठितम् ?

मया/त्वया/तेन पठितम्, रामायणं पठितम्/गीता पठिता/वेदः पठितः ।

अस्माभिः/युष्माभिः/तैः लिखितम्, पद्यं लिखितम्/कविता लिखिता/निबन्धः लिखितः ।

पद्यं लिखितम् । पद्यानि लिखितानि । कविता लिखिता । कविताः लिखिताः । निबन्धः लिखितः ।

निबन्धाः लिखिताः ।

### EXERCISES

Fill in the blanks with the Past Passive Participle form of the root given in brackets.

- |   |  |
|---|--|
| (क) मया सायं स्तोत्रं (पठ्) ...           | अद्य अस्माभिः विद्यालयः (गम्) ...          |
| तेन सायं कविता (लिख्) ...                 | अद्य तैः अस्माकं पाठशाला (दृश्) ...        |
| त्वया कदा श्लोकः (शिक्ष्) ...             | अद्य युष्माभिः कुतः विद्यापीठं न (गम्) ... |
| (ख) मया पुष्पम् आनीतम् । मया पुष्पाणि ... | श्लोकः ...                                 |
| तेन देवः पूजितः । तेन देवाः ...           | तैः फलं प्राप्तम् । तैः फलानि ...          |
| त्वया देवी आराधिता । त्वया देव्यः ...     | अस्माभिः कथा श्राविता । अस्माभिः कथाः ...  |
| अस्माभिः श्लोकः रचितः । अस्माभिः ...      | युष्माभिः कथा श्रुता । युष्माभिः कथाः ...  |

उत्तराणि — (क) पठितम्, लिखिता, शिक्षितः, गतः, दृष्टा, गतम् ।

(ख) आनीतानि, पूजिताः, आराधिताः, रचिताः, प्राप्तानि, श्राविताः, श्रुताः ।

### NOTES

प्रतिनिवृत्तः<sup>६</sup> returned.

<sup>६</sup> Past Passive Participles of verbs having the sense of 'going' like गत, आगत, प्राप्त, प्रतिनिवृत्त, प्रविष्ट, उपस्थित are also used as Past Active Participles, e.g., अहं विद्यालयं गतः । सः आपणात् आगतः । त्वं कदा अत्र प्राप्तः/प्राप्ता ? इयम् आर्या अद्य विदेशात् प्रतिनिवृत्ता । सा समये उपस्थिता । शिक्षकः कक्षे प्रविष्टः । These sentences with Past Passive Participles would be as follows : मया विद्यालयः गतः । तेन आपणात् आगतम् । त्वया कदा अत्र प्राप्तम् ? अनया आर्यया अद्य विदेशात् प्रतिनिवृत्तम् । तया समये उपस्थितम् । शिक्षकेण कक्षः प्रविष्टः ।

सभा आहूता the meeting was called.

अवाञ्छिताः unwanted.

प्रमुखः the head.

आयोजितः was arranged.

दृष्टाः, पृष्टाः परामृष्टाः च were seen and asked and consulted.

यथामति according to one's intellect.

अस्माकं बुद्धिप्राखर्यम् sharpness of our intelligence.

उक्तम् was told.

निबन्धः essay.

(ट) एकादशः पाठः

अद्य प्रातस्तरो मित्रवरं पश्यामि ! अहं बहुदिनानि ते न दृष्टवान् । तम् उपगच्छानि तावत् । अरे सन्तोष ! कदा त्वम् अत्र प्राप्तवान् ? त्वम् एकलः आगतवान् अथवा सपरिवारः ? अपि तव माता आगतवती ?

आम्, सा आगतवती । अहं परिवारेण सह आगतवान् ।

अन्ये के आगतवन्तः ?

द्वौ भ्रातरौ भगिनी च । ते आश्रमस्य विभागान् न दृष्टवन्तः, उषानगरीं न गतवन्तः । अद्य तान् सर्वं दर्शयिष्यामि ।

अपि त्वम् आश्रमफलके सूचनां पठितवान् ? अद्य वयं पुष्पाणां प्रदर्शनीम् उद्घाटितवन्तः । श्वः सायं सप्तवादनपर्यन्तं कदाचित् द्रष्टुम् आगच्छ । बहूनि नूतनानि पुष्पाणि द्रक्ष्यसि । वयं बहुभ्यः स्थानेभ्यः दुर्लभपुष्पाणि सङ्गृहीतवन्तः, श्रीमात्रा प्रदत्तानि तेषाम् आध्यात्मिकनामानि व्याख्यासहितं पत्रखण्डेषु लिखितवन्तः । अस्मिन् वारे वयं संस्कृते तेषाम् अनुवादं कृतवन्तः । त्वम् आगच्छ । अस्माकम् आनन्दः भविष्यति ।

अहम्/त्वम्/सः/अयं बालकः पठितवान् ।

आवाम्/युवाम्/तौ/इमौ बालकौ पठितवन्तौ ।

वयम्/यूयम्/ते/इमे बालकाः पठितवन्तः ।

अहम्/त्वम्/सा इयं बालिका पठितवती ।

आवाम्/युवाम्/ते/इमे बालिके पठितवत्यौ ।

वयम्/यूयम्/ताः/इमाः बालिकाः पठितवत्यः ।

## EXERCISES

Fill in the blanks—

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(पठित)	पठितवान्	पठितवन्तौ	पठितवन्तः
(लिखित)	...	...	...
(शिक्षित)	...	...	...
(प्रेषित)	...	...	...
(पूजित)	...	...	...
(खादित)	...	...	...
(पतित)	...	...	...
(गत)	...	...	...
(आगत)	...	...	...
(श्रुत)	...	...	...
(कृत)	...	...	...
(दृष्ट)	...	...	...
(पृष्ट)	...	...	...
(आदिष्ट)	...	...	...
(पठित)	पठितवती	पठितवत्यौ	पठितवत्यः
(कथित)	...	...	...
(चिन्तित)	...	...	...
(रचित)	...	...	...
(स्मृत)	...	...	...
(विस्मृत)	...	...	...
(ज्ञात)	...	...	...
(स्नात)	...	...	...
(नीत)	...	...	...
(क्रीत)	...	...	...
(ल्यक्त)	...	...	...
(पीत)	...	...	...
(भुक्त)	...	...	...
(दत्त)	...	...	...
(गृहीत)	...	...	...
(सुप्त)	...	...	...
(प्राप्त)	...	...	...

# DEVANAGARI SCRIPT TIPS

The following tips are meant for those who are familiar with the Roman Script. Here the trick to remember is: From the known to the unknown.

## D.S. Tip No. 1

3 hyphen T becomes अ in Sanskrit which is pronounced as in rural. Without अ no consonant can be pronounced independently. Sri Krishna in the Gita (10:33) says: I am अ among all letters.

## D.S. Tip No. 2

Mirror image of P is ष pronounced as in pot.

## D.S. Tip No. 3

प joined with h becomes फ pronounced as in uphill (not f).

## D.S. Tip No. 4

R without bar becomes र pronounced as in rub.

## D.S. Tip No. 5

t modified becomes ट pronounced as in tub.

## D.S. Tip No. 6

G on its back with T becomes ज pronounced as in German.

## D.S. Tip No. 7

o joined with T becomes व pronounced as in world.

## D.S. Tip No. 8

व with its loop crossed becomes ब pronounced as in ball.

## D.S. Tip No. 9

व joined with h becomes क pronounced as in kill.

## D.S. Tip No. 10

र joined with व becomes ख pronounced as in inkhorn.

## D.S. Tip No. 11

अ with another I becomes आ pronounced as in father.

# भाषणाभ्यासाः

(उत्तराणि सप्तमे पृष्ठे सन्ति)

१. वर्गस्थं रिक्तस्थानं पूरय।

- (क) शिक्षक, चालक, पालक, वादक, साधक, गणक, योजक, प्रकाशक, संशोधक, रन्धक, सम्पादक, विचारक, विनाशक, परिवेषक, प्रचारक, उत्पादक, अध्यापक, प्रेषक, उद्घाटक। शिक्षयति
- (ख) गायक, रक्षक, क्रीडक, कृषक, खादक, निन्दक, आक्रामक, प्रशंसक, पर्यटक, सन्तरक। गायति

पूजकः पूजयति। त्वं न पूजयसि। अहं न पूजयामि। अपि सः आर्यः ... ? अपि सा आर्या ... ? अपि अयम् आर्यः ... ? अपि इयम् आर्या ... ? अपि भवान् ... ? अपि भवती ... ? अत्र कोऽपि ... ? अत्र कापि ... ? अत्र कः ... ? अत्र का ... ?

२. वाक्यानि रचय।

अहं	चमसेन, दक्षिणहस्तेन, वामहस्तेन		खादामि
	मात्रा, पित्रा, भ्रात्रा, भगिन्या, पितामह्या, मातामह्या, पितामहेन, मातामहेन	सह	
	विद्यालयात्, क्रीडाक्षेत्रात्, कृषिक्षेत्रात्, आश्रमात्, मन्दिरात्, ध्यानगृहात्	आगत्य	
	आसने, कटे, पीठे, याने, उद्याने	उपविश्य	

३. सार्थक-वाक्यानि रचय।

अहम् त्वम् सः/अयं बालकः सा/इयं बालिका	अधुना, प्रतिदिनम्, अधिकम्, कदापि न, त्वद्वत्, तद्वत्, सर्वम्, किं किं न, द्वि/त्रि/चतुर्-वारम्, कतिवारम्, प्रभाते, एकान्ते, एतत् न, अन्यत्, अन्यत्र न, एकत्र, एतावत्, यथेच्छम्, शान्तभावेन, भोजनालये, छात्रावासे, उपाहार-गृहे, अल्पाहार-गृहे, एकलः/एकला, लुक्कायमानः/लुक्कायमाना, सर्वदा, वारंवारम्, नैव, बहुकालम्, सुखेन, दुःखेन, लोभेन, नियमेन, अपि, न, मधुरम्, किमपि, उच्चस्वरेण, अवश्यम्।	खाद पठ धाव हस खेल भ्रम
--	---	---------------------------------------

४. सार्थक-वाक्यानि रचय।

त्वम् सः/अयं बालकः सा/इयं बालिका भवान्, भवती	शीघ्रम्, सावधानम्, न, रविवारे द्विवादनात् परम्, गुरुवारे षड्वादनात् पूर्वम्, सप्ताहात्/मासात्/वर्षात् परम्, अस्मिन् सप्ताहे/मासे/वर्षे, आगामि-सप्ताहे/मासे/वर्षे, त्रि/चतुर्/पञ्च/षड्भ्यः दिनेभ्यः/होराभ्यः परम्	खाद, पठ, धाव, हस, खेल, भ्रम, कथय, चिन्तय
---	--	--